

स० 1] म

मई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 3, 1981 (पौष 13, 1902)

PUBLISHED BY AUTHORIT

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 3, 1981 (PAUSA 13, 1902)

इस माग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उक्क ग्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 नवम्बर, 1980

सं० ए०-35014/1/80-प्रशा०-II—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रियूचना दिनांक 21 ग्रक्तूबर, 1980 के ग्रियंकमण में प्रथ्यक्ष, संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा संघ लोक सवा ग्रायोग के संवर्ग में के० स० से० से स्थायी ग्रनुभाग ग्रियंकारी श्री एस० के० मिश्र को 15-10-1980 से 14-1-1981 तक की प्रविध के लिए ग्रथवा श्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हो, वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री एस० के० मिश्र, संघ लोक सेवा श्रायोग में वरिष्ठ विक्लेषक के संवर्ग वाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होंगे श्रौर उनका वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० ज्ञा० सं० 10(24)-ई III/60 विनांक 4-5-61 में सन्निहित उपबंधों के श्रनुसार विनियमित होगा।
1—396GI/80

दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० ए०-32014/2/80-प्रणा---संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित श्रधीक्षकों (हाल०) को, श्रष्ट्यक्ष संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा 1-2-80 से 28-12-81 तक की श्रविध के लिए श्रगामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, श्रायोग के कार्यालय में सहायक नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:--

- 1. श्री जे० एल० कपूर
- 2. कुमारी संतोष हांडा

पी० एस० राणा मनुभाग मधिकारी, **इते** म्रघ्यक्ष, संघ लोक सेवा भ्रायोग

गृह मंत्रालय

(का० एवं प्रशा० स० वि०) केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो मई विल्ली, विमाक्त ७ विसम्बर, 11.980

सं ० ए० - 19021/ में /ग हमायास्तान 5 प्रकासतेन हो आनि पर श्री झारू० विश्वनाम, भारतीम पुलिस सेमा ((1988-कर्नाटक) पुलिस ग्रधीक्षक, केन्द्रीय झन्वेषण न्यूर्री, विशेष मुलिस स्थापना संगलीर की सेवाएं दिनांक 55-111-1980 (श्रापराह्म) से कर्नाटक सरकार को वापस सीपी जाती है।

दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं०एस-13/70-प्रशासन-5—निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री एस० नर्रासहन्, पुलिस उप-ग्राधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में दिनांक 30-11-1980 के श्रपराह्म में पुलिस उप-श्रधीक्षक के पद का कार्यभार स्माग विया।

सं० ए०-19036/20/80-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री जी० भास्करत धम्मी, प्रतिनियुक्त निरीक्षक को दिनांक 1-12-1980 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक के लिए स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 दिसम्बर 1980

सं० श्रो०-12/68-प्रशासन-5—हरियाणा सरकार, गृह विभाग श्रादेश सं० 34/123/79/6/एक०-11-80, दिमांक 11-11-80 के द्वारा दिनांक 18-8-78 से निदेशक, केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, हरियाणा मधुबन (करनाल) के रूप में स्थायीकरण हो जाने पर श्री श्रो० पी० चुग का उक्त तिथि से सहायक निवेशक (स्थैर्य भारण), केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के पद पर पुनर्गहणाधिकार, एतद्व्वारा, समाप्त किया जाता है।

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केरद्रीय ग्रन्वैषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व मुक्तिस बल मई क्लिनी-1100.22, विमांक 8 विसम्बर 1980

सं०-पी०सात-61/80-स्थापमा--श्री बी०डी० सरीन, प्रनुभाग अधिकारी को महानिवेशालय, के रिजर्ब पुलिस बल में नियमित रूप में दिनांक 1-12-1980 (प्रकराह्म) से संयुक्त सहायक निवेशक (लेखा) के पद पर पदोन्नत किए जाते हैं।

सं० श्रो०-दो-1478/80-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी, जी०डी०श्रो० ग्रेड-II डा० एम० किशन राव, बेस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई विल्ली को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा नियमावली 1965 के नियम 5(1) के श्रनुसार एक माह के नोटिस की सम्माण्त पर विनांक 19-9-80 के श्रपराह्म से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

विनांक 9 दिसम्बर 1980

सं श्रो वो वो वे निर्म 80-स्थापना — राष्ट्रपति ने कनिष्ठ विकित्सा श्रधिकारी, जी व्ही व्यो ग्रेड-II डाक्टर योगेन्द्र मित्तल केस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, नई दिल्मी को केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्रस्थायी सेवा मियमावली) 1965 के नियम 5(1) के श्रनुसार एक माह के नीटिस भी समाप्ति पर विनांक 22-11-1980 के श्रपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

ए० कि० र सहायक निवेशक (प्रशास

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019 दिनांक 2 दिसम्बर 1980

सं० ई०-16013(2)/1/80-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतिरत होने पर श्री एम० के० राज, भारतीय पुलिस सेवा (यू०पी०-65) ने श्री ग्रार० बी० श्री कुमार के स्थान पर, 6 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से यूनिट एफ० ए० सी० टी० उद्योग-मंडल के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया श्रीर श्री कुमार ने थुम्बा को स्थानांतरण होने पर उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 12 दिसम्बर 1980

सं० ई०-16013(1)/1/80-कार्मिक प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री श्री० पी० एस० बौहान, भारतीय पुलिस सेवा (उड़ीसा-63) ने 24 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से के० श्रो० सु० ब० यूनिट, बी० सी० एक० अरिया के उप महानिरीक्षक श्रौर सी० श्रो० एस० के पद का कार्य-भार संभाल लिया।

(हु॰ अपठनीय) महानिदेशक

भारत के महांपंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011 दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं०-10/29/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, इस कार्यालय के दिसांक 15 सितम्बर, 1979 की संमसंख्यांक श्रीधसूचना के अनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महांपंजीकार के कार्यालय में सहायक महापंजीकार (जनगणना और सारणीकरण) श्री के०के० चक्रवर्ती को इसी कार्यालय में तारीख 12 सिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्म से तारीख 11 सिसम्बर, 1981 तक एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रवधि पहले हो, पूर्णेतः श्रस्थाई और तदर्थ श्राधार पर उप-महापंजीकार (जनगणना और सारणी-करण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 15 दिसम्बर 1980

सं०-11/96/79-प्रशासन-I---राष्ट्रपति, भारत के महुर्यजी-कार के कार्यालय के भाष्या प्रभाग, कलकत्ता में वरिष्ठ तक्षीकी ्राम्यक (भाषा) के पद पर कार्यरत कुमारी जे० राजथी ो उसी कार्यालय में तारीख 1 नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्म नः अगले श्रादेशों तक श्रस्थाई क्षमता में 700-40-900 द०रो०-40-1100-50-1300 रुपये के वेतनमान में श्रनुसंधान अधिकारी (भाषा) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कुमारी जें० राजधी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं०-11/31/80-प्रशासन-I—राष्ट्रपति, श्रान्ध्र प्रदेश सिविल
सेवा के श्रिधिकारी श्री पी० वी० रमणमूर्ती को श्रांध्र
्रैश, हैं दराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख
्रिक्टिंग, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की श्रविध के लिए
के तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहले हो, तदर्थ श्राधार पर, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री**म्त्री** का मुख्यालय कुरनूल में होगा।

पी० पद्मनाभ भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार-II, प० बंगाल, स्थानीय लेखा-परीक्षा विभाग कलकक्ता-I, दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० एल० फ०/प्रणा०/85—-श्री ए० एस० बनर्जी, सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगाल, के 30-11-80 (उपराह्म) से निवर्तन पर प्रवसर लेने के उपरान्त महालेखा-काए-द्विलीय, प० बंगाल ने श्री मृनाल कान्ति विष्वाम को (ग्रनु० जाति) जो कि एक स्थानापन्न ग्रनुभाग ग्रधिकारी है, तदर्थ तथा श्रन्तिम तौर पर पूर्ण तथा ग्रस्थायी स्प से स्थाना-पन्न महायक परीक्षक स्थानीय लेखा, के पद पर 30 नक्कबर, 1980 के ग्रपराह्म या जिस दिन से वे सचमुच महायक स्थानीय लेखा परीक्षक के हैं सियत से ग्रपना कार्यभार सम्हालते है, इनमें जो बाद में हो, ग्रगले ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेनी चाहिये कि यह प्रोन्नित कल-कत्ता उच्च न्यायलय के एक मुक्दमें में विनिर्णय जब तक नहीं हो नब तक पूर्णतया श्रम्थायी रूप में है श्रीर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध दायर किये गये 1979 के मी० श्रार० केस नं० 14818 (एन) के श्रंतिम फैसले के श्रधान है।

उल्लिखित तदर्थ प्रोन्नित भारत के उच्चनम न्यायलय के 1973 के सिविल श्रपील संख्या 1584 से 1588 (एन) भीर 1979 के सिविल श्रपील संख्या 2104-2105 (एन) के श्रंतिम श्रादेश पर भी निर्भरशील है।

वि० एत० दत्त चौधरी स्थानीय लेखा परीक्षक, प० वंगाल

कलकत्ता-1 दिनांक 4 दिसम्बर 1980 सं प्रशा - [/1038-XV]]/3148 - महालेखाकार-प्रथम, बंगाल, स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारी श्री शर्गदन्दु मुखर्जी को तदर्थ तथा भ्रन्तः कालीन तौर पर भौर पूर्णतया अस्पामीः रूप से स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी के पद पर 4 दिसान्तर, 1980 के पूर्वाह्म या जिसा दिन से वे सचमुन लेखा-अधिकारी के हैं सियत से अपना कार्यभार सम्हालके हैं, (जो भी बाद में हो), भ्रगले आधेम तक नियुक्त करते हैं।

यह स्पष्ट समझ लेनी चाहिये कि यह प्रोग्निति कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकद्में में जब तक विनिर्णय नहीं हो, तब तक पूर्णत्या ग्रस्थायीं रूप से है ग्रौर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों विरुद्ध दायर किये गये 1979 के०सी० श्रार० केस नं० 14818 (डब्ल्यू) के ग्रंतिभ फैसले के श्रधीन है।

> सुधा राजा गोपालन वरिष्ठ छप-महा**लेखा**कार (प्रशा०)

कलकता-1 विनांक 9 दिस ार 1980

सं० प्रणा०-ा/1038-एक्स II/13---महालेखाकार-प्रथम प० बंगाल, निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को तदर्थ तथा अन्तःकालीन रूप से 1 विसम्बन्द, 1980 के पूर्वाह्म या जिन तारीख/तारीखों से के सचमुच इस कार्यालय/कार्यालय महालेखाकार द्वितीय में लेखा अधिकारियों के हैसियत से अपना कार्यभार सम्हालते हैं, अस्थायी तथा स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सर्बंश्नी'

1.	सुधीर कुमार चट्टोपाध्याय	1 दिसम्बर, 80 के पूर्वा०से)

2. म्राणिस्कुमारमित्र⊢1 वही

निलनाक्ष राय वही

4. सुधीर रंजान राय वही

कुडणदास बनर्जी वही

यह स्पष्ट रूप से समझ लेनो चाहरों कि यह प्रोन्नित कलकत्ता उच्च अदालत के एक मुकदमें में विनिर्णय की समाप्ति तक पूर्णनया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरूद्ध दायए कियोगये 1979 के मीठ आर० केस नं० 14818 (डब्ल्यू) के अन्तिय फैसले के अधीन है।

सं० प्रकार०-ा/10:38-XVIII/3042---महालेखाकार-प्रथम, प० बंगाल के स्थायो अलुभान श्रविकारो श्री सत्येन्द्र कुमार माजी को तदर्थ तथा ग्रन्तः कालीन रूप हैं 20 नवम्बर, 1980 के पूर्वाल, या जिल दिन से वे सचमुच लेखा श्रधिकारी के हैिलयल से श्रामा कार्यभार सम्हालते हैं उस दिन से, इनमें जो बाद में हो, सम्पूर्ण श्रम्थायो तीर पर लेखा-श्रधिकारा के पद पर श्रमके श्रादेश तक नियुक्त करते

यह स्पष्ट रूप से समझ लेनी चाहि इप्रोन्नित कलकत्ता उच्च ग्रदालत के एक मुकद्दों में विकास कि समाण्ति तक पूर्णतया श्रस्थायो रूप से है श्रीर भारतोय गणराज्य तथा दूसरों के विकृद्ध दायर लिये गये 1979 के सी० श्रार० केस नं० 14818 (एन) के श्रन्तिन फैसले के श्रम्भोज है।

तैनाती

लेखा श्रधिकारी के रूप में प्रोन्नति में उपरान्त श्री सत्येन्द्र कुमार माजी को श्री परितोष कुमार मुकर्जी के स्थान पर पेंशन वर्ग में तैनात किया जाता है। श्री मुकर्जी को कोषागारों के निरीक्षण कार्य के लिये लेखा वर्ग में तैनात किया जाता है।

के० राममोहन वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०)

महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक बंगलौर, दिनांक 13 नवम्बर 1980

सं० स्था०-1/ए०-4/80-81/846—महालेखाकार, इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग प्रधिकारियों को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा प्रधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदौन्नत करते हैं।

- 1. श्री एस० पी० वासुदेवन
- 2. श्री एस० लक्ष्मी नारायण राव
- 3. श्री एन० स्नार० गोपिनाथ

ये पदोन्नत सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका 1978 के नं० 4367 के श्रंतिम नतीजों के श्रधीन रहते हैं।

> हस्ताक्षरित वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली-22, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं०-18384/प्रणा०-1—58 वर्ष की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री के० राजगोपालन, श्राई० डी० ए० एस० रक्षा लेखा उप नियंत्रक को दिनांक 31-5-1981 (श्रपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा भौर तदनुसार वे दिनांक 31-5-1981 (श्रपराह्न) से रक्षा लेखा विभाग के संख्या बल पर नहीं रहेंगे।

सं०-23011(1)/66/प्रणा०-I—निम्नलिखित श्रिधिका-रियों की पुष्टि, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के ग्रुप "क" के कनिष्ठ समयमान में, प्रत्येक के समक्ष दर्शाई गई तारीख से की जाती हैं:---

ऋम सरू	पा नाम	पुष्टि की तारीख
1	2	3
सर्वश	 री	
1. एस	के० ग्रय्यर	12-12-79
2. पी०	बी० भट्टाचार्जी	3-01-80
3. गौरः	जीबन मिल्ला	12-12-79
4. शाम	'लाल कपूर	12-12-79
5. च रन	जीत लाल मागो	12-12-79

1 2	3 4
6. राज कृष्ण बहल	23-12-79
 मदन मोहन लाल 	21-01-80
8. के० सी० उन्नीरामन	12-12-79
 ई० ग्रार० बाला सुब्रह् म्ण्यम 	02-01-80
10. वी०पी० गुप्ता	20-12-79
11. बी० जी० कृष्णामूर्ति	12-12-79
12. भगतराम बियाला	12-12-79
13. भ्रार० बी० बालासुन्दरम	12-12-79
14. श्रार० सुब्रह्म्ण्यम	10-01-80
15. जी०एस० वर्मा	10-01-80
16. ए म० हरिहर सुन्नह् मण्य म	27-05-80
 10. वी०पी० गुप्ता 11. बी०जी० कृष्णामूर्ति 12. भगतराम बियाला 13. ग्रार० बी० बालासुन्दरम 14. ग्रार० सुन्नह्म्ण्यम 15. जी०एस० वर्मा 	20-12-79 12-12-79 12-12-79 12-12-79 10-01-80 10-01-80

सी० वी० नागेन्द्र रक्षा लेखा भ्रपर महानियन्नक

रक्षा मंद्रालय

डी॰जी॰ग्रो॰एफ॰ मुख्यालय सिविल सेवा कलकत्ता-69, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

मं०-26/80/ए/ई-I (एन०जी०) — डी० जी० भ्रो० एफ० महोदय श्रोमती छवि सेन, सहायक स्टाफ घफसर (तदर्थ) को स्थानापन्न सहायक स्टाफ घफसर के रूप में ग्रागामी ग्रादेश न होने तक वर्तमान रिक्ति में ता० 27-10-80 से प्रोन्नत करते हैं।

श्रीमती सेन प्रपनी प्रोन्नति को तारीख से श्रागामी दो वर्षो तक परखावधि पर रहेंगें।

> डी०पी० चक्रवर्ती ए० डी० जो० श्रो० एफ०/प्रशा० कृते महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फैक्टिरयां

कलकत्ता-16, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

स०-75/80/जी—-वार्धय निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त-कर , श्री श्रार० एम० उपाध्या स्थानापन्न डी० डी० जी० श्रो० एफ० (मौलिक एव स्थायी एस० ए०) तारीख 31 श्रान्त्रर, 1980 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

गं० के० मेहता सहायक महानिदेशक, श्रार्डनैंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंद्रालय (वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास <mark>ग्रायुक्त कार्यालय</mark> नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

सं ० ए.०-12025(1)/5/80-प्रग०-11(ए):—-राष्ट्रपति श्री पिन्जाला पापा राव को 10 जुलाई, 1980 के पूर्वीह से ग्रागामी श्रादेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, हैदराबाद ा सहायक निदेशक ग्रेंड 1 (बुनाई) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> पी० शकर संयुक्त विकास स्रायुक्त (हथकरघा)

विस्फोटक विभाग

नागपुर,दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं० ई०-II (7)---इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969, के ग्रिधिसूचना सं० ई 11 (7) में श्रेणी 2-नायट्रेट मिश्रण के ग्रिधीन निम्नलिखित जोड़ दिया जाये:---

- (1) प्रविष्टि "इनरजेल" के पूर्व "डायनेक्स" विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं क्षेत्र ग्राभिप्रयोग हेतु 31-3-1981 पर्यन्त :
- (2) "पावरप्लास्ट" के पश्चात "प्रीमियर डायनामीट" विनिर्दिष्ट स्थलो विनिर्माण एव क्षेत्र भ्रभिप्रयोग हेत् 31-3-1981 पर्यन्त,तथा
- (3) "सफब्नास्ट" के पश्चात "सालवाजेपक" विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं क्षेत्र श्रीभप्रयोग हेतु 31-3-81 पर्यन्त ।

चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियन्नक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून,दिनांक 8 दिसम्बर, 1980

सं० ई-1/5673/881-म्राफिसस——डा० (श्रीमती) सुनीता गन्दवानी, एम०बी०बी०एम० की नियुक्ति ज्योंडीय एव झनुसन्धान गाखा डिसपेन्सरी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में समान्य सिविल सेवा, प्रुप "बी" सिवस में, महिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर दिनांक 6-11-80 (पूर्वाह्न) से 1155/-रुपये प्रतिमाह वेतन पर (कुल मिला कर) पूर्णतया अस्थायी रूप में, 90 दिन तक की अवधि के लिए की जाती है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंझालय के पत्र सं० ए-11011/10/80-सी०एच०एस० 1(11) दिनांक 23-9-80 के अन्तर्गत डा० (श्रीमती) एल०राधामनी का स्थानान्तरण हैंदराबाद होने पर यह वर्तमान रिक्ति हुई है।

के०एल० खोसला मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक

श्राकाणवाणी महानिदेणालय नई दिल्ली,दिनांक 10 दिसम्बर 1980

र्सं०-4(23)/80-एम०-I---महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, ाद्द्वारा श्री एस० सी० सौंकर को ग्राकाशवाणी, लखनऊ में 30-10-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

विज्ञापन भ्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 10 दिसम्बर 1980

सं० ए०-12026/15/80-स्थापना—विज्ञापन आंर दृश्य प्रचार निदेशक, वरिष्ठ लेखाकार (तदर्थ) श्री एन० वी० तिवारी को 4 दिसम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश तक लेखा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी उप निदेशक (प्रशासन) कृते: विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1980

सं० ए०-12025 (18) 78-प्रणासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० एल० कोहली को 3 नवम्बर, 1980 पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना , पटना में दंत सर्जन के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त किया है ।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना में दंत सर्जन के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० कोहली ने 23 अनतूबर, 1980 अपराह्म को केन्द्रीय सरकार स्वाध्य योजना, दिल्ली से दंत सर्जन (तदर्थ) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं०ए०-12026(24)80-प्रणासन-I—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेणक ने श्री बुद्ध सिंह को 3 नवस्बर, 1980 पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी ग्रस्पताल, नई दिल्ली में लेखा ग्रिधकारी के पद पर ग्रस्थायी ग्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> शाम लाल कुठियाला उप दिदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्नेनिर्माण मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० ए०-19024/1/78-प्रणा०-III-इम निदंशालय के अधीन फरीदाबाद में उप कृषि विपणन मलाहकार (तेल एवं वमा) के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री रामजीत वर्मा ने तारीख 31-10-80 (श्रपराह्म) से इस निदेशालय

के केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला में कनिष्ट वैज्ञानिक श्रधिकारीः के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्चि-पत

सं० ए०-19025/62/80-प्रशा० III — इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम तारीख 17-11-80 में श्री एम० रत्नाकर की सहायक विपणन श्रधिकारी (वर्ग III) के पद पर नियुक्ति की तारीख जी 2-10-1980 (पूर्वाह्म) दिखाई गई है, 22-10-80 (पूर्वाह्म) पढ़ा जगए ।

सं० ए०-19026/1/80-प्रमा०-III—-विभागीय पदोन्नित समिति (वर्ग "ब") की संस्तुतियां के प्रमुसार श्री-ग्रार० पी० गर्मा प्रधीक्षक (श्रनुसचिवीय) को तारीख 15-11-1980 (अपराह्म) से श्रगले ग्रादेश होने तक मंडी नियोजन ग्रीर डिजाईन केन्द्र नागपुर में स्थानापन्न प्रणासन श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

(2) श्री णर्मा की मंड़ी नियोजन ग्रीर डिजाईन केन्द्र नागपुर में नियमित श्राधार पर प्रशासन ग्राधिकारी के रूप में नियुक्ति होने के उपरान्त श्री ग्राई० एन० चहाडे को प्रतिनियुक्ति ग्राधार पर प्रणासन ग्राधिकारी के पद से इस निदेशालय के प्रधान पाखा कार्यानय नागपुर में तारीख 15-11-80 (ग्रपराह्म) से ग्रन्भाग श्राधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

दिनांक 11 दिसम्बर 1980

सं० ए.०-19025/59/80-प्र०-III—विभागीय पदोन्निति समिति (वर्ग "व") की संस्तृतियों के प्रनुसार सर्व श्री फ्रार० एम० उजंकर प्रीर ए०कें० मबुई तारीख 6-10-80 (पूर्वाह्न) से अगने ब्रादेण होने तक इस निदेणालय के अधीन क्रमणः नागपुर ग्रीर पटना में स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) ग्रीर (III) के रूप में नियुक्त किए गए हैं"।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन हुते कृषि विषणन सलाहकार

भाभा परमाण् श्रनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० पी ए०/79(11)/79-म्रार 4—नियंत्रक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र श्री लक्ष्मण बालाजी गावडे, सहायक, बी० ए० ग्रार० सी० को सहायक प्रणासन म्रधिकारी (रुपये 650-960) ग्रेड में, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र में 1 नवम्बर, 1980 से म्रग्निम म्रावेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० पीए/73(8)/79-श्रार-4---नियंत्रक, भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र डा० शेखर सखाराम गींनदें को निवासी चिकि-त्सा श्रधिकारी पद पर इस श्रनुसंधान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 1 दिसम्बर, 1980 से अग्रिम आदेशों तक अरूथाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० एस० दीक्षित उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरीग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० पीजईडी/3(236)/80-प्रकासन-15454—विश्वत प्रायोजना इंजीनियरींग प्रभाग, बम्बई के निदेणक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को अगस्त,1, 1980 के पूर्वास्त्र से अगले प्रादेश तक के लिए उसीप्रभाग में प्रस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी /अभियंता-ग्रेड "एसबी" नियुक्त करते हैं:—

अक्ष्म सं० नाम	वर्तमान ग्रेड
1.श्रीके के० देवराजन वैज्ञानिक सहायः	 क ''सी स्थामीवत''
 श्री व्हि० श्रार० नागराजन 	वही
 श्री एम० मुरली मोहन 	वही
4. श्री एस० नागराजन	वही
5. श्रीएन० पद्मनाभन	वही
6. श्रीबी० ग्रार० पुरी	वही
 श्रीमती के० एन० व्हि० सत्यवानी 	वही
	 बर्गबर्थसे

बर्शवर्थसे प्रणासन म्रधिकारी

ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय

बम्बर्द-400001, विनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० डी०पी० एस०/23/4/79-ईस्ट०/20529—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री ग्रार० जे० धोंड को अवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी क्रय सहायक/पी० एच० सांवत को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-1000 द०रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक 9 अक्तूबर, 1980 से 5 नवम्बर, 1980 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सं०-23/4/79-ईस्ट०/20534—निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊंजी विभाग, श्री एस० जी० कडुलकर को नियुक्त होने के कारण इस निदेशालय के श्रस्थायी ऋय सहायक श्री एस० एन० देशमुख को स्थानापन्नक्ष से सहायक ऋय श्रीधकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810 द०रो०-35-1000 द०रो०40-1200 के वेतन ऋम में दिनांक 29 सितम्बर, 80 से 5 नवम्बर, 1980 तक तदर्थ कृप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

ह० अपटनीय सहायक कार्मिक भ्रधिकारी

मद्रास, विनांक 13 नवम्बर 1980

सं० एमस्रारपीय /200/(144)/80-प्रणा० क्य और भंडार निदेशालय के निदेशक, निदेशालय के स्थायी ऋय सहायक श्री एन०एस० पिल्लें की 27 स्रगस्त, 1980 के पूर्वाह्म से 27 सितम्बर, 1980 के प्रपराह्म तक के लिए उसी निदेशालय के मद्रास क्षेत्रीय ऋय यूनिट में तदर्थ स्राधार पर 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक ऋय स्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

विमोक 14 नवम्बर 1980

सं० एमग्रारपीयू/200(18)/80-प्रणासन—ऋय तथा भंडार निदेशालय के निदेशक नै, स्थायी भंडारी श्रीबी० दन्डपाणि की 21 मई, 1980 के पूर्वीह्न से 16 सितम्बर, 1980 के प्रपराह्म तक के लिए उसी निदेशालय के मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना भंडार में 650-30-740 35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर सहायक भंडार ग्राधकारी नियुक्त कंप्रते हैं।

टी० एस० वी० **अय्य**र प्रशा० अधिकारी-**11**

भारी पानी परियोजना

बम्बई-40008, दिनांक 11 दिसम्बर 1980 सं०-05000/ब्रार/1/ब्रोपी/7023—भारी पानी परियोजना के, विजेब-कार्य-ब्रधिकारी, श्री को च्युचुडोईल योगस योगस, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी अवर श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न वरण्य श्रणी लिपिक को उसी कार्यालय में 6 अक्तूबर, 1980 (प्रवित्त) से 5 नवम्बर, 1980 (प्रपराह्त) तक के लिए श्रीमती के० पी० कल्याण कुट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी जो स्थानापन्न रूप से प्रशासन ब्रधिकारी नियुक्त की गई है, के स्थान पर सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते है।

भ्रार० सी० कोटियनकर प्रणासन श्रधिकारी

ग्रान्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीिमयरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

सं०-10/3(45)/79-सीं०ई०डी०(एच)—चीफ इंजी-नियर, सिविल इंजीनियरी प्रभाग, प्रन्तिरक्ष विभाग, श्री एम० वी० राजागोपाल की अन्तिरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, बंग्लौर में इंजीनियरी "एस०बी०" के पद पर स्थानापन्न रूप में अगस्त 20, 1979 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश तक नियुक्ति करते हैं।

> एच० एस० रामदास प्रशासन ग्रधिकारी-1

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

सं०-ए-32013/5/80-ई०-I—राष्ट्रपति ने निम्मलिखित उप निवेशक / नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण को उनके नाम के कामने दी गई तारीख से 6 मास की श्रवधि के लिए यापदों के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हों, निवेशक वैमानिक निरीक्षण के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है:—

ऋ० सं० नाम निदेशक के तैनाती स्टेशन रूप में नियु-क्सिकी तारीख

1. श्री एस० पी० मार्या, 15-11-80 क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट,

नई दिल्ली।

2. श्रीएस० एन० भर्मा 20-11-80 क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता।

मुधाकर गुप्ता उपनिदेशक प्रशा०

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क समाहर्तालय बड़ौदा, दिनांक 11 दिसम्बर 1980

नोटिस

फा० सं०-29/61/79-स्थापना -- सरकारी सेवाम्रों से "टर्मि-नेगन की नोटिस" की भ्रवधि की समाप्ति पर यह समझा गमा है कि श्री श्यामल कुमार चेटर्जी ने, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क, बड़ौदा समाहर्तालय के निरीक्षक के पद का कार्यभार स्रोड दिया है।

> ना० म० देसाई सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुरूक, मुख्यालय बडौवा

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

याई/दिल्ली, दिमांक 20 दिसम्बर 1980

सं०-33/3/79-ई०सी०-9----राष्ट्रपति, सहर्प संघ लोक सेवा ग्रायोग के नामित श्री सुरेण जी० हरकरे, को उपवास्तु विद् (सी०सी०एस० गुप"ए") के ग्रन्थ पद पर के० लो०नि०वि० में रुपये 700 के प्रति माह के वेतन पर रुपये 700-40 द०रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में (सामान्य भत्तों सहित 27-10-80 (पूर्वाह्न) से सामा ग्य नियम एवं शर्तो पर नियक्त करते हैं।

श्री मुरेण जी० हरकरे 27-10-80 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की परीवीक्षा ग्रवधि पर रखे जाते हैं।

के० ए० अनंतनारायणन, प्रशासन उपनिदेशक

विधि न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पिनयों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 के मामले में एवं

मैं अभी नर्मदा केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स प्राईवेट लिमिटेड केमामले में।

ग्वालियर,दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं०-1328/म्रार/5317—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की पज-धारा (3) के म्रन्तर्गत, एतदृह्व ए सूचितः किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० श्री नर्मदा केमिकत्स एण्ड फिटलाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैं० ब्रिजसंस एम्पलायमेंट एण्ड कामिशयल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड के मामल में

ग्वालियर, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं०-1344/म्रार/5320—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के म्रन्तगंत, एतद्द्वार/स्चित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैं० ब्रिजसंस एम्पलाय-मेंट एण्ड कार्माणयल सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम, यदि इसके विरूद्ध कोई कारण न वर्णाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जायेगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सब्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य-प्रदेण, ग्वालियर

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स श्रीगंगानगर व्योपार मण्डल प्राईवेट लिमिटेड के विषय में जयपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

सं० सांख्यिकी / 1140 / 4021 — कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के म्रनुसरण में एतद् द्वारा मूचना दी जाती है। कि मैसेंस श्री गंगानगर व्योपार मण्डत प्राईवेट लिमिटेड का नाम छक्त रजिस्टर से काट दिया गया है स्रोर कम्पनी विघटित हो गई है।

कस्पती अधिनियम, 1956 और मेसर्म बन्सीका इंजीनियरिंग एण्ड केमिकल्स इंन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1370—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के भ्रय-सान पर मेसर्स बन्सीका इंजीनियरिंग एण्ड केमिकल्स इन्डस्ट्रीज प्राईतेट लिटिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित नहीं किशेगों तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स सीतल फाइनेन्सर प्राईवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1643—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के स्रवसान पर मेसर्स सीतल फाइनेन्सर प्राईवेट लिमिटेड
का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत नहीं किये गए तो
रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर कम्पनी विघटित कर
वी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स नाम मेटल्स एण्ड केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० सांखिकी | 1376 | — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स नाम मेटल्स एण्ड के मिकल्स प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति नहीं किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनिम, 1956 श्रौर मेसर्स महेंद्रा सेविंग्स एण्ड जनरल फाईनेन्सप्राईवेट लि० के सम्बन्ध में।

जयपूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० सांख्यिकी/1599/— कम्पनी श्रिशिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख सेतीन मास के अवसान पर मेसर्स महेंद्रा सेविंग्स एण्ड जनरल फाईनेन्स प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिश्ति नहीं किये गयेती रिजस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कस्पनी अधिनियम, 1956 घौर मेसर्स श्रंलकार सेविंग्स एण्ड जनरल फाईनेन्स प्राईवेट लि० के सम्बन्ध में।

जयपूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

मं० मांख्यिकी/1497/— कम्पनी श्रिधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मेसर्स श्रंलकार मेविंग्स जनरल फाईनेन्स प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी सी० गुप्ता कम्पनियों का राजिस्ट्राप राजस्थान, जयपूर

कराती अधिनियम, 1956 और मेसर्स अम्बीका फिल्म ऐक्सचेन्ज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1980 मं०/560/303---कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धरा 560 की उपधारा (5) के श्रन्तरण में एतदुद्वारा सूचना दी जाती है कि मेससे प्रम्बीका फिल्म एक्सचेन्ज लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है प्रौर उक्त कम्पनी विद्यादिन हो गयी है।

करानी ग्रिधिनियम, 1956 और मेसर्स केन ज्यूस प्राईवेट निमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

सं० / 560 / 1961 --- कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन माम के श्रवसान पर मेसर्स केन ज्यूस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कु० गो० श्रनन्त**कृष्णन,** प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, ग्रहमदाबाद प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री राधा बिन्दे दास

(श्रन्सरक)

- 2. (1) कल्पना पाल
 - (2) श्रंजना दसा

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए-2491/80-81/सिल०/595-604---श्रतः मुझे ई० जे० मायलौंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 7590, सेकेण्ड ग्रार० एस० पट्टा सं० 994 है तथा जो परगना बाराकपुर, मौजा सिलचर, टाउन कछार जिला (ग्रसम) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिलचर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11-4-1980 को पूर्वोंक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का माप 13 (तेरह) कट्टा, 12 (बारह) छटांक मकान के साथ जो कछार जिले के मेन्ट्रल रोड, सिलवर नामक स्थान में स्थित है।

> ई० जे० मावलौंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीख: 21 नवम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ए० एस०ग्रार०/80-81/281---थतः मुझे भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्था<mark>वर सम्पत्ति, जिसका उचित</mark> 25,000/- रुपये सं प्रधिक है बाजार मुल्य और जिसकी सं० एक प्रापर्टी, पठानकोट में स्थित है (श्रौर जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एम० श्रार०, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन **प्रप्रैल**, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुम्यमान प्रतिफल के पन्द्रहु प्रतिशत से मधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।---

- (म) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त मधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दाक्तिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; घौर/या
- (ख) ऐबी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त मौंधनियम की धारा 269ना के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रीविनियम की घारा की 269-व की उपवारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्रीमती लाजवन्ती पत्नी श्रुनी लाल निवासी ग्रन्दरूनी बाजार, पठानकोट ।

(भन्तरक)

2. श्री श्रशोक कुमार पुत्र ग्रोमप्रकाश वासी सुजानपुर अबहाल, पठानकोट ।

(भ्रन्सरिती)

2. जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- ु(क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलें से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्रापर्टी, पठानकोट जैसा विलेख डीड नं० 344 दिनांक 22-4-80 को रिजस्ट्री श्रधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

मोहरः

तारीख: 19-12-80

प्ररूप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ(1) के मधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 19 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/80-81/282--यतः, मुक्षे, भ्रानन्द सिंह,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी पठानकोट में है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० पठानकोट, में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19 श्रप्रैल, 1980

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) प्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त घषि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिविनयम, या धन-कर भ्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त प्रिवित्यम, की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निभ्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—-

 श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र हरी चन्द महाजन नासी पठानकोट ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सबरना रानी पत्नी हीरा लाल, वासी गांधी नगर, पठानकोट ।

(भ्रन्तरिती)

जैसाकि ऊपर नं० 2 में श्रीर कोई किरायेदार।
 (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पदों का, जो उन्त भिध-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित-है, वहीं भर्षे होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं $^{\circ}$ B-XXX 12030 गन्छी का पठानकोट में जैसा कि सेल 515 नं $^{\circ}$ 138 दिनांक 8-4-80 रिजस्ट्री श्रिधकारी पठानकोट में दर्ज है।

> आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, असूमसर

तारीख: 19-12-1980

प्रकार आर्धे व्ही ० एत ० एस ०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 69-व (1) के अधीन सूचना

नारत संरकार कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

> म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

आवेश संख्या राज०/सहा० श्रा० अर्जन/811--यतः, मुझे, एम० एस० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु॰ सं अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 52 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19-4-80 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत से प्रधित है भीर अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निमानिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण विव्यत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायिस्थ में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी श्रायं या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उन्त अधिनियम की घारा 289-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, ग्रयीत्:— श्री मनोहरलाल पिता भोहन लाल जी बलाल निवासी बम्बई ।

(धन्तरक)

2. श्री जाहिव ग्रली पिता से फुदीन जी बोहरा कुराबड वाला निवासी नजम मार्ग , उदयपुर बोहरापाडी । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान वाके उदयपुर श्रश्विनी मार्ग पर स्थित है जो उप पंजिबन्न, उदयपुर द्वारा ऋम संख्या 1436, दिनांक 19-4-80 पर पंजिकृत विऋय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-11-1980

भोहर:

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

व्यायकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रवीत प्रवृत्ता

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक **धायकर धायुक्**त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

म्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० म्रजन/812--यतः, मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नमा है), की जारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावस सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 33/266 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

तारीख 19 अप्रैंल 1980 पूर्वो का सम्मति के छिए छिनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पवापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकल से धिक है और अन्तरित (प्रस्तरितयों) के बोच ऐसे खन्तरिक के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निज्जित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया मया है!——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी भाग की नायत; उकत अधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए। बीर/गा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त सिंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

बत: अंब, उक्त बिधिनियम की घारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-व की खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्वीत :---

 श्री कारुलाल पिता केसरी चन्द जी बागरेचा, सूराना की सेरी उदयपुर ।

(धन्तरक)

 श्री गंकर लाल पिता गेंबी लाल अध्यक्ष, ग्वेताम्बर, दशा पोरवाल, समाज, केन्द्रीय कार्यालय, मुर्गेड ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिये कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्यति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के मीउर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य श्यनित द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रश्चित्रम के अध्याय 20क में परिणाबित है, वही धर्ष होगा को उस धन्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० 33/266 वार्ड नं० 30 मय, दुकामात, खेमपुरा उर्फ शास्त्री नगर, उदयपुर जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा कम संख्या 1478 दिनांक 19-4-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहयक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, जयपुर

तारीखः : 20 नवम्बर 1980

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रिवितयम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

भ्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकः उचित वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 174 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन दिनांक 11-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दुम्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिष्टिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम, के श्रद्धीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथातः—

- श्री रण बहादुर सिंह ग्रास्मज आहा सिंह चौहान, निवामी 236, सिविल लाईन्स, इटावा (यू०पी०)। (अन्तरक)
- श्री गणेशी लाल पुत्र मोहन लाल निधासी प्लाट नं ० 174 भूपालपुरा, उदयपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके बुविंक्त सम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इत सूचना क राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खंका अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयं होगा, जो उस अख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 174 मय मकान, भूपालपुरा, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1300, दिनांक 11-4-1980 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० **एस० चीहान** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-11-80

प्रकृष भाउँ वटी व एस व एस व

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 घ(1) के अधीर प्राचा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/108:---यतः मुझे एम० एल० चौहान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका इचित बाजार मूख्य 25,000/- इन से अधिक है श्रीर

जिसकी सं ० प्लाट धं 9 174 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-4-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए प्रक्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत चक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11 या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अत्र, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, सिम्निस्थित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- 1. श्री रण बहादुर पिता जाहर सिंह चौह्ना निवासी 236, सिविल लाइन्स, ईटाथा, (यू०पी०)
- 2. श्री हीरा लाल पिता नारायण लाल पाण्ड्या निवासी 174, भूपाल पुरा, उदयपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भा माओप :---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की धर्वाध, जो भी धर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में कि ही व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति नारा प्रधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए अन्न सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जी सस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 174 का भाग, भूपाल पुरा, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1369, दिनांक 11-4-1980 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रुप से विवरणित है।

> एम० एस० **घौ**हान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज, जयदुर

तारीख 17-11-80 मोहर:

व्यारत सरकार

कार्यांचय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

म्रादेश सं० राज० /सहा० भा० भर्जन/यतः मुझे एम० एल० चौहान,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'छक्त बिधिनियम' कहा बना है), की बारा 2%9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, विसका चित बाबार मूल्य 25,000/- रुपए से बिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 174 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय उदयपुर में पिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिये सम्तरित की मई है और मुझे बहु विश्वास करने का कार्य है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, स्थाक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर सम्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माम की बाबत उन्तअधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया बाया किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविद्या के किए;

श्रत: अब, उक्त अविनियम की बारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त अविनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—
3—396GI/80

- श्री रण बहादुर सिंह पुत्र जाहर सिंह चौहान निवास 236 सिविल लाइन्स, इटावा (यू०पी०) (ग्रन्तरक)
- श्री गणेश लाल पिता मोहन लाल मुनोत निवासी बड़ी सादड़ी, जिला चित्तोड़गढ़ि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की घवछि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवछि, को भी घवछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्वब्दोक्करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पक्षों का, जो उन्त घांघानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बद्दी बर्षे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया प्रया है

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 174, भूपालपुरा, उदयपुर का एक भाग जो उप पंजियक उदयपुर द्वारा कम संख्या 1339 दिनांक 11-4-80 पर पंजिबद्ध विकथ पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीखः 17-11-80

मुहर:

प्ररूप धार्ष टी • एन • एस • ---

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

🐂 रत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

श्रादेश सं० राज० /सहा भ्रा**० भ्रजेंन**/ —यतः मुझे, एम० एल**० चौ**हान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से 25,000/- रुपए मधिक श्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 174 **है तया जो उदयपुर में स्थित है** (ग्रौर इस उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 11-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दुख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुरगमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त प्रश्नि-नियम, के श्रधीन कर देने के प्रक्तरक के दायिक में कमी किरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-म के क्नु-भरण में, में, उक्त श्रविनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्वतिखित क्यक्तियों, मर्यातु:--

- 1. भी रणबीर सिंह मात्मज जाहर सिंह निवासी
 236, सिविस साइन्स, इटाबा, (यू॰ पी॰)
 (ग्रन्तरक)
- श्री क्षरील समसेर जंग बहायुर पिता कान सिंह मेहता निवासी 176, भूपालपुरा, उदयपुर । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के **पर्जन** के लिए कायगिहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माखेप।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पर्दो का, जो उन्त मधि-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

थनुसूची

प्साट नं० 174, भूपालपुरा, उदयपुर का भाग जो उप पंजियक, उदयपुर कम संख्या 1299 दिनांक 11-4-80 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर।

तारी**ख**ः 1*7*-11-80

प्ररूप भाई। टी० एन। एस।-----

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, जमपुर

जयपुर, दिसांक े 17 नवम्बर 1980

श्रादेश संख्या राज०/सहा० श्रा॰ श्रजैन /807—यतः मुझे, एम० एल० चीहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह शिखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी संख्या भूखण्ड सं० 1 है तथा जो जयपूर में स्थित है) (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 2 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उचत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भग्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, श्रवं, उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-मं के भनु-सरणं में, में, उक्त ग्रधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, समीत्:--- गि श्रीमती सावित्री देवी मसकरा पत्नि सीलाराम जी निवासी प्लाट नं० 18, गोपीनाथ गार्डन, एम० श्राई० रोड, अयपूर।

(ग्रन्तरक)

(2) महाबीर प्रसाद, कैलाश चन्द व प्रेम कुमार मेहता पुत्रान बेज माम जी मेहता, वीड़ा रास्सा जमपुर

(भ्रन्तरिती)

को **मह सुचना जारी करके** पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स० 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है वही भर्ष होगा जो सस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर घाट दरवाजा बाहर शमशानों के पास जनता कालोनी, तुससी दास जी की भूमि के हिस्से में से विभाजित किए गए भूखण्डों में से भूखण्ड संख्या 1 जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा पंजीबद्ध विकय पत्न संख्या 691, दिनांक 2-4-1980 द्वारा भौर विस्तुत रुप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-11-80

प्रकप भाई• टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

ग्रावेश सं राज | सहा ग्रां ग्रांन | --यतः मुझे, एम एस एस भौहान भायकर ग्रिंगियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्नीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुगए से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो उदयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या;
 - (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अक्षीन, निम्तनिजित व्यक्तियों, श्रिधीत:— श्रीमिति रतन कुंबर बाई बेवा हिम्मत सिंह राठोड़ निवासी पाल (गुजरात)

(म्रन्तरक)

 श्री मुश्तफा हुसैन, बोहरा, बाड़ी, उदयपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कें अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविधि या तस्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति बारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त भक्ति । नियम के प्रध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थं होगा जो उस प्रध्याम में दिया गया है।

यनु सूची

दुकान एक मंजिला, **प्रश्यिनी मार्ग, उदयपुर जो उप** पंजीयक , {उदयपुर द्वारा पंजिब**स विक्रय पन्न**्में **ग्रीर विस्तृत** रूप से विवरणि त हैं ।

> एम० एस० भौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रापेन रेंज, जयपुर।

तारीख: 17-11-1980

प्रकप थाई॰ टी॰ एनं॰ एसं॰----आयकर थशिनियम, 1961 (1961 की 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक भायकर भायुक्तं (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

ग्रादेश सं० राज०/सहा०ग्रा० ग्रर्जन/806—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूखज्ण्ड संख्या 2 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्यरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधिनि कर देने के श्रम्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (च) ऐसी किसी आम या किसी अन या अन्य आहितयाँ को जिन्हें भारतीय धायकर पश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चित्यम, या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितां द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, कियामे में सुविधा के लिए ।

जतः अब, उनतं धाधिनयमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिबिनियम, की धारा 269-घ की छपद्वारां (1) के अधीन, निम्नसिचित स्पन्तियों, अर्थात् :--- श्री सावित्री देवी मसकरा, पहिन सीताराम जी मसकरा, निवासी प्लाट नं० 18, गोपीनाथ बाग, एम० आई०रोड, जयपुर ।

(अन्तरक)

 श्री रामरतन भारद्वाज, पुत्र सरवारी लाल भारद्वाज निवासी जनता कालोनी, जयपुर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्**त सम्पति के मर्जन के लिए **कार्यवाहियां करता हूं** ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वधि, जो भी
 धर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंद किसी अन्य व्यक्ति दारा, भाष्ट्रोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, बो उक्त. अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जयपुर नगर घाट दरवाजा बार शमशानों के पास जनता कालोनी तुलसीदास जी की भूमि के हिस्से में से विभाजित किए गए भूखण्डों में से भूखण्ड संख्या 2 जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 692 दिनांक 2-4-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-11-1980

रुपए से मधिक है।

प्ररूप माई० टी० एन• एस०----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, लुघियाना लुघियाना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980 निदेश सं० सी०एच० डी०/40/80-81—- प्रत-: मुझे,

सुखदेब चन्द
श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-

ग्रौर जिसकी सं 1/2 भाग रिहायशी प्लाट है तथा जो सैक्टर 35-सी, चन्डीगढ़, नं 454 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यालय भन्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक मई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शहरीव ह हम ने कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत; एक्स ग्रिविनियम के ग्रिवीन कर देने के भ्रम्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या मन्य श्रास्तियों को जिन्ह भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निक्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- विंग कमांडर एस० सी० मकर पुत्र श्री जमना दास सकर 60 ग्रेटर कैलाश, नई विल्ली द्वारा श्री ग्रेमजीत सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह 24-37-19-सी, चन्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
 - श्रीमित राजिन्दर कौर परिन श्री जोगिन्दर सिंह निवासी मकान नं० 143, बुल स्टरोक, ए० झार० होनस्लोव इंग्लैण्ड, द्वारा श्री गुरवियाल सिंह निवासी 2437-19-सी भन्डीगढ़।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्दों का, जो जनत प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाबित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 454- सैंक्टर 35-सी चण्डीगढ़ जयदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 179 दिनांक मई 1980 में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-11-80

मोहरः

प्रकृप बाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक **अ।यकर भायुक्त (निरीक्षण)** भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश सं० सी० एच० डी०/37/80-81/--ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द आयक्तर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है); की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए• से अधिक है और जिसकी संख्या 112 भाग प्लाट नं० 454 है तथा जो सैक्टर 35 सी०, चंडीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपा-वद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यलय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5/80/ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मुक्य, उसके बुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे बुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रक्रिक है मौर पन्द्ररक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (चन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निमित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निक्षित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रज्ञित्यम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधां के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदितयों को जिन्हें भारतीय धायकर घडिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के किए;

अतः, खब, उक्त अधिनियम की बारा 269-न के बनुकरण में, में, उक्त प्रवित्तियम की बारा 269-व की उनवारा (1) अज्ञीन निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात !--- (1) विग कमांडर श्री प्रस० सी० मकर पुत्र श्री जमना दास मकर 60 ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली द्वारा श्री श्रमरजीत सिंह पुत्र श्री गुरुमुख सिंह 2437-19-सी०, चंडीगढ़।

(म्रंतरक)

(2) श्री जोगिन्वर सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह निवासी मकान नं 143, बुलस्टोरक का ग्रार, होनस्लीव इंगलैंड द्वारा श्री गुरवियाल सिंह पुत्र वासदेव सिंह 2437-19-सीं , चंडीगढ़ ।

(श्रंतरिती)

(वह व्यक्ति जिसके विधिभोग में सम्पत्ति है)

को यहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि वा तस्कन्यन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवकि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के शीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंगे।

स्पक्करेकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्त्रों और पदों का, जो उनत श्रवि-नियम के शक्याय 20-क में परिचादित हैं, वही अर्थ होगा जो धस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 454, 35 सी०, भंडीगढ़। जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी चंडीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 176 मई, 1980, में दर्ज है।

> सुखदेव चन्द्र सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, खुद्धियाना ।

तारीख: 18 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई • टी॰ एन॰ एस०----

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निवेश सं० सी० एच० डी० 69/80-81—श्रतः मुझं, सुखदेव चन्द,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 748, है तथा जो सेक्टर 22 ए०, चंडीगढ़, में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है(, रजिस्ट्री कर्सा ग्रधिकारी के कार्यलय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5/80,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिलिशत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम मा किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ं——

(1) भी बुद्ध सिंह पुत्र श्री सुन्दर दास, मकान नं०, 5/15, पुरानी डब्बल मंजिल, लाजपन नगर नई दिल्ली ।

(श्रंतरक)

(2) श्रीमिति ग्रमरणीत कौर पत्नी श्री बलदेव सिंह मकान नं० 3167, सेक्टर 23-डी०, चण्डीगढ़। ग्रब 748, सेक्टर 22 ए०, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 748, सेक्टर 22 ए०, चण्डीगढ़। ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 431, मई 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 नवम्बर, 1980

प्रस्म प्राई० टी० एन• एस०-

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I कार्यालय श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेशः नं० पी० मार० नं० 1245 ए० सी० क्यु० 23-J/ 80-81—म्ब्रतः मुझे मांगी लाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिस की सं० श्रार० एस० न० 40/1, 40/3, श्रौर 42/2 प्लोट नं० 3 तथा 4 है। तथा जो वार्ड नं० 10, बेडेश्वर जामनगर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जानमनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18-4-80 को

को पूर्वांक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायिएवं में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन निम्निस्तित व्यक्तियों अधित क्र--

4--396GI/80

(1) श्री इन्दुलाल वसनजी महेता तथा (2) श्रीमती मंजुला इन्दुलाल महेता रतनबाई मसजिद के पास, जाममगर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कमेश ओईल प्रोडकटस प्रा० लि० वेडेंग्वर, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी आक्षेप:--**-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है ।

ध्रनु सुची

एक मकान जो जमीन माप 19,200 वर्ग फीट पर खड़ा है तथा एस० नं० 40/1, 40/3 श्रीर 42/2 जिसका सर्वे नं० 3 तथा 4 जो बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है तथा मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जो रिज नं० 1000 दिनांक 9-4-80 है इस में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, I श्रहमदाबाद

विनांक 24 नवम्बर 1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश सं० एस० डी० एच०/78/80-81--- ग्रत: मुझे सुखदेव चन्द **भायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इ.स.के पक्ष्वात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **25,000/- र**० से मधिक है बाजार मृल्य भौर जिसकी सं० हिस्सा कोठी नं० 81 बी है तथा जो करतार सिंह सुराबा नगर लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाधद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), पजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण कहुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्राधिनियम, 1961 के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961 या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तित्यौं, अर्थीन् :---

- (1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री गियान सिंह गांव मियानी तहसील दुसाहा जिला होशियार पुर । (श्रंतरक)
- (2) श्री रंजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह गांव दाद तहसील जिला लुधियाना । (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के यम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इसं सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण स्ममें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

धनुसुची

हिसा कोठी नं० 81 बी सुराबा नगर, लुधियाना जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ध्रिधिकारी लुधियाना के कार्यलय के विलेख संख्या नं० 1567 जून, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव **धन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, (सुधियाना)

तारी**ख:** 18 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश सं० एल० डी० एच०/18/80-81—ग्रत: मुझे सुखदेय चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी छ: 896 (पुराना) बी नौ-911 (नया) है तथा जो गुलचमन गली, लुधियाना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन अप्रैल, 80

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमति नरिन्द्र कौर पत्नी श्री शिगारा सिंह निवासी डी-53, सराभा नगर, लुधियाना ।

(ग्रंतरक)

(2) श्री पवन कुमार पुत्र श्री जगदीश लाल निवासी 1292/2 कुच्चा नं० 1, माधोपुरी, लुधियाना । (ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी हा से 45 दिन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी नौ-911 (नया) बी-छ:-896 (पुराना) गुलचमन गली लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 389, श्रप्रैल 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 18 नवम्बर, 1980

प्ररूप प्राई० ठी० एत० एस०-----

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 दिसम्बर, 1979

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० श्रार०III/ 5-80/274—अत: मुझे, भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, भ्रौर जिसकी संख्या सी-106 है तथा जो एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद भनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उसत भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व भूमें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- (1) श्री लेपिट० कर्मल प्रेमनाथ अहल पुत्र लेपिट० कर्नल जगन नाथ जो कि श्री योगेन्द्र नाथ बहल श्रीमति शकुन्तला गुप्ता जगवीश चन्द्र बहल के प्रोबेट होल्डर एन्ड एक्सीक्यूटर ग्राफ विल है। (ग्रंतरक)
- (2) श्री प्यारा लाल बहीम श्रौर राजकुमार सहीन केयर ग्राफ श्री राम श्रासरा निवासी ई०-157, श्रगोक बिहार फेज-I नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्री सतीश जस्सल सेकन्ड फलोर सी-106 एन० डी० एस० ई० फेज- II , नई दिल्ली ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों ५र सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्वेगे।

स्पद्धोकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदो का, जो इक्स अधिनियन के अध्याप 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याप में विधा गया है ।

अनुसूची

2 1/2 मंजिला मकान जिसका नं 106 ब्लाक सी 500 वर्ग गज नई विल्ली साउथ एक्सटेंशन पार्ट II नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

> श्रार० बी० एल० अप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली-110002 ।

तारीख: 4 दिसम्बर, 1980

प्रकृप काइ. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई बिल्ली-110002, विनांक 4 दिसम्बर 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रज्ञ से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एम०-97 है तथा जो ग्रेटर कैलाम I नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 28-5-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अथौत :--

- (1) श्री अनपत सिंह ढांढा कर्त्ता एण्ड मैनेजर एफ॰ एच॰ यू॰ एफ॰ पुत्र श्री पी॰ एस॰ ढांढा निवासी एम॰-97 ग्रेटर कैलाश-I, नई विस्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दक्तक बूज किशोर, डा० ग्रशोक बी० कुमार केशव कुमार ग्रौर विनोद कुमार डी० जी०-925 सरोजिनी नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की नारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

 $2\frac{1}{2}$ मंजिला बिल्डिंग नं॰ एम॰-97 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली में स्थित हैं ।

श्चार० बी० एल० श्चग्नवाल, ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-¹ दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-12-80

मोहरः

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आथकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन नुवना

भारत सरकार

सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 4 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० आई० ए० ती० /ए३पू० I/एस०आर०-III/5-80/204--अतः मुझे, श्रार० बी० एल० अग्रवाल आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ई-80 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्गित हैं) रिजिल्लो हर्जा प्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 7-5-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्यह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित यो वास्तिबक रूप से कि.भूत नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1 श्री एल० एस० माधुर ई-80 ग्रेटर कैलाग-I, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दलजीत कौर डायरेक्टर ग्राफ मैं सर्स इन्द्र इस्टेटस (देहली) प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैंट नं० एल० साकर एपार्टमेन्ट, 6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीज से 45 दिन की प्रविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किएं था सकेंगे ।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अधं होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है

अनुसूची

बिल्ट प्रापर्टी डबल स्टोरी, नं॰ ई-80, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में जो 529 बर्ग गज में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 प्रक्तूबर 1980

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मो० रेहमखानो काशीपुर, नैनीताल, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय काशोपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 198 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 5 मई, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित मही किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उसये बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रमिनियम, या धनकर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात्:— 1. श्री मूल प्रकाश

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र कुमार

(ग्रन्तरिती)

3. श्रीमलप्रकाश

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान पुख्ता व खास्ता हालत में बाके मोहल्ला रहमखाना काशीपुर नैनीताल व वह तमाम सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 237 जी संख्या 1421 में बर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टार कशीापुर के कार्यालय में दिनांक 5-5-1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारोख : 31-10-1980

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनाक 4 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 197/प्रर्जन--- प्रतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है भौर जिसकी सं० बी-709 है, तथा जो सैक्टरसी, महानगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के प्रधीन दिनांक 5-4-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रंघिक है ग्रीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **पहुँश्य से धक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित** नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितयम, या धनकर श्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीतः— 1. श्रो ग्ररविन्दः मित्रर

(ग्रन्तरक)

सर्वेश्री:

- 2. (1) सत्यपाल बखशी
 - (2) रमेश कुमार बख्णी

(अन्तरिती)

3. श्री ग्ररबिन्द मित्तर

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बों भौर पर्वों का, जो उक्त भिध-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिर्लिडग नं० बी-709, मय भवन व पट्टे की भूमि क्षेत्र फल 10,500 वर्ग फिट (मय पट्टे स्वामित्व के प्रधिकार के) स्थित सेक्टर सी, महानगर, लखनऊ व वह तमा सम्पत्ति जिसका वर्णन सेल डीड तथा फार्म 37-जी, संख्या 1897 में हुआ है और जिनका रूपंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-4-1980 को किया जा चुका है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप भाई० टी• एत० एस०---

प्रत्यक्तर अध्येतियम, 1961 (1961 की 43) को प्रारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 1091/काकिनाचा, स्क्वाड—यतः मुझे, एस०गोविन्द राजन, आयकर प्रिविन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रिश्चित्यम' कहा गया है), की पारा 269-ख के प्रधीन संभाग प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० पे प्रधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 11/75, गोरंटल, है जो गुंटूर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रिपेंस, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त धर्मितियस के धर्मीन कर देने के घ्रम्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; ध्रीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त धिधिनियम, का धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, शिक्षाने में सुविधा के सिए;

श्रतः प्रवा, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 5—396GI/80

- 1. सर्वश्री (1) ग्रल्लूरी भारकर राव
 - (2) ए० वेंकटेश्वर राव
 - (3) ए० गोबाल राव पिता कोटय्या
 - (4) कर्नाटि बापथ्य, पिता नक्ष्मय्या.
 - (5) काफाति रमेष बाब् पिता परेषा राव
 - (6) ए० पुल्लस्या पिता ए० भास्कररात्र, गुंटूर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री अदुसुमिल्लि धर्माराव मैनेजिन पार्टनर कृष्णा कर्माणयल कार्पोरेशन गुंटूर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हं।

उनन सम्पति के प्रजैत के संबंध में कोई मो प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत क्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वड़ों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इस संपत्ति 2695 नं० दस्तावेज में अप्रैल, 1980 महीने में गूंटूर एप० आर० बी० के पास पंजीकृत किया गया है ।

> एस० गोविन्द राजन, मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण), स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 12-12-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

शायकर आर्थिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदरावाद हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निदेश सं० ग्राप्क ए० सी० नं० 1092/काकिनाडा स्ववाड --यनः मुझे एस गोविन्द राजन

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम धाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13-1-57, सुभाष मार्ग, है तथा जो काकिनाडा में स्थिन है और इसके उपायद अनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिध तारी के कार्यालय काकिनाडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रेल, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्श्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का रिल्ह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाश गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अन अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिसारें, अर्थातः--

- मर्व थो 1. (1) बच्चु सन्यास राव पिता सुब्बाराव
 - (2) बच्चु मुब्बाराव
 - (3) वेंकट राव
 - (4) गुल्लपूर्डि वीरराजु 13-1-57, सुभाष मार्ग, काकिनाडा

(ग्रन्सरक)

- 2. (1) डा० कोट मुरेष कुमार पिता गोपाल कृष्णय्या
 - (2) कोट रामगोपाल, पिता गोपाल कृष्णय्या, 13-1-57 सुभाष मार्ग, का किनाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए मा सकी।

स्पष्टोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनन अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

असमची

इस संपत्ति 1931/80 नं० दस्तावेज में ग्रप्नैल, 1980 महोने में काकिनाडा एस० ग्रार० बी० के पास पंजीकृत किया गया है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज, हैदराबाद ।

नारीख: 12-12-80

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कायभिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० ग्रार०ए० सी० नं० 1093/काकिनाडा स्क्वाड---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० मुकी जमीन टी० एस० नं० 577/1 एण्ड श्रार एस० नं० 102/1 पालकोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पालकोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 1980

कां पूर्वाक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) गुरेसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधानयम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- श्री राव के० पोसपाटि पिता विश्वपति सत्यनारायण इंदिरानगर, बेंगुलूर।

(अन्तर्क)

 श्रो कायल बुल्लि वेंकंटरत्नम, पिता सूर्याराव, पालकोल ।

(म्रन्तरिती)

का पह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सक्तियो।

स्वव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त ६ व्यों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

इस संपत्ति 573, 574 और 576/80 अप्रैल, 1980 महीने में पालकोल एस० श्रार्० बी० के पास पंजीकृत किया गया है।

एस० गोन्दिर राजन सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख 12-12-1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

ग्रार० ए० सी० नं० 1094/काकिनाडा स्ववाड—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा० से अधिक हैं।

ग्रीर जिपकी सं० वार्ड सं० 8/डो, नया वार्ड 17, बोहु,वारो मार्ग, है जो रोल्र में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध

श्रनुसूर्वा में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रोलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908का 16) के श्रधीन श्रप्रैंल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, खक्त अधिनियम की धारा 269-घ की **उपधा**रा (1) के अर्छान निम्नलिखित न्यवितमों, अर्थात :--- श्रीमती बच्चु नागरत्नम
पित नारायण राव, बोड्डुवारी मार्ग,
रोलूर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री गोल्ल अप्पन्न पिता सोमय्या, बोड्डुबारी मार्ग, रोलूर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य**वाहियां करता ह**ै।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिगा गया हैं।

अनुसूची

इस सम्पत्ति 1715/80 नं० दस्तावेज में प्रप्रेल, 1980 महीने में रोल्र एस० प्रार० बी० के पास पंजीकृत किया गया है ।

> स० गोविन्द राजन सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-12-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकरभ्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

म्रार० ये० मी० नं० 1095/काकिनाडा, स्ववाड---यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्राँग जिसकी सं० वार्ड, सं० 4, ब्लाक 797 है, जो चेन्नोल पंचायत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रांर जो पूर्ण हप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चेन्नोल में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राशीन दिनांक श्रिपेल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रंधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उका श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 को 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:--

- ा. श्री एम० हनुमा रेड्डी, पिता वेंकट रेड्डी, कोटरेड्डी पालेंम, (ग्रासपास) चेन्नोल । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री सि० एच० सांबिसवराव पिता चिन्तबूबायि
 - (2) ए० नारायण राव पिता सत्यनारायण पोल्स्तूर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चन में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः ---इममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इस संपत्ति 460, 461, 462, 463 और 464 र्न० दस्तावेज में अप्रैल, 1980 महीने में चेन्नोल एस० आर० ओ० के पास पंजीकृत किया गया है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारोख: 12-12-80

प्रकृप धाई • टी • एन • एस • ·--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के समीन सूचना

भारत गरकार

सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980

ग्रार० ए० मी० नं० 1096/काकिनाडास्क्वाड०—यत:, मुझे, एस० गोविन्द राजन

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनहा उजिन बाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

और जिसकी सं० कुली जमीन 2153 स्क्वा० फिट है जो मिह्निस्लेम, विजाखापट्टनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुप्ति में पोर जापूर्ण का में विजात है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय विशाखापत्तनम, में मारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक अप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमा प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमा प्रतिकत के पृत्वह प्रतिगत से प्रधिक है और पन्तरक (उन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए, तय पाया गया प्रतिकत विस्तरितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक हव से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण न हुई किसा था। को बावन उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुत्रिधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुकिधा के लिए;

अतः, सब, धन्त प्रधिनियम की थारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, खन्त प्रधिनियम की भारा 269-थ की जपवारा (1) के अधीन, निक्नलिखिन काक्तियों, जयाति:--

- श्रीमती पी० लक्ष्मी छाया,
 ब्रारा: पी० राम षा०, मकान नं 16-8-536,
 नई मलकपेट, हैदराबाद ।
 (श्रन्तरक)
- श्री जोस्युल गोपाल राव, पिता वेंकटेश्वर्लु 116, िठापुरम, कालोनी, विभाखापट्टनम ।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नाराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पाम जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिष्टियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

धनुसूची

इस सम्पत्ति 1966 नं० दस्तावेज में श्रप्रैंल, 1980 महीने में वैजाग एस० श्रार० ओ० के पासपंजीकृत किया गया है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख**: 12-12-80

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

भिदेश सं० 238-ए/हमीरपुर/80-81---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गहरौली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गहरोली में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से ग्रधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिवा उद्देश्य से उस्त ग्रन्तरण निविवत में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देते के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से मुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रग्रीन, निम्निक्कित व्यक्तियों, अर्थात्:~ श्रीमती राजरानी बेबा श्री प्रागोलाल
 निवासी ग्राम व पोस्ट गहरोली, पर० मुसकरा तहसील मोदहा, जिला हमीरपुर ।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री जगतप्रताप मिंह संतराम जगत निवासी व पोस्ट त्रसवारी, पर० तह० मोहदा. जिला हमीरपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्वीका सम्पत्ति के स्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्र किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो जबत श्रीध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनु**स्**ची

ऋषि भूमि ग्राम गहरोली, पर० मृस्करा तह० मौदहा, जिला हमीरपुर में स्थित है जो कि 29000/- ६० का बेचा गया है।

> बी० मी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

ना**रीख**: 12-12-80

प्रकाश भाई• टी• एम• एस०----

प्राव**तर** अधिनिष्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 299-**ष (**1) के अधीन न्वरा

भारत सरकार

कार्यालय, महायक स्त्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदंश नं० 205बी/मेर्ग्ट/80-81—श्रतः मुझे, बी० सी० चनुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूश्य 25000/- २० में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो नगला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मेरठ में रिजर्ट्र वरण, ग्रिशिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 9-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रचीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने से सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269—ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !——

शीमती नाहरकली बेवा मुन्दरलाल सम्रपुर नहरु सरधना, जिला सेरठ, व णान्ति स्वम्य पृत श्री हरदेव सहाय व राम रिष्ठपाल व मुरेण चन्द व देवेन्द्र कुमार व योगेण कुमार व रवीन्द्र कुमार पुत्र श्री णान्ति स्वम्य मनोन्जन पार्क, सिविल लाइन्स, णहर मेरठ।

(ग्रन्तरिती)

 श्रीमती राजवाला पत्नी निरन्जन सिंह व जयबीर सिंह पुत्र श्री राजाराम नि० 58, पुरवा ग्रहीरान. शहर मेरठ।

(ग्रन्मरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की धविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरग: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रदर्भय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

एक किता म० नं० बाके नगला बट्टर यादगार पुर सर्वोदय गृह निर्माण सहकारी समिति लि० कालोनी, मेरठ में स्थित है जो कि 49000/- क० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख : 9-12-80

पारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 दिसम्बर, 1980

निवेश सं० 65/बी/मेर० /80-81—यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मजीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- वर्षये से धिक है

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो में स्थित है) भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 26-4-80

की पूर्वेक्त संस्पित के उपित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्तत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-क्रेफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त स्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (स) ऐसी किसी माय | या किसी धन या अन्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त मधिनियम, का धनकर मंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः, वन, पनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित् १--6--396 GI/80

- श्री धर्मचीर पुत्र श्री रासपाल निवासी सिकन्दराखाद हैदरागढ़।
 ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमत् निर्मला देवी पत्नी श्री कर्मबीर सिंह निक्षासी बेगमबाग, मेरठ । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्ववाहियां कंपला हूं।

उक्त सम्बक्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोपः---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रश्लोहस्तासरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्रव्हीकरण:---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, को खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भ्रनु**सूची**

एक किता मकान जो 4000/- क० में का बेचा गया है। बी० सी० चतुर्वेषी सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-12-1980

प्ररूप धाईं• टी० एन• एस•---

श्रायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

निदेश सं० 223/बी०/80-81---यतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनि सभम मिनियम, कहा गया है। की धारा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/- रुपए से मिनिक है

भीर जिसकी संब्ध्लाट है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से घिषक है और धन्तरक (श्रन्तरकों) और धन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के बीच एसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत ग्रधिनियम, नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायिरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम, या धनकर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विद्या के लिए;

भतः, भन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-ंघ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी श्री डा० ग्रार० के० सहगल, निवासी नगर गाजियाबाद द्वारा मुख्तार ग्राम श्री गुरचरण बरारा पुत्न श्री दीवान सिंह निवासी 23, मुकन्द नगर गाजियाबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुरज प्रकास पुत श्री लाल चन्द्र निवासी गांधीनगर गाजियाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस श्रष्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक्ष किता प्लाट नं० 175 क्षेत्र फल 598-07 वर्ग गण है जो कि 62.258.75 पैसे का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश मं० 2064/ए-मु० नगर/80-81—म्रतः मुझे, बी० एस० चतुर्वेदी,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से श्रिधिक है,

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 200/1 है तथा जो न्यू मंडी, मुजफ्फर नगर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 28-4-1980

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देन के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिधितयम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, भैं, उक्त धिधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धिधीत निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात:--- श्री शीतल प्रसाद मिलल पुत्र श्री सेवाराम निवासी 732, सैक्टर 4 झार० के० पुरम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुखराम पुन्न श्री भ्रासाराम व शिव कुमार व ग्ररविन्द कुमार व दुष्यन्त पुन्न श्री सुखराम निवासी सोयनी लगान मुजफ्फर नगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी ब्राक्षेप े:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थायर सम्पति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्धों का, जो उक्त भिक्षितियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 200/1 भोषा रोड, दक्षिणी नई मन्डो, मुजफ्फर नगर में स्थित है जो कि 34,000/- रु० में बेची गई है ।

> बी० सी० चतुर्वेदी, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्ररूप आई० डी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 9 विसम्बर, 1980

निदेश सं० 2050-ए/मुजफ्फर नगर/-80-81—प्रतः मुझे, बी० सी० वितुर्वेदी प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० मकान 200/2 है तथा जो भोपा रोड, दक्षिण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मुजप्फर नगर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 5-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रश्तरक (प्रश्तरकों) भीर प्रश्तरिती (प्रश्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त प्रश्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से द्वृई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिष्ठ-नियम, के ग्रिष्ठीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, बा धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था। या किया जाना चाहिए था छिपाने में भ्रविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त धिमिनयम की घारा 269-ग के भनु-सरण में, में, उक्त धिधिनयम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- शीतल प्रसाद मित्तल पुत्र सेवाराम निवासी 732, सैक्टर 4 ग्रार० के० पुरम, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कान्ती कौशल पत्नी डी० के० कौशल, निासी द्वारका पूरी, मुजप्फर तक्रर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्धों भौर पदों का, जो उक्त भन्नि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रष्य होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

ग्रन् सूची

एक किता मकान नं० 200/2 बाके मौजा भोपारोड, दक्षिणी मुजफ्फर नगर में स्थित है। जो कि 50,000/- रू० में बेचा गया है।

बी० सी० **च**तुर्वे**दी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्ररूप भाई०टी० एन० एस० · · · ·

नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 2057-ए/पी०एन०/एम० नाजर/80-81---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो काजीवाडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिअस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कैराना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उनत अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में क्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या श्रन्य कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) समीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात्:---

- 1. श्री भगवाना दत्तक पुत्र मेघा व सुरेशपाल पुत्र ब्रह्म सिंह व सत्यापाल सिंह पुत्र भगवाना नि० ग्राम लिलोन डा० खास, परः शामलो तहः कराना, मुजपफरनगर (श्रन्तरक)
- 2. श्रो मुरलो उप नाम बलवन्त सिंह पुत्र रतिराम भर्मा निवासी कस्बा णामली डा० शामलो, पर: भामली तह: कैराना, (मुजफ्फरनगर)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काग्रेवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दरोबस्त दो दुकानात दक्षिण मुहानी, श्रापस में मिली हुई दो खनी मोहल्ला, काजीवाडा, कस्बा मामली तहः कैराना जिला मुज्यफरनगर, में स्थित हैं श्रीर जो 35,000/- स्पये की बेची गई।

बी० सीं० चनुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1980

प्रकृप साई•टी•एन•एस•--

आयकर विवित्यन, 1961 (1961 का 43) की घार 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 2030-ए/बुलन्दशहर/80-81—म्रतः, मुझे, बी॰ सी॰ चतुर्वेदी

आयकर ग्रविनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त ग्रविनियम' ग्रहा गया है); की ग्राप्त 269-ख के ग्रवीन सक्षम प्रविकारी की बहु विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार ग्रह्म 25.000/- का से प्रविक्त है

मूल्य 25,000/- प॰ से पिश्वन है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो गुलाबढ़ी में स्थित है

(श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है)
रजिर किता श्रिधकारी के कार्यालय बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण
श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-4-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के चित्त बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान
प्रतिश्वम के लिए पन्तरित की गई है धीर मृत्ते वह विश्वास
करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिश्वन का पन्त्रह प्रतिकत स्रिधक है धीर धन्तरक
(अन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए सय पाया बया प्रतिकत, निम्नलिखित
जहें ये उक्त धन्तरण निम्लिखत

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या खण्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त खिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भता अब, उक्त घ्रांचिनयम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त घ्रांचिनयम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— डा० मसुद प्रली खां व मोदद ग्रली खां पुत्र श्री तरीकत ग्रली खां, निवासी लाहगरा पर० प्रगौता, डा० गुढावली कला, बुलन्दशहर ।

(भ्रन्तरक)

2. डा० सतीण चन्द्र शर्मा पुत्र श्री रिवराम शर्मा निवासी मो० नरायन गंज, हापुड़, जिला गाजियाबाद। व श्री नरेन्द्र कुमार ध्रग्रवाल पुत्र जयप्रकाण नि० मो० नेहरूगेट बुर्ज, तह० हापुड़, जिला गाजियाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख के 45 दिन की धर्वाध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो धी धर्वाध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रावपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सर्वेगें।

स्पटतीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त प्रधिनियम के प्रस्याय 20-क में परिशाधित है, बही अर्च होगा वो उस प्रस्याय में दिया पया है।

अनुसूची

एक किता मकान एक मंजिला, दुकान सात खनी क्षेत्रफल 117 फुट पूर्व पिषचमी कुल क्षेत्र फल, 293 वर्ग गज, स्थित गुलावढ़ों मो० सादत्त गांधी गंज, बुलन्दशहर में स्थित है जोकि 47000/- ६० को बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० टी०श्रार० नं० 1133/श्रर्जन/श्रागरा/80-81— श्रतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंग्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के पंधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो श्रागरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय आगरा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-4-80

स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया. प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप मे कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः भ्रव, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय, पुत्र श्री नाथुराम उपाध्याय, निवासी 27/232, उत्तर विजय नगर कालोनी, ग्रहर ग्रागरा हाल निवासी 240 गांकरसदन सायन ईस्ट बाम्बे, नम्बर-22।
 - (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शीला देवी, पत्नी श्याम दश्त निवासी 6/271, पर्थ बाडी बेलन गंज, भ्रागरा। (म्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई की बाबेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गव्दों भीर पर्वो का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिकाधित है, वहीं भवं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला जायदाद नं० एक मंजिल 27/232, बाके विजय नगर कालोनी, श्रागरा में स्थित है जोकि 90000/- रू० को बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 253/श्रलीगढ़/80-81—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो देहली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय ग्रालीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 10-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परदृष्ट्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भंधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या **ए**ससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम वा धनकर प्रधि-नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मता, मब, उक्त मिनियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निखित व्यक्तियों, मंथाँत:—

- श्रीमती फरीदा बेबा श्री भुफी सौकत ग्रली मुख्तयार खास, इजजत ग्रली बहरत उर्फ मंगला व श्रीमती ग्रंजूमन पत्नि सौकत ग्रली नि० उसमानगंज, ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती णकीला बेगम जोजा, मोहम्मद गरीफ उसमान पाष्ठ, देहली दरवाजा, श्रलीगढ़ । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के खर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्चीहरूताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उकत अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क्त में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस संश्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

एक किता मकान उसमान पडा, देहली दरवाजा, प्रलीगढ़ में स्थित है जोकि 41,000/- रु० का बेचा गया है।

> बो० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्रकृष भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰------अराकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं टो॰ग्रार० नं० 1175/ग्रर्जन/फीरोजाबाद/80-81-यत: मुझे बी० सी० चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 年) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 23,000/- ६० से मधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो सरोजिनी नायड में स्थित है (भ्रोर इसमें उपाबड श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 25-4-80 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भवि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (बा) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये या, क्रिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--7-396GI/80

1. श्रा रतन पुत्र श्री किशन स्वरुप वहसियत खुद मुख्तयार श्राम मजाज बजरिये दो किता मुख्तार श्राम जात यके मुबरखा 25-1-79 व मुसदिक रजि० 25-1-79 निविक्ता रामरतन वदोयम मुवरखा 5-2-79 मुसदिका रजि० 6-2-79 किशान दत्त व प्रेमएतन व नरेन्द्र कुमार पुत्रगण श्रोः किणनस्वरुप नि० मु० पुरानी मंडी फिरोजाबाद मौसमा खुद जिसमें श्रधिकार प्राप्त हक्या है निवासी भोल्ल पूरानां मंडा, फिरोजाबाद ।

(ग्रन्तरक) ′

2. श्री मुन्ना लाल प्राप्रवाल, पुत्र श्री रध्नन्दन लाल जि ० मु० जलेश्वर, रोड, फिरोआबाद रोड, फिरोजाबाद जिला श्रागरा 🖟

(भ्रन्तरितीः)

को यह सुचना जारी अटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रचीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की भविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की नामील से 30 दिन की शवधि, को भी धवधि बाद में समाध्य होती हो, के बीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्व किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्वच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क स परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जलेश्वर रोड, बाके मौजा दतोजी भोसमा मा मोहल्ला सरोजिनी नायडु, मार्ग कस्वा फिरोआबाद जिला ग्रागरा में स्थित है जोकि 89562 ६० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) **भ्र**र्जन रेंज, कानपुर

मोहर:

तारीख: 9-12-80

प्ररूप आईं:टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० टी० श्रार० नं० 111/8/अर्जन/जलेश्वर/80-81— श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० मकान है तथा जो जलेश्वर मौजा सराफा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जलेश्वर में रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय जलेश्वर में रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कारण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-4-1980

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सिविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. श्री सतीश चन्द्र श्रग्रवाल पुत्र श्री कालीचरन श्रग्रवाल खुद व मुख्तयार खास सुरेण चन्द्र व उदयचन्द्र प्रकाण चंद्र विवेक चन्द्र व नवीन चन्द्र श्रग्रवाल पुत्र कालीचरन ग्रग्रवाल, नि० जनेश्वर मीजा सराफा हाल, नि० मोतीबाग, फैजाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रो नतीन चन्द्र ग्रप्रवाल पुत्र श्री जगदीण चन्रन ग्रप्रवाल, निवासी जलेश्वर, मो० सराफा, जलेश्वर एटा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

एक किता मकान बदुकान वश्चाराजी बाके जलेसर मौजा सराफा पर० जलेसर जिलाएटा में स्थित है जोकि 2000/-रू० का बेचा गया है ।

> त्री० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर मिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर -

कानपुर, दिनांक १ दिसम्बर 1980

निदेश सं०टी० प्रार० नं० 1003/म्रर्जन/म्रलीगढ़/80-81---म्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से मिनिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो तमोली पाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की नानत, उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रवः, उक्त ग्रिविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिविनियम की घारा 269-ष की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयौतः—

- श्री गनेशीलाल माथुर पुत्र श्री शंकर लाल माथुर गली गुलू जी हाल नि० 18 साकेत, मेरठ।
 (श्रन्तरक)
- · 2. श्री हरीदेव गुप्ता, पुत्र श्री सेवाराम गुप्ता निवासी ब्रहमन पुरी, ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ ब्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन्न नियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयें होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसमें दो कमरे व कारखाना है मदारगेट तमोलीपाडा, प्रलीगढ़ में स्थित है जोकि 14,5000/- र ० में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्रकप पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

क्षानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० टी० श्रार०नं० 997/फिरोजाबाद /80-81---श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भ्रारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छ बित बाजार मूल्य 25,000/-इ. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मौजा दत्तोजी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में रजिस्ट्रीकर्रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-4-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है घोर पन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की ध्रमधारा (1) के अधीन. निम्निखित व्यक्तियों, प्रशीत:—— श्री किशन बिहारी गर्ग पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ अग्रवाल, निवासी मु० चाउ, कस्था, फिरोजाबाद।

़ (भ्रन्तरक)

2. श्री बाल कृष्ण गुप्ता पृक्ष श्री धमरावलाल व रवीन्द्र कुमार व प्रदीप कुमार पृत गण श्री बाल कृष्णजी गुप्ता, नि० हनुमान गंज, कस्वा फिरोजाबाद, सुरेन्द्र दुवे पुत्र श्री राम दयाल दुवे, निवासी चौकी गेट, फिरोजाबाद व बिहारी लाल गर्मा पुत्र चोखे लाल गर्मा नि० दुर्गानगर, फिरोजाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :-

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक किता कृषि भूमि मौजा दतोजी, तह० फिरोजाबाद खासरा नं० 311 खारकवा 311/पुछता है जोकि एक लाख पचास हजार रुपये का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन मूचना

कार्यांनय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 258/म्रजंन/म्रलीगढ़/80-81---म्रतः बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिनका उचित बाबार पूर्व 25,000/- इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो सराय हकीम में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य है उक्त भन्तरक लिखान में बालविक कम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत छक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी घाय या किसी बन या घण्य धारितथीं को जिन्हें भारतीय धाय-कर श्राचानवम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्राचिनयम, या बन-कर घिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के घनुतरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपवार। (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:- श्री जिंदल नगर सहकारी गृह निर्माण समिति, लि॰ फिरोजाबाद ।

(ग्रन्तरक)

श्री महेन्द्रकुमर पूज्र श्री ला० बुद्धसेन, वश्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री स्व० ला० निरंजनलाल नि. सराय, हकीम, मलीगक्ष ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी इटके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए इत्ययवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भार्तन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त हो नी हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तोकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीविनियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक किता मकान स्थित मोहल्ला, सराय हकीम नं० में स्थित है जोकि 35000/- रु० का बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्ररूपं आई. टी. एनं. एसं. +-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 9, दिसम्बर, 1980

निदेश सं० 283/म्रर्जन /जलेसर/80-81—- ग्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जलेंसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 24-4-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित् :——

 श्री लक्ष्मीनारायण कुलश्लेष्ठ, पुत्र श्री बाबूराम उर्फ स्वामी जगल बानप्रस्थी, निवासी जलेसर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कपूरी देवी पत्नी श्री खुशी पाल शर्मा, व श्रीमती प्रेमवती देवी पत्नी श्री राधेश्याम उपाध्याय निवासी नगला, धोगर मजरा, शाह नगर, पर० जलेसर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एक किता मकान तामीरा पुस्ता वो मंजिला स्थित मौहल्ला पंसीयस जिला जलेसर में स्थित है जो कि 60000/-रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राप्तिकारी स**हायक आ**यकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, कानपुर

दिनोक: 9-12**-8**0

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 219/बी/गाजियाबाद/80-81--यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो नेहरू नगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-4-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्द्य किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

- श्री श्रहण कुमार पुत्र श्री रघुवंश कुमार, परचेज श्राफिसर, मोदी पोन मोदी नगर, जिला गाजियाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री राम किशन गुप्ता पुत्र श्री स्व० मातादीन निवासी 34 रमेत राम रो० गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता सकाम नम्बर सेकिण्ड सी/101 क्षेत्र फल 530.92 वर्ग मीटर ब्लाक सी० सेक्टर 2 नेहरू नगर, गाजियाबाद में स्थित है जोकि 42,473.60 रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-12-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 विसम्बर 1980

निदेश सं॰ 250-/हापुड़/80-81--श्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो दिलखुआ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हापुड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 25-4-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हा और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्निस्तिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ६--

- श्री बचन सिंह पुल श्री गनेशी सिंह निवासी जाटन मढैया, पिलखुवा तह० हापुड, जिला गाजियाबाद।
 - (अन्तरक)
- 2. विवेकानन्द पुराम सहकारी श्रावास समिति लि० पिलखुवा द्वारा रतनलाल पुत्र नानक चन्द सचिव समिति उत्तम पिलखुवा घर . डामना तह० हापुड़, जिला गाजियाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम बाके पिलखुवा प० डाखना तह० हापुड़, गाजियाबाद में बेचा गया है जोकि 127575/- ६० में बेचा गया है ।

> बी० सी० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-12-80

मोहर 🔅

प्ररूप आई.टी.एन, एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 212 बी/हापुड़/80-81—श्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गालन्द फजायल नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण क्ष्म से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हापुड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 15-4-80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हा और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तियों, अभृति १-- 8-396GI/80

- मसर्स जिन्दल पेपर मिल्स लि० बाईसवा भी देहली हापुड़ रोड जिन्दल नगर पो० श्राफिस खास पर० डासना, तह० हापुड़, जिला गाजियाबाद द्वारा श्री हरगुलाल केजरीयाल डायरेक्टर उक्त कं०।
 (अन्सरक)
- 2. मैहर्स स्टील एण्ड मैटल ट्यूब (इण्डिया) प्रा० लि० चौमुखाता मन्दिर होज काजी, देहली, द्वारा शिवशंकर श्रग्रवाल डायरेकटर उक्त कं०।

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि ग्राम गालन्द पजयायल नगर पर० डासना तह० हापुड़, जिला गाजियाबाद में स्थित है जो 4,01,1000/-२० की बेची गयी है।

> बी० मी० चतुबदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-12-80 मोहर ा

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 दिसम्बर 1980 📑

निदेश सं० 266 बी/मेरठ/80-81---भ्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान प्लाट है नं० 12 है तथा जो सकेत कालोनी, सिविल लाइन्स शहर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मेरठ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908

कों पूर्वाकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

 श्री जयप्रकाश पिसर श्रीकान्ती प्रसाद निवासी 249, रेलवे रोड, मिबली, मिटु० वाली, गाजियाबाद ।

(म्रन्तरक)

 श्री श्रनिल चौधरी, पिसर श्रीचौधरी मान सिंह एडवोकेट निवासी के० सी० 35 सिविल लाइन्स, रामपुर गार्डन बरेली शहर, ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वृर्णन के सुम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की खबिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

एक किता कोठी म्युनिसिपैलिटी नं० 81 कि जो प्लाट नं० 120 डी बाके साँकेत कालोनी, सिविल लाइन्स शहर मेरठ में बेचा गया है। जो कि 150000/- कु में बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिसित व्यक्तियों अर्थातुः—

तारीख: 12-12-80

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 1980

निदेश नं० 1132-म्रर्जन मागरा/79-80----भ्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० जमीन है तथा जो बसई ई स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-80

का पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सोरमचन्द्र राय पुत्र डाक्टर बेनीमाधय राय निवासी 18/163 ए पुरानी मन्डी ताजगंज ग्रागरा। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहम्मद जहांगीर मीर पुत्र श्री श्रब्दुल मजीद मीर निवासी 43, मालरोड, श्रागरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्पृतित के अर्जन, के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप्ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु व्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

एक किता जमीन भू भगमिनजुमला खसरा नं० 224; 225; 226, बाके मौजा बसईग्रागरा में स्थित है जो कि 81000/ रू० में बेची गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

दिनांक 21 नवम्बर 1980 मोहर : प्ररूप वाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर कार्यालय

कानपुर, दिनांक 21 नवम्बर 10980

निदेश नं० 1732-ए/देहरादुन/80-81---ग्रतः मुझे बी० सी० चतुर्वेदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अवन नं 4 है तथा जो खु बबू डा मोहल्ला देहरादून में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रतनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 20-5-80 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्टेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औ्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नु लिखित व्यक्तियों, स्थित्:—

- (1) श्रीमती कमला देवी धर्मपरनी श्री रघुनाथ सहाय निवासी 41 ब्लाक 3 खुडुबुडा मोहल्ला वेहरादुन । (ध्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्वर्ण कौर धर्मपत्नी ध्रमरचन्द्र कुमार निवासी 4/2 सहारनपुर रोड़ देहरादुन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रिता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुष्ची

एक किता भवन सं० 41 ब्लाक 3 खुडबुडा मोहल्ला देहरादून में स्थित है जो कि 60,000/रु० का बेचा गया है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

विनांक : 21 नवम्बर 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निवेश सं० 3214-ए/कानपुर/80-81--यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्घेदी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट 16/19 भी है तथा जों सिविल लाइन्स, कानपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2-6-80 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मिंध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रतः ग्रयः, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अघिनियम की घारा 269-व की उपधारः (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गौरी शंकर खन्ना 16/19 बी सिविल लाइन्स, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री झबदुल रहमान पुत्र श्री मो० मा हक बेग साकिन 97/28 तलाक मोहल, कानपुर (झन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्स्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्राकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त रूपावर संप्रति में हिल-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट संख्या 16/19 बी, सिविल लाइन्स, कानपुर में स्थित हैं जो कि 34,695 रु० में वेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजेन रेंज, कानपुर

विनांक : 3 नवम्बर 1980

प्रकष भाई• टी॰ एन॰ एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश नं० 3210-ए/कानपुर/80-81—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 18/37 है तथा जो कुरसवां, कानपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता, श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनां क

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्य मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व से करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित किया गरा है:—

- (क) चन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्राधि-नियम के अधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या **उससे बचने में सुविधा के** लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुनिधा के लिए।

ग्रतः श्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुक सरण में, में, एक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राकृतः— (1) श्रीमती चुन्नी देवी बेवा निवासी 38/175 गिलिस बाजार, कानपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्य प्रकाश पुत्र स्व० मुन्शी काल चरन निवासी 18/37 कुरसवां, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मोत में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के धव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

मकान नम्बर 18/37 कुरसवां, शहर कानपुर में स्थित है जो 20,000/- २० में बेचा गया है।

बी० सी० ब्रेनतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 3 नवम्बर 1980

प्रक्रम आई• टी• एत• एत•------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर,

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश नं० 3602-v/बुलन्दशह्रv/80-81—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- क्यं से प्राधिक है ग्रीर जिसकी, सं० दकान नं० 166 है तथा जो लालकुत्रां, बलन्दशहर

श्रौर जिसकी, सं० दुकान नं० 166 है तथा जो लालकुश्रां, बुलन्वशहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बुलन्वशहर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 1-8-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह् प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के खिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से विश्व नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269कव की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री नरेश चन्द्र मारॅफत प्रकाश बाच कम्पनी मेरठ। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पावती पत्नी मिक्कीमल वर्मा निवासी सरायकोना, बुलन्दशहर, श्रीमती चन्द्र किरण पत्नी जगदीश प्रसाद वर्मा नि० ब्रह्मपुरी, बुलन्दशहर, श्री मुन्नीलाल पुत्र चुन्नूमल निवासी ब्रह्मपुरी, बुलन्दशहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचमा के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचमा की सामील से 30 दिन की अवधि, को श्री श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ता-करी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

धनुसूची

एक दुकान नम्बर 166 लालकुआं बुलन्दशहर में स्थित हैं जो कि 30,000/रू० भी बेची गई है।

> बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, कानपुर

दिनांक: 3 नवस्थर 1980

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश नं० 282 बी/कानपुर/80-81—यतः, मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 94/128 है तथा जो फराशखाना कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रिधीन दिनांक 28-4-80 को पूर्वोक्त संपित्त के जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का जीचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नौलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती रिजया खातून पत्नी स्व० मीर माजिद श्रली, सङ्यद नवाब श्रली, सङ्यद मोहम्मद सिराज श्रली, इरशाद श्रली निवासी 94/128 फ़राशखाना, कानपुर। (श्रन्तरक)
- (2) जमाल श्रसलम, कमाल श्रसलम निवासी 94/128 फ़राशकाना, कानपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीदर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

मनुसूची

एक किता मकान नम्बर 94/128 फ़राशखाना, कानपुर में स्थित है जो कि 66,976-रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, कानपुर

विनांक: 8 दिसम्बर 1980

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निवेश नं० सी० ग्रार० नं० 1266 ए० सी० क्यू० 23-/I 80-81—ग्रतः मुझे मांगीलाल भायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रीधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० सी० नं० 16 पैकी टी० सी० एस० 8 विरयापुर, काजीपुर, है तथा जो शाहीबाग, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 17-4-80 को पूर्वोक्त तपति के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर भन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का पंजाह का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी िक्सो ग्राय या किसी श्रन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्था के लिए;

अत : अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अभुसरण में, में, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्दिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--9-396GI/80

- (1) श्रीमती सुभद्राबेन वासुदेव व्यास हडीसानी पोल, वाडीगम दरियापुर, श्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) भारतीय एपार्टमेन्ट को० थ्रो० हा० सो० प्रमोटर द्वारा :
 श्री रमेणभाई नारणभाई पटेल, 11, बिट्ठलनगर
 को० ग्रो० हा० सो० कैम्प रोड,
 सिविल हस्पताल, के सामने श्रहमदाबाद ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप 345.50 वर्ग गज, जिसकी सर्वे नं० फाइनल प्लाट नं० 16 पैकी टी० सी० एस० 8 तथा जो वरियापुर, काजीपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्ट्रड बिकी दस्तावेज नं० 7009 दि० 17-4-80 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज र्ौग्रहमदाबाद

दिनांक 6 दिसम्बर 1980 मोहर: प्रारूप बाई • टी • एन • एस •------

आयकर ब्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ब्रिवीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निदेश नं० सी० श्रार० नं० 1267 ए० सी० क्यु०-23-J/ 80-81--श्रतः मुझे मांगीलाल

षायकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रक्षितियम' एट्टा गया है), की धारा 269-ख के अश्रोत समन प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-क्पए से अधिक है

स्रौर जिस की सं० एफ० सी० नं० 16 टी० सी० एस० 8 दिरयापुर, काजीपुर है। तथा जो शाहीबाग झड्मदाबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजर्स्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-4-80 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के जिए प्रश्नरित को गई है और मुझे यह बिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के प्रश्ना प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रश्ना में अधिक है और संतरक (प्रश्नारकों) और स्रव्यरितों (श्रंतरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पासा स्था प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिख तम से बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के श्रश्नोन कर देने के धन्तरक क बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्तिश्रा के सिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2⁻) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चाया किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व के धनुनरण में, मैं, उरत प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात !--

- (1) श्रीमती मधुकान्ताबेन रामलाल वैकुंठराम व्यास,
 (2) कामाक्सी बेन श्रनुप्रसाद,
 54-2 गिरधर नगर सोसायटी,
 शाहीबाग रोड, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) भारतीय एपार्टमेन्ट को० ग्रो० हा० मो० प्रमोटर द्वारा: श्री रमेशभाई एन० पटेल 11, विट्ठलनगर को० ग्रो० हा० हो० कैम्प रोड़, श्रहमदाबाद (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धों क्य कितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (ख) इस मूचना के राजग्रव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिनबद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी क पास निखित में किए जा सकेंग।

स्वव्योकरण:—इंसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाणित है, बही अर्थ होगा जो उन शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप 345.50 वर्ग गज. सर्वे नं० फाईनल प्लाट नं० 16 पैकी टी० सी० एस० 8, तथा जो दरियापुर काजीपुर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्ट्रड बिकी दस्तावेज नं० 7010 दिनांक 17-4-80 में दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक 6 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप **शार्ष** टी॰ एन॰ एस॰——— भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निदेश नं० सी० श्रार० नं० 1268 ए० सी० क्यु०-23-I/ 80-81—श्रतः मुझे मांगीलाल

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है और जिस की सं० एफ० सी० नं० 16 टी० सी० एस०-8 दरियापुर, काजीपुर है। तथा जो शाहीबाग, म्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी के कार्यालय म्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक 17-4-80 की

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घीर मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिनत बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घिष्ठक है घीर अन्तरक (प्रग्तरकों) घीर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) पन्तरम न दृई हिसी प्राय की बाबन उकत प्रक्षि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी िकसी श्राय या किसी धन या श्रन्य झास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त भिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिष्ठिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातः--

- (1) श्रीमती शकुन्तलाबेन बचुभाई रावल 'रामवाटिका' गिरधर नगर के पास, णाहीबाग रोड, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) भारतीय एपार्टमेंट को० ग्रो० हा० सो० प्रमोटर द्वारा : श्री रमेणभाई एन० पटेल, 11, विट्ठलनगर सोसायटी, कैम्प रोड, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के **शर्ज**न के लिए कार्यवाहियां **कर**ता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबाद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा सकेंगे।

स्यष्टी हरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप 345.50 वर्ग गज तथा सर्वे नं० फाइनल प्लाट नं० 16 पैकी टी० मी० एस० 8 तथा जो दिखापुर काजीपुर स्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकन का पूर्ण वर्णन विधि रिजिस्ट्रर बिकी दस्तावेज नं० 7011 दिनांक 17-4-80 जो रिजिस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी द्वारा रिजिस्ट्रेड है इस में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,-I म्रहमदाबाद।

विनांक : 6-12-1980

प्रकप भाई० टी० एन० एस०--

बायकर भक्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1218 ए० सी० क्यु० 23- | 80-81—श्रतः मुझे, मांगीलाल मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से प्रधिक है

भीर जिस की सं० नं० 451 प्लाट नं० 76 है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भीन 1-4-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रष्टिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक छूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के मस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रान्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत:——

- (1) श्रीमती समजुबेन जीवराज भाई णाह, मारद्वत एम० जे० शाह, सराफ बाजार, राजकोट (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुकेशकुमार बल्लभदास गांऐल वल्लभ निवास, ग्राणापुर रोड, राजकोट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्तिके ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्टित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 213.8 वर्ग गज तथा सर्वे नं० 451 प्लाट नं० 76 तथा जो राजकोट में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जिसका रिज० नं० 1968 दिनांक अप्रैल 1980 है, इस में दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज-1, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 3 नवम्बर 1980

प्ररूप आई • टी • एन • एस • -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 451 प्लाट नं० 76 है तथा जो राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौ τ पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1-4-80

को पूर्थोंकत सम्पत्तिके उचित बाजार मूक्य से क्ष्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित्र वानार यूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिवर्धो) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उन्त अन्तर्य लिखित में वास्त- विक स्व से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबत तबत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्थ में समी करने या उन्तर्भ अचने में सुविधा ह जिन्ह और जा
- (ख) ऐसी किसी पात पा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर पिधितान 1922 (19: का 11) या छक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम 1957 (1657 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पुविधा के लिए;

अतः अव. उवत अधिनियम की धारा 269-प के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिति व्यक्तियों, अर्थीत ।—- श्रीमती समजुबेन जीवराज भाई शाह मारफत एम० जे० शाह गराफ वजार, राजकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश कुमार बल्लभदास, बल्लभ निवास, श्राणापुरा रोड, राजकोट।

(ग्रन्त(रती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध मं कोई पी आधीप :---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की शबधि या तस्संबंधी क्यकिन को पर म्यन। की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोन्त क्यति मों में से किसी क्यं किन दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, धमोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लोट जिसका माप 213-8-0 वर्ग गज तथा प्लोट गं० 76 का सर्वे नं० 451 है। जो प्रक्रिशेट में हिया है। मिनकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज जिसका रजि० नं० 1969 दिनांक 1-4-80 है इस में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक **3 नवम्बर** 1980 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा अहमदाबाद ग्रहमदाबाद,दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1242 ए० सी० क्यू० 2: -1/80-81---ग्रतः मुझे मांगीलाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति, जियका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

स्रीर जिस की सं० नं० जी 4-1 प्लान नं 4 प्लाट नं 20 पैकी सबप्लाट नं० 20-ए हैं। तथा जोबेडी बंदर रोड़, जामपुरी एस्टेट, जामनगर में स्थित हैं (स्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुपूर्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणात हैं), रिजिस्ट्रीकिती अधिकारी के कार्यात्य, जामनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन 17-4-80

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (व) ऐतो ितनो प्राय या किसी धन या थन्य प्रास्तियों को जिन्तु भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उम्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः मन, उन्न प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निखित व्यक्तियों, प्रयात:——

- (1) श्री गुताब चन्द देयराय साह पायर द्वाफ श्रष्टानी होल्डर श्रीमती सुगीनाबेन रणजीत कुमार माह गुरुदलानेय मंदिर के सामने, जामनगर।
 (अन्तरक)
- (2) श्री नायः भाई जसभाई पटेल बंगाः, नालुकाः, कालावाड जामनगरः।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अवित्तयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ियो प्रभा क्यित द्वारा प्रभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अगुसूची

एक खुली जमीन के प्लाट का माप 4000 वर्ग फीट, सर्वे नं० डी 4-1, प्लान गं० 4, प्लोट नं० 20, सब प्लोट नं० 20ए तथा जो जामपुरी ऐस्टेट, बेडी बंदर रोड़, जामनगर में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजर्ट्राइत बिक्री दस्तावेज, जिसका रिजर्ज ० 948 दि० 5-5-1980 में किया गया है इस में दिया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

कायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रवीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I ग्रह्मदाबाद ग्रहमदाबाद,दिनांक 24 नदम्बर 1980

निदेण नं० सी० ग्रार० नं० 1243 ए० सी० क्यु० 23-I/ 80-81----ग्रनः मुझे मांगीलाल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर निस की सं० श्रार० एस० नं० 40/1, 40/3 श्रीर 42/2 है। नथा नी वार्ड नं० 10 वेडेयनर निमानगर में व्यव है (श्रीर डमरें) जावड प्रमुख्यों में श्रीर पूर्ण स्था से व्यवह हैं), रिविद्री मिलें श्रीय के जाविकारी के जाविकार के स्थान पर में कि व्रिंच के श्रीप्रित्र में श्रीर पूर्ण स्थान 21-4-80 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीयक है श्रीर धन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरित के निम्तिविद्यत सम्पत्ति का करने के निम्तिविद्यत सम्पत्ति के सिम्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरित के निम्तिविद्यत सम्पत्ति के निम्तिविद्यत सम्पत्ति के निम्तिविद्यत सम्पत्ति के निम्तिविद्यत सम्पत्ति में विद्यत प्रन्तरित्या स्था से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व मंकमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; ग्रीर/या
- (ख) एसी ित्या प्राय या दिसी धन प्रा अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्ता प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में भूविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उन्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)के ग्रिधीन निम्नलिखित स्वक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री नरभेराम बयनजी महेता
 - (2) श्री शान्तीलाल मोतीचन्द मेहता द्वारा : मुक्ताबेन शान्तीलाल महेता
 - (3) श्री ईन्द्रजाल वसनजी महेता
 - 4) श्री प्रताप राय वसनजी महेता
 - (5) श्रीमती ईन्द्लाबेन ईन्द्लाल महेता
 - (6) श्रीमती अर्रविदाबेन तापराय महेता
 - (7) श्री प्रवीणचन्द्र नरभेराम महेता
 - (8) श्री रमेणचन्द्र नरभेराम महेता
 - (9) श्रीमती दिपालीबेन नरभेराम महेता
 - (10) श्री गशीकान्त सान्तीलाल महेता रतनाबाईजी मसजिद के सामने, जामनगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स, उमेश श्रोईल प्रोडक्टस प्रा० लि० बेडेण्यर, जामनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थागर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसची

गुक पुख्य मकान जो जमीन माप 15000 वर्ग घीट पर खड़ा जिए हो। नों ं० 40-1, 40-3 तथा 42/2 जो बेडेण्यर जामनगर वे त्यतं है। या उसका पुर्ण वर्णन रिकस्ट्रीखित बिर्काट स्ताबे जो रोजस्ट्रीयन नं० 1022 दि० 21-4-80 से रिजि० हैं इस में दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नथम्बर 1980

प्ररूप धाईं शै • एन • एस • ----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 1244 ए० सी० क्यु० 23-I/ 80-81--श्रतः मुझे मांगीलाल ध्रायक्तर श्रिधिनियन, 1961 (1961 (जिन इसमें इसके पश्चात् 'खनत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापए से अधिक है ग्रौर जिस की सं० ग्रार० एस० नं० 40/1, 40/3, 42/2, प्लाट नं० 1 तथा 2 है। तथा जो वार्ड नं० 10 बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्येलय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 18-4-80 को को पुर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकत ता, ऐते दृश्यमान प्रतिकत्तका पन्द्रह प्रतिशत से यधिक है पौर चन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छट्टेपण से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है म्स्न

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाद की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसो प्राप या किसी धन या प्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, मब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री नरभेराम वसनजी महेता तथा श्रीमती दिवालीबेन नरभेराम महेता रतनबाई मसजिद के पास, जामनगर

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स उमेश ग्रोईल प्राडक्टम प्रा० लि० **बेडेश्वर**, जामनगर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त प्रम्यक्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 19,200 वर्ग फीट पर खड़ा है तथा श्रार० एस० नं० 40/1, 40/3, 42/2, प्लोट नं० । तथा 2 तथा जो बेडेय्वर जामनगर में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जिसका रिज नं० 999 दिनांक 18-4-80 है। इसमें दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद

दिनांक : 24 नवम्बर 1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०--

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी०एच०/43 ए०/86-81—अतः

मुझे, सखदेव चन्द धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर न्स्मिन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं01/2 भाग मकान नं0 B.VI-166 है तथा जो न्यू माधोपुरी, कूचा नं0 2 लुधियाना में स्फित है है (भीर इससे उपावद्ध मनुसूची में भीर पूणें रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यलय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन सारीख 5/80,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) श्री राम प्रकाश खोसला पुत्र श्री मुकत लाल खोसला निवासी माधो पुरी कुचानं 2, लुभियाना (भ्रंतरक)
- (2) श्री सुशील कुमार जैन पुत्न श्री प्यारा लाल जैन निवासी 1076 ए० सैक्टर 20 बी० चण्डीगढ़। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भाजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टी करण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषं होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी० चार 166 (न्यु) माधो पुरी कुचा नं. 2, लुधियाना ।

(ज्यायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यलय के विलेख संख्या नं० 1076 मई, 1980 में दर्ज है) ।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 18 नवम्बर, 1980

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज I ग्रहमवाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० सी० श्वार० नं० 1246 ए० सी० क्यु० 23-I/80-81— श्वतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० श्रार० एस० नं० 40/1, 40/3 श्रौर 42/2 प्लोट नं० 16 है तथा जो वार्ड नं० 10 बेडेग्वंर, जामनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रकरण श्रीष्ठनियम, 1908 (19 का 16) के श्रधीन विनांक 18-4-80 को

का पूर्वाक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितंकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-म को अनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी जसबन्तराय मनृत लाल महेता हमलक्ष्मी चौक, जामनगर।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स उमेश ग्रोईल प्रोडक्टस प्रा० लि० बेडेश्वर, जाममगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्र ती के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्वो का, जो अक्छ, विभिन्यम के अध्याय 20 क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नया हैं।

नग्स्ची

एक मकान जो जमीन माप 9600 वर्ग फीट पर खड़ा ह, जिसका एस० नं० 40/1, 40/3 मौर 42/2 प्लोट नं० 16 तथा जो बेडेम्बर, जामनगर स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जो रिज० नं० 997 दिनांक 18-4-80 से हैं इस में दिया गया है।

> मांगी लास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

विनांक 24 नवम्बर 1980 मोहर:

प्रकप आई.की.क्रा.क्स.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-I झहसवाबाद

श्रह्मवाजाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० झार० नं० 1247 ए० सी० क्यु० 23-1/80-81—मतः मुझे मांगीलाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से प्रधिक है

प्रीर जिस की सं० एस० नं० 40/1, 40/3, 42/2 प्लाट नं० 14 है। तथा जो वार्ड नं० 10 दबेडेण्वर, जामनगर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 18-4-80

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों स्थातः-- (1) श्री भ्रमृतलाल छगनलाल महेता महालक्ष्मी भौक, जामनगर

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स उमेश श्रोईल प्रकटस प्रा० लि०, बेबेश्वर, जामनगर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित् में किए जा सकागे।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्युची

एक मकान जो जमीन माप 9600 वर्ग फीट पर खड़ा है तथा सर्वे नं० 40/1, 40/3, घौर 42/2 प्लाट नं० 14 तथा जो बेडेश्वय जामनगर में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दास्तावेज जिसका रजि० नं० 995 दिनांक 18-4-80 है, इस में दिया गया है।

मांगी लास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I श्रष्टमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I महमदाबाद

श्रहमधाबाद, दिनांक 24 नवस्थर 1980

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण े कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ग्रार एस नं 40/1, 40/3, 42/2 प्लाट नं 5 ग्रीर 6 है। तथा जो वार्ड नं 10 बेडेग्बर, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुभूषी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 18-4-80

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अपूर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री प्रतापराय वसनजी महेता, (2) श्रीमती ग्रार्थिदा प्रतापराय महेता रतनवाई मसजिद के पास, जामनगर।

(भन्तरक)

(2) मैसर्स उमेश प्राईल प्रोडक्टस प्रा० लि० बेडेश्वर, जामनगर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त, सम्पृहित्तु को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्धु में कोई भी बाक्षोपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 19,200 बर्ग फीट पर खड़ा है तथा सर्वे नं० 40/1, 40/3, घीर 42/2 प्लाट नं० 5 घीर 6 जो बेडेश्वर जामनगर में स्थित हैं, इसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्सायेज जिसका रजि० सं 994 दिनांक 18-4-1980 है इसमें विया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात्ः--

दिनांक : 24 नवम्बर 1980

मक्य बाई॰ डी॰ एन॰ एस॰---

धायकर ध्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयश्वर थायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवस्बर 1980

श्रायकर श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रीवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिकत बाजार मूल्य 25,000/- दपये से अधिक है श्रीर जिस की सं० श्रार० एस० नं० 40/1, 40/3 श्रीर 42/2 प्लोट नं० 11 श्रीर 15 है। तथा जो वार्ड नं० 10 बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवन, दिनांक 18-4-80

ती पूर्वोक्त धम्पति के जिलत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत धम्पति के जिलत बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मृह्य, उसके वृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से मिलक है और सन्तरक (मन्तरकों) भीर सन्तरिती (मन्तरितयों) के बीज ऐसे सन्तरकों के लिए तय पास गया प्रतिकल, निम्नतिखित उद्देश्य से उनत मन्तर जिल्ला में वाश्तिक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाव की वावत पनत अधिनियम के धनीन कर देने के धन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के बिए; धौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी सन या सन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर समित्रयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त समित्रम, या सन-कर समित्रमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए वा, जिपाने में सुविधा के लिए।

चतः अब, उक्त चिनियम की बारा 269-म के चनुसरण में, में, उक्त चिनियम की बारा 269-म की उक्तारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :--- (1) श्री जयन्तीलाल छगनलाल महेता (2) श्री जसवन्ती जयन्तीलाल महेता सेन्द्रल बैंक के पास, जामनगर

(ब्रन्तरक)

(2) मेसर्स उमेश भ्रोईल प्रोडन्टस प्रा० लि०, बेडेश्वर, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी पास्तेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकानन की तारीका से 45 दिन की भविभ, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविभ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा जो उस बध्याय में विया यया है।

मनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 19,200 वर्ग फीट पर खड़ा है तथा जिसकी सर्वे नं० 40/1, 40/3, और 42/2 तथा प्लोट नं० 11 और 15 जो बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है, तथा मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज जिसका र्राज ० नं० 996 दि० 18-4-80 है, इसमें दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज I भ्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1080

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० प्रार० नं० 1250 ए० सी० क्यु० 23-// 80-81--- ग्रतः मुझे मांगीलाल भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000 र० से प्रधिक है श्रौर जिस की सं० 40/1, 40/3, 42/2 प्लोट नं० 12श्रीर 13 है। तथा जो वार्ड नं० 10, बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है (ग्रीर इससे पाबज्ञ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 18-4-80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उसे

तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी द्याय की ं त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये। और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या श्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिये;

श्रतः भ्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के भ्रनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

(1) श्री प्रभीसास छभास्ताल तथा श्रीमती रमाबेन प्रमीलाल मेहेता सेन्ट्रल बैंक, जामनगर

(मन्तरक)

(2) मेसर्स उमेश श्राईल प्रोडन्ट्स प्रा० लि०, बेडेश्वर, जामनगर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्कन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के भवैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की प्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वज्र किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रक्षोहरूसोकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्यों बीर पर्वो का, को सक्त धितियम के धक्याय 20क में परिवाधित है, बही अर्थ होगा जो उस धक्याय में विश्व। गया है।

भनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 19,200 वर्ग फीट पर खड़ा तथा जिस की सर्वे नं० 40/1, 40/3 42/2 प्लाट नं० 12 श्रौर 13 जो बेडेक्बर, जामनगर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्सावेज जिसका रिज० नं० 999 दिन० 18-4-80 से इस में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर, 1980

मोहरः

प्रकप सर्वा० टी० एन० एस० ---

भायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० भार० नं० 1251 ए० सी० क्यु० 23-1/ 80-81—- ग्रतः मुझे मांगीलाल भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके पश्चात् 'उक्त धर्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-वपए से अधिक है

श्रीर जिस की सं० श्रार० एस० नं० 40/1, 40/3, तथा 42/2 है। सभा जो वार्ड नं० 10, बेडेस्वर, जामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-5-80 को

बधीन 16-5-80 की
पूर्वोत्रत सम्पत्ति के जिपत बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिप्राल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी छन या अन्य झास्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर झिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गचा या या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुनिका के लिए;

नश्, उक्त मधिनियम की भारा 269-त के, अपूक्रः में, में, उक्क अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिक्त व्यक्तियों, अर्थाव्य--

- (1) (1) भी नरभैराव वसमजी बहेता
 - (2) श्री शान्तीसास भोसीखन्द महेता; मुक्ताबेन एस० महेता द्वारा
 - (3) श्री ईन्द्रलाल वसनजी महेता
 - (4) श्री प्रतापराय वसन्त्री महेता
 - (5) श्रीमती मंजुलाबेन इन्द्रलाल महेता
 - (6) श्रीमती धर्रविवाबेन प्रतापराय महेता
 - (7) श्री नरभेराम वसनजी महेता पावर ग्राफ ग्रटोर्नी एडिल्टर श्री प्रविणचन्द नरभेराम महेता
 - (8) रमेण चन्द्र नरभेराम महेता (9) श्रीमती दिपालीबेन नरभेराम महेता
 - (10)श्रीमती शशीकान्त शान्तीलाल महेता रतनबेन मसजिद आमनगर।

(ब्रन्तरक)

(2) मेसर्स उमेश धाईल प्रोडक्ट्स प्रा० लि०, बेडेश्वर, जामनगर।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

जक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित म किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भविनियम के भन्नाय 20-क में परिभाषित हैं, कही भयें होगा, जो उस मन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन माप 14,400 वर्ग फीट जिसकी सर्वे नं एस व्राप्त के 40/1, \$\frac{1}{2}\)40/3 ग्रीर 42/2 उसके ऊपर मकान साथ में बगीचा जो बेडेग्यर, जामनगर में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज, जिसका रजिव नंव \$192 दिनांक 8-5-80

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I श्रह्मदाबाद

विनाबा: 24 नव 1980

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद,दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेशनं ० पी० भार० नं ० 1252 ए० सी० क्यु०

ग्रतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० 40/1, 40/3 ग्रौर 42/2 प्लाट नं० 7 ग्रौर 8 है तथा जो वाड नं० 10 बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 24-4-80

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक इप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रिधिनियम की भ्रारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भ्रिधिनियम की भ्रारा 269-म की उपधारा (1) के अभ्रीन निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री चुन्नीलाल छगनलाल महेला (2) श्रीमती नमंदाबेन चुनीलाल मेहता, महालक्ष्मी चौक, जामनगर।

(भ्रन्तरक)

(2)मेसर्स उमेण भाईल प्रोडक्टस प्रा० लि०, बेडेश्वर, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास निकित् में किए जा सक्तेये।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

बगरा ची

एक मकान जो जमीन माप 19200 वर्ग फीट पर खड़ा, जिसकी सर्वे नं० 40/1, 40/3, 42/2 प्लाट नं० 7 तथा 8 जो बेडेश्वर, जामनगर में स्थित है, भिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत ब्रिकी दस्तावेज जिसका रजि०नं० 1063 दिनाक 24-4-80 है इस में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I ब्रह्मदाबाद

दिनांक: 24-11-1980

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

नायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घडीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 1253 ए० सी० क्यु० 23- / 80-81--भ्रतः मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घषीन सक्षम प्राधिकःरी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिच्छ बाजार मूस्य 25,000/- एक से अधिक है

ग्रीर जिस की सं० नं० 40/1, 40/3, ग्रीर 42/2 प्लोटनं० 9 तथा 10 है। तथा जो वार्डनं० 10, बेडेक्बर, जामनगर में िश्वन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 20-4-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूह्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निम्निचित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निचित्र में वास्तिवक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साम की बाबत एक्स अधि-नियम, के सधीन कर देने के सन्तरक के बायस्य में कमी करने या उससे बचने में बृधिया के लिए। और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय धाय-कर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया भाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवित् ।— 11—396GI/80

- (1) श्री मनमुखलाल छगनलाल महेता,
 महालक्ष्मी चौक, जामनगर।
 (2) कुसुमबेन मनसुखलाल महेता
 महालक्ष्मी चौक, जामनगर।
 (ग्रन
- (2) मेसर्स उमेश श्राईल प्राडक्टम प्रा० लि०, बेडेश्वर, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यन्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगें।

स्वस्तीकरण !--इसमें प्रयुक्त शम्बों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के भड़याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकानजो जमीन माप 19200 वर्गफीट पर खड़ा, जिसकी सर्वे न० 40/1, 40/3, और 42/2 प्लोट नं० 9 तथा 10 तथा जो बेडेश्वर जामनगर में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जिसका रिजा नं० 1063 दिनांक 20-4-80 मे हैं इस में दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24 तबम्बर 1980

प्रकृष भाई। टी। एन। एस।---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भा (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-1 श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवस्थर 1980

निदेशनं० पी० भ्रार० नं० 1254 ए०सीं० क्यू० 23-1/80-81-भतः मुझे, मांगीलाल,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुह्य 25,000/- इपये से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 860 पैकी ब्लोक 'ब' है तथा जो गांव वेजलपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन अप्रैल 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से पिषक है और पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाव की बाबत उक्त भीवित्यम के भीति कर देने के भग्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या[
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त धिवनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री महेन्द्र विट्ठलभाई पटेल महादेव नगर सोमायटी, स्टेडियम के पाम, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेण सुरेन्द्रभाई शेठ तथा दूसरे 118 फतेह भाईनी हवेली रतनयाल ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकोंगे।

स्पडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 860 पैकी ब्लाक 'बी' माप 12157 वर्ग गज जो माप वेजलपुर , जिल्ला श्रह्मदाबाद में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्ता-वेज जो रिजस्ट्री नं० 6946 दिनांक 15-4-80 में रिजस्ट्री-कर्ना अधिकारी द्वारा रिजस्ट्रक है, इस में दिया गया है। मांगीलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज- भ्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

धायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269<u>-</u>घ (1) के श्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- र्र ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 432 है तथा जो श्रेयस मोसायटी के पीछे, गांव, वेजलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिकारा, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 80 कोपूबोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्नद्र प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री भीखाभाई गोविन्द भाई पटेल गांव वेजलपुर, जिला, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) मुकेश पार्क को० ओ० हा० सो० लि०, द्वारा : प्रमुख श्री विनयकान्त एन० शाह, पटेल भवन, नेहर्रुक्जिज, ग्रहमवाबाद । (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 38,00 वर्ग गज तथा 2940 वर्ग गज, सर्वे नं० 432 जो गांव वेजलपुर जिला श्रहमदाबाद में स्थित है मिलकत रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी द्वारा बिक्की दस्तावेज रिज०नं० 5703/80 तथा 5704/80 दि० श्रप्रैल 80 से रिजस्ट्रड है। इस में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमदाबाद

दिनांक : 24 नवम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- ${f I}$ श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेशनं० पी० भ्रार०नं 1256 / ए० सी० क्यू० 23-1/80-81—श्रतः सुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० कालुपर बोर्ड III सी० एस० नं० 2565-1-B दुकान नं० 72 (नई) है तथा जो वृन्दावन शोपिंग मेंन्टर पानकोरनाका श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 80

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकाें अर्थात्ः-- (1) मेसर्स नानालाल केशवलाल भागीदार द्वारा, श्री नानालाल केशवलाल जैन मरधन्ट सरखेज रोड, श्रहमदाबाद।

(मन्तरक)

(2) (1) श्री नरोत्तमवास भनसुखराम शाह

- (2) श्री जयन्तीलाल डी० भोरलीया नलफुंज सोसायटी कैम्परोड, श्रहमदाबाद।
- (3) श्री प्रभुलाल जेठालाल महेता, विट्ठल नगर सोसायटी कैम्परोङ, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 72 (नई) जो वृन्दावन शोपिंग सेन्टर, पानकोर नाका म्रहमदाबाद में स्थित है जिसका सर्वे नं० कालुपुर वार्ड नं० III सी० एस० नं० 2565 /1/ब है। मिलकत रजिस्ट्रोकर्त्ता म्रधिकारी द्वारा बिकी दस्तावेज का रिजस्ट्रेगन नं० 7713 म्रप्रैल 80 से रजिस्ट्रेड हैं इस में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्रस्प धाई ० टी ० एन ० एस ०--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं०पी० श्रार० नं० 1257 ए० सी० क्यू० 23-/80-81---श्रतः मुझे, मांगीलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 193 भाग टी० पी० एस० 6 है तथा जो पालडी, ग्रहमादाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैल 70

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रमीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रण्य आस्तियों को, जिण्हें भारतीय धाय-कर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्युक्तियों अर्थातः-- (1) श्री सुरेन्द्र विकमलाल शाह, 19, न्यु बल्मअन्निय सोसायटी, पालडी, श्रहमदाबाद।

(भन्तरक)

(2) म्रानन्द को० म्रो० हा० सो०
मुख्य प्रमोटर द्वारा ;
श्री नलीनभाई जे० शाह 14, जैन सोसायटी,
पालडी, श्रहमदाबाद।
(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो 'उनन ध्रिधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही ध्रथं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप 700 वर्ग मीटर जिसका एफ० पी० नं० 193 भाग टी० पी० एस० 6 जो पालडी ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी द्वारा रजिस्ट्रेणन नं० 6949 श्रप्रैल 80 से किया गया है। इसमें दिया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1970

निदेशनं० पी० श्वार० नं० 1258 ए० सी० क्यु० 23-I/ 80-81--श्रतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिस की सं० सी० एस० नं० 3605 से 3612, 3613/ग्र तथा सब प्लाट नं० 1, 3620 कालुपर वार्ड III का है। तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रीत 80

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थित ६-- (1) श्रीमती कंवनबेन शान्तीलाल नानापटी ' 'गुंजन' नियोजन नगर के सामने, श्राबाबाडी श्रहमदाबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स होटल किंग्सवे भागीदारद्वारा, श्री रामचन्द लक्ष्मणदास स्टेट बैंक श्राफ इण्डिया के पास, पथ्यरकुवा, श्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पृथां कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

खुली जमीन का माप 458.41 वर्ग मीटर तथा सी० एस० नं० 1 3605 से 3612, 3613 ए तथा 3620/ए सब प्लाट नं० 1 कालुपर वार्ड III जो श्रारच गली, स्टेट बैंक आफ इण्डिवा के पास, पथ्थरकुवा, श्रहमदाबाद में स्थित है, मिलकत , बिक्री दस्तावेज नं० 5000 श्रप्रैल-80 से रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड है इस में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I भ्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1260/ए० सी० नयु० 23-I 80-81----ग्रतः मुझे मांगीलाल,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- य० से ग्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 196 हिस्सा नं० 2 पैकी है तथा भेमनगर, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबड़ श्रमुमूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्ट्रक्सां श्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद में रिजर्ट्रीक श्रिध-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1980

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत अधिक है, भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अव्यक्त के दायित्व में कमी करने या उससे वचने म कुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, अब, उनत प्रविनियम की बारा 269-म के बनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।— (1) श्री रोहितभाई मनुभाई पटेल, मार्फेन प्रविण भागई चतुरभाई पटेल, स्वस्तिक सोसायटी, नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रारविन्दभाई जसभाई पटेल दिनेशनगर को० ग्रा० हो० सो० लि० नवरंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राष्ट्रीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शम्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

घमृशुषी

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 196 हिस्सा 2 पैकी माप 213 वर्गगज जो मेमनगर श्रहमदाबाद में स्थित है, मिलकत का पूर्ण वर्णन बिक्री बस्तावेज नं० 5495 श्रप्रैल-80 जो रजिस्द्वेशन कर्त्ता श्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ट है इस में दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राक्युत (निरीक्षण) र्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

विनांक 24 नगम्बर 1980 मोहर : प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रष्ठमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० पी० झार० नं० 1261 ए० सी० क्यु० 23-1/80-81--श्रतः मझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिस की सं० 196 हिस्सा नं० 2 पैकी है। प्तथा जो मेननगर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ह्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ह्रीकरण श्रधिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 80

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रल 80 को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः--

(1) श्री मुकेशभाई मनुभाई पटेल मारफत प्रविण भाई चतुरभाई पटेल स्वस्तिक सोसायटी नवर गंपुरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कैशिक शाकुभाई पटेल दालिया बिल्डिंग श्रलिसंग्रीज, श्रहमदाजाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन् के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 196 हिस्सा 2 पैकी माप 913 वर्गगज तथा जो मेसनगर , घहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज नं० 5498 दि० 5-5-80 है तथा जो रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड है इस में दिया गया है।

मांगीलाल सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--! श्रष्टमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

अध्यकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 259-च (1) के ध्रधीन गुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 ग्रहमादाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० सी० ग्रार० नं० 1262 ए० सी० क्यु० 23-1/80-81—ग्रतः मुझे मांगीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ ने अधिक है

भीर जिसकी सं० 196 हिस्सानं० 2 पैकी है। तथा जो मेमनगर श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूत्री में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रिप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त प्रश्नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, बक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—~
12—396GI/80

(1) श्री मनुभाई हिराभाई पटेल द्वारा प्रविणभाई चत्तुरभाई पटेल, स्वस्तिक सोसायटी, नत्ररंगपुरा, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हर्षदभाई रत्तीभाई पटेल
(2) कान्ताबेन हर्षदभाई पटेल
जल बिहार फ्लैटस,
ग्रायकर कायलिय के पास श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धम्य व्यक्ति द्वारा, धश्रोड्स्साक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पच्छीकरण :- इसमें प्रमुक्त कन्दों भीर पर्दो का, जी छक्त पश्चितियम के श्रम्याय 20क में परिजाधित है, वहीं भर्ष होवा, जो उस अध्याय में वियो पया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 196 हिस्सा नं० 2 पैकी माप 1089 वर्ग गज तथा जो मेमनगर श्रहमदाबाद में स्थित है। मिसकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी द्वारा, विधि रिजस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 5494 दिनांक 5-4-80 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 ग्रहमदाबाद

विनांक 24 नवम्बर 1980

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निदेश नं० सी० ग्रार० नं० 1259 ए० सी० क्यु० 23-1/ 80-81-ग्रतः मझे मांगीलाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269- व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव नंव 166-1 एफ० सीव नंव 454 का टीव पीव एसव का 21 हैं। तथा जो पालडी, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रील 80

को पूर्वोधित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोध्त संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवृक्त क्य से कि थत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त गिंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; गीड/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्व में, मैं, उपत अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्बात् !— (1) श्री भूपतराय वल्लभराम दवे 2 कमलनयन सोसायटी नवजीवन प्रैस के पास, हाईकोर्ट के सामने, ग्रहमवाबाद।

> (श्रन्तरक) छाबरा

(2) गिरीशकुमार मोहन सांग 12 माणेक बाग सोसायटी, श्रीबायाडी, ग्रहमदाजाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृवांक्त सम्मित्त के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खां सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>्ची

ग्रिविभाजित 1/2 हिस्सा खुली जमीन के प्लोट जिसका माप 580 वर्ग गज है इसमें जिसकी सर्वे नं० 166-1, एफ० सी० नं० 454 का टी० टी० एस० न० 21 जो पालडी, श्रहमबा-बाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्ट्रर्ड बिकी दस्तावेज नं० 7614 श्रप्रैल-80 है, इसमें दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण भ्रजेंन रेंज-ं ग्रहमदाबाद

दिनांक 24 नवम्बर 1980 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एव. एस.-----

माय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के सुभीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 24 नवम्बर 1980

निवेश नं० सी० ग्रार० नं० 1263 ए० सी० क्यु 23-1/80-81-ग्रतः मझे मांगीलास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण् हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिस की सं० प्लाट नं० 32 ए, घर नं० 10/8/4 है तथा जो विजयनगर भूज में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भूज में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1), के अधीन, निम्नुनिवृद्धित अयुक्तियों, अधीर्ध--

- (1) महेन्द्रकुमार रविलाल शाह
 - (2) चन्द्रकान्त रविलाल शाह
 - (3) रमेशकुमार रविलाल शाह राजा स्टोर, वाणीयावाड, भुज--कच्छ।

(प्रन्तरक)

(2) श्राणानन्द परसोत्तम बछवा णामीत्रय एक्युपमेन्ट स्टोर्स दरबारगढ़, भूज ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पद्धों का, जो एक्त श्रीधनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनु सुची

एक मकान जो जमीन साप 2000 वर्ग फीट पर खड़ा है जिसका प्लोट नं० 32ए जो विजय नगर एरीया, भूज में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज नं० 715 विनांक 16-4-80 से रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड है इसमें दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 24 नवम्बर 1980

प्ररूप धाई• टी॰ एन• एस•--

ग्रायकर प्रजिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निदेश नं० सी० श्रार० नं० 1264 ए० सी० क्यु० 23-I/ 80-81---श्रतः, मुझे, मांगीलाल,

आयकर धिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिलियम' कहा वथा है), की भारा 269-ज के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाबार मून्य 25,000/- रुपए से प्रक्षिक है,

भीर जिसकी सं० 5315 पैकी है। तथा जो स्वस्तिक इन्डस्ट्रीज, पोरबंदर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-4-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के छित्त बाजार मूक्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का छित्त बाजार मूल्य, छसके पूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिगत प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) धौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक हम से किया नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धनत समिनिक्स, के सक्षीत कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; श्रीय/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य चास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-भर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का खिपाने में सुविधा के निए।

अत: धव, उक्त ब्राधिनियम की धारा 26 क्रिंग के अव्यवस्थ में; में, उक्त अविभियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निक्मिलिबित क्यक्तियों, अर्थात् ।——

- (1) दत्तानीं इन्डस्ट्रीज पावर भ्राफ भाटोनीं होल्डर द्वारा श्री हरिदास भगवानजी नेशनल हाईवे, 'किस्ना कुंज' पोरबन्दर । (अन्तरक)
- (2) (1)श्री किसोरकुमार गोरधनदास (2)श्री छोटालाल वल्लभदास किस्ना जीनींग फैक्टरी, पोरबन्दर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, नहीं अबं होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 1380-75 वर्ग गज तथा जिसका सर्वे तं० 5313 पैकी जो स्वस्तिक इन्डस्ट्रीज पोरबन्दर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्टर्ड बिकी वस्तावेज नं० 1053 दिनांक 2-4-80 से रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी द्वारा रजिस्टर्ड है इसमें दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 6-12-1980

मोहरः

त्रक्ष चार्ष । ही । एन । एस ----

आयक्द समित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-य (1) के समीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिष)

ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाध

श्रहमवाबाव, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

निवेण नं॰ सी॰ श्रार॰ नं॰ 1265 ए० सी॰ क्यु॰-23- / 80-81--श्रतः, मुझे, मौगीलाल

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत घिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ने घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति विसका उचित वाजार मृश्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 5313 पैकी है। तथा जो स्वस्तिक इन्डस्ट्रीज एरीया पोरबंदर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिष्ठकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 2-4-80 को पूर्वों क्स संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर श्रिष्ठका से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्स अन्तरण दिलिख में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है [---

- (क) अन्तरण, से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविश्वा के टिल्ए।

बतः प्रवः वस्त प्रविनियम की बारा 269-व के धनुसरक में, में, उस्त प्रविनियम की धारा 269-व की स्प्रधारा (1) के वधीन, निम्मविकित स्पन्तियों, सर्वातः--- (1) वसानी इन्डस्ट्रीज पावर आफ श्रटार्नी होल्डर द्वारा श्री हरिदास भगवानजी, नेग्रनल हाई वे 'क्रिस्ना कुंज' पोरबन्दर।

(भ्रन्तरक)

(2) मनसुखलाल एण्ड क्रादर्स भागीदार दारा; श्री छोटालाल बल्लभदास, क्रिस्नाजीनिंग फैंक्टरी के पास पोरबन्दर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

वनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए वा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्बों ग्रीर वर्षों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, बही ग्रंगें होगा, जो उस ग्राध्याथ में विया गया है।

अनुसृखी

जमीन माप 1771-11 वर्ग गज जिसकी सी० एस० नं० 5313 पैकी, जो स्वस्तिक ईन्डस्ट्रीज एरिया पोरबन्दर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्टर्फ बिकी दस्तावेज नं० 1052 दिनांक 2-3-80 है तथा जो रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी द्वारा रजिस्टर्ड है इसमें दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक 1 6 दिसम्बर 1980 मोहर: प्रकर बाई॰ टी॰ एव॰ एव॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के धक्षीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11054—यत:, मुझे, राधा बालकृष्णं धायकर धिविषयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त बिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिवान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से धिवक है

मौर जिस की सं० टी० एस० सं० 1359, 1360, 1361, है, जो ईरोड में स्थित है (घौर इससे उपाबद अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रियकारी के कार्यालय. ईरोड (डाक्समेंट सं० 1401/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रियिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रियोन ग्रियल-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिये अतरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (ध्रायरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीज़/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अजिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सुधीन सुनिस्नु चित्र व्यक्तियाँ सुधार् स्— (1) श्रीह दनलकशमी भीर प्रदरस ।

(घन्तरक)

(2) श्री शनशहुह विठिवेल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के भूजन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहि भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस् अध्याय में विया ग्या है!

श्रमुसूची

भूमि टी० एस० नं० 1359, 1360, 1361, ईरोड (डाकुमेंट सं० 1401/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रापंग रेंग-II, मन्नास

विनांक: 5 विसम्बर 1980

मोहर 🛭

प्रकप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-च (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मत्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11052—अतः मुझे, राधा बालकृष्णं, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपये से अधिक है और जिस की सं० 15, है, जो ब्रिटाचारी स्ट्रीट, ईरोड में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या लय, ईरोड (डाक्मेंट संक 1396/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीयक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदृश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के बुन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा का लिए; आहु/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तितयों, जुर्धात्ः-- (1) श्री सुद्रमनियम ।

(ग्रन्तरक)

(2) सदरन प्रिटिंग मिल्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण-15 ज़िंठाशारी स्ट्रीट ईरोड (डाक्मेंट सं० 1396/80)

> राघा बालकृष्मं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 8 दिसम्बर, 1980

प्ररूप आहर्. ट्री. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायां लिय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 15353 — अतः, मुझे, राधा बाल कृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 ∕- रुः. से अधिक हैं श्रौर जिसकी सं० 9 है जो बोग रोड, मद्रास-17 में स्थित है, और इससे छपाबद्ध में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 629/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 80 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह यिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ए'से रूपमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, पिम्नील्चित व्यक्तियों मुर्थास्:--

- (1) श्रीमती उन्नामतै ग्रम्भाल भीर भवरस । (ग्रन्तरक)
- (2) एठवेव अठवरटैंसिंग कम्पनी । (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) एस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण-9, बोग रोड, मद्रास-17। (डाक्मेंट सं० 629/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मुनन्नास

दिनांक 9 दिसम्बर 1980 मोह्र: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री मानिखम ।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कृट्टियाप घौंडर ।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11041—श्रतः, मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सं० 269 ए० 273/1, 287/1, है, जो रालामले में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बवानी (डाक्मेंट सं० 590/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि पथाणकर्नेक्त संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्दह हिनान सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--3—396GII80 को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वकारियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

भूमि — सं० सं० 269रा, 273/1, 287/1, रालामलै । (डाक्सेंट सं० 590/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 9 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🕶

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज II मद्रास

मद्रास दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 15289--ग्रतः मुझे राधा बालकृष्नं

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिस की सं० 18 हैं, जो सेनटाफ रोड मद्रास-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, मद्रास सात (डाक्सेंट सं० 746/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 80 को गूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान शतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके इदयमान प्रतिफल से ए'से इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृधिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थोतः---

(1) श्रीमती नुपूर राय

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुनकु विश्वनाथ गुप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

भूमि श्रौर निर्माण-18, सेनटाफ रोड, मद्रास-18 (डाक्मेंट सं० 746/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II मद्रास

दिनांक 9 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एनु. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11016—श्रतः मुझे, राधा बालकृष्मं बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस की सं० 483, 484, 485, 470, 481, 482, 473, 469, 449/2, 466, 467, 468, 471, 461, है, जो पेरियनायखन पालयम 447, 446, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाक्मेंट सं० 2477/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रध-नियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल 80 को पुर्वोधनत संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्रीजी० देवराज

(मन्तरक)

(2) श्री श्रार० रंगनाथन

(म्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बन्स्ची

भूमि--पेरियनायखनपालयम (डाकूमेंट सं० 2477/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11 मद्रास

दिनांक 9 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप गाई. टी. एन्. एस्.----

मायुकर मिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कार्यालय मद्रास

मद्रास दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11043—श्रतः, मुझे, व राधा बालकृष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सरवे मं० 534/3 है, जो टेलुगुंपालयम में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय कोयमबटूर (डाक्सेंट सं० 1414/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक श्रप्रैल 80

को प्रांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, भीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल्:-- (1) श्री एन० चन्द्रशेखरन और श्रदरस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० जनारदनां

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मे हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सरवे सं० 534/3, टेलुगंपालयम (डाक्मेंट सं० 1414/80)

राधा क्षालकृष्नं सक्षन प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 11 मद्रास

दिनांक 5 दिसम्बर 1980 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 8980—श्रतः, मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 24, है जो गांधी नगर कुमबकोनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कुमबकोनम (डाक्स्मेंट सं० 620/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रेष्ट्रैल 80

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खिल व्यक्तिस्यों अर्थात् :-- (1) श्री रा० सुन्दरराज

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मेहरूनिसा बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वा क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण-24, गांधी नगर कुमबकोनम (डाकूमेंट सं० 620/80)

राधा बालक्रुष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक 5 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

न्नायकर **प्रधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269**-घ**(1) के **प्रधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज , मब्रास

मद्रास दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11042—श्वतः, मुझे, राधा बालकृष्मं धायकर ध्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरवात् 'उक्त प्रशिवान' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रशिव नभ्रम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ध्रिषक है

स्रीर जिसकी सं० 2. 2. 85, 2,2.85 ए है, जो अन्नाजी राव स्ट्रीट, मेट्टपालयम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्य रूप से विणत हैं), रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबहूर (डाक्समेंट सं० 2055/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल 80 पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्दह् प्रतिक्षत स्थिमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्दह् प्रतिक्षत स्थिमान प्रतिफत के पन्दर् प्रतिकान स्थित हैं और अन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐस प्रन्तरम के तिए तम पाया गया रितिफन, निम्निचित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण संबुद्ध किसी आय की बाबत, उबत आध-निगम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उनसे बनने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उका प्रधिनियम या धनकर भधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में; मैं, उन्त भिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के पीधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों; अमीत् !-- (1) श्री सैयद मोहम्मद रावतर

(अन्सरक)

(2) अबदुल है

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्मत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की स्रविधि, जो भी स्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्यव्हीकरंगः --इसर्वे प्रयुक्त मध्यं घीर पदी हा, जी उन्त प्रधि-िता है अञ्चाद 20-ह में तरिभाषित हैं, वहीं अर्वे हागा, जी उस ग्रहवाद में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि ग्रीर निर्माण ---2.2.85, 2.2.85 ए, श्रन्नाजी राव स्ट्रीट मेट्टुपालयम (डाक्मेंट सं० 2055/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II,[मद्रास

दिनांक 5 दिसम्बर 1980 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 🔢, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० 9024—प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्म, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं शि 2 है, जो I कास स्ट्रीट तिल्लैनगर, द्रिजी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, द्रिजी (डाक्समेंट सं 1073/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम , 1908 (1908 का 16) के प्रधीन प्रप्रैल 80 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरक्षार्वे) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री महालिंगम

(अन्तरक)

(2) मीनाक्षी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण--सी० 2, I क्रास स्ट्रीट, तिल्लीनगर, द्रिची (डाक्मेंट सं० 1073/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांकः 28 नवम्बर 1980 मोहर: प्ररूप आई • टीं • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269न्य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ्रीमद्राम

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11053--यतः मुझे राधा बालकुष्न आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'खकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मृल्य 25,000/-रुपये से भविक है ग्रीर जिस की सं० 6 है, जो कृष्नमपालयम रोड़, ईरोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ईरोड (डाक्मेंट सं० 1497/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 80 को प्वानत सम्पत्ति के उचित बाजार मृध्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरंग लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगर्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्नजिल्हित व्यक्तियाँ, ग्रयाँत्:→→ (1) सरस्वती

(भ्रन्तरक)

(2) कशेलनठस्वामी ग्रौर जयकुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियी करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूत्रना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रवृक्त भव्दों और पदों का, जो अक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भुमि श्रीर निर्माण -6, कृष्नमपालयम रोड, ईरोड (डाक्मेंट सं \circ 1497/80)

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 5 दिसम्बर 1980

प्रकप भाई० टी• एन• एस•----

भायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11051—श्रतः मुझे, राधा बालकृष्म आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका खिचत बाजार मूल्य 25,000/-च• से अधिक है

श्रीर जिस की सं० 4/76 श्रीर 4/77 है, जो बरनपुरम, बनानी में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, बबानी (डाक्-मेंट सं० 550/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रीरंल 80

1908 (1908 का 19) के अधान दिनाक अप्रेश 80 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धिक है- भीर सम्तरक (सन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिन नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन याश्रन्य आस्तियों जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922- का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किय जाना चाहिए थां, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात :--- (1) श्रीमती एन० गीता श्रीर चेल्लम्माल

(मन्तरक)

(2) श्री एस० जगठगमबाल

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण—4/76 ग्रीर 4/77, वरनपुरम, बवानी (डाक्मेंट सं० 550/80)

राघा बालक्टन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 5 दिसम्बर 1980

प्ररूप थाई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 10833— ग्रतः मुझे, राधा बालकृष्नं भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 159, है, जो IV कास स्ट्रीट बेनकटा नगर, पाडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक्सेंट सं० 439/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिप्रिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अर्प्रेल 80 को पूर्वों कत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांतकल; निम्निविष बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मिवधा के लिए;

(1) श्री एम० जयराज

(श्रन्तरक)

(2) श्री सीतारामन

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन क अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—159, $\mathbf{I}^{\mathbf{V}}$ कास स्ट्रीट, बनकटानगर वे पांडिचरी ।

(डाक्मेंट सं० 439/80)

राधा बालकृष्न सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II मन्नास

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निवेण सं० 11027—अतः मुझे राघा बावकृष्णं भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से पश्चिक है

भौर जिसकी सं० 183, 184 है, जो गांधीपुरम VII स्ट्रीट कोयमबट्र में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयमबट्र (डाक्सेंट सं० 1546/80) में भारतीय रजिस्ट्रीक्चण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के भ्रष्ठीन अप्रैल 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि तिनित्तयों उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त धर्धि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्त्र में कंमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी झन या ग्रन्थ झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म. उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—— (1) श्री राम नाथन चट्टियार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गंगाधरन

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चनाजारी करके पुर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो सकत भ्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी भौर निर्माण—183, 184, गांधीपुरम VII स्ट्रीट, कोयमबदूर (डाक्मेंट सं० 1546/80)

> राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज मद्रास

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्रें धारा 269-घ (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांकः 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11022— ग्रतः मुझ, राघा बालकृष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 28/39, है, जो राजा स्ट्रीट कोयमबदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयमबदूर (उ क्ष्मेंट सं० 2028/80) अनुसूची में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रग्नेल 80

को पूर्वो विस्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः-- (1) श्रीमती रामरखिनम ग्रम्माल ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री कृष्णा स्वीटस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^{र्ड}, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^{र्ड}।

असुद्धी

भूमी धौर निर्माण — 28/39 राजा स्ट्रीट, कोयमबटूर, (डाकूमेंट सं० 2028/80)।

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II मद्रास

दिनांक : 5 दिसम्बर 1980 ।

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.------

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जद रेंज-II, महास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11059—श्रतः मुझे, राधा बालकृष्तं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं। श्रीर जिस की सं० 102, वन्नांलुरै रोड़ है, जो जो पोल्लाची में स्थित है (श्रीर इससे पाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची (डाक्मेंट सं० 1239/80) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण ग्राध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन भ्रप्रैल 80 का पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उमित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --

(1) श्री सुन्नामनियम भौर श्रदरस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवन्द्रन श्रीर श्रदरस ।

(अ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितस्व्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण—-102, वन्नांसुरै रोड़ पोल्लाध्वी (डाक्मेंट सं० 1239/80)।

राधा धालकृष्नं, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 9021---म्रतः मुझे, राधा बालकृष्नं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕- रत. से अधिक **ह**ै श्रौर जिस की सं० सरवे सं० 46/1 है, जो उप्पिलिपालयम पीलमुडु, कोयमबट्टर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सितगल्लूर (डाकूमेंट सं० 766/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन अप्रैल 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫—

(1) डाक्टर ईपन

(अन्तरका)

(2) श्री जी० दामोवरन

(भृन्तुरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत् सम्पृत्ति के अर्जन के हिस्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

भूमि भौर निर्माण—सरवे सं० 46/1, उप्पिलिपालयम पीलमेडु । (डाक्मेंट सं० 766/80)

राधा बालकृष्नं, सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)ं यर्जन रेंज-, मद्रास

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-वा(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-II, मद्राम
मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11050---अतः मुझे, राधा बालकृष्नं, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं , अरु के संव संग करने के के से के हैं,

श्रीर जिस की सं० सरवे सं० 37ए, 37वी, 38, 304 हैं, जो केसरिमंगलम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बवानी (डाक्मेंट सं० 566/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रेल 80 को पूर्वाक्स संपित्त के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त मंपन्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान पितफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षम निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/यः
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मं. उक्तः अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नीलिखित व्यक्तियों अधितः— (1) श्री कनदस्वामी द्योंडर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रनबरस् ग्रीर श्रदरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्ट्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमी 37 ए, 37 बी, 38 फ्रौर 304 केमरिमंगलम । (डाक्मेंट सं० 566/80) ।

> राधा बालकृष्तं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

दिनांक: 9 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्राम, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11058—स्त्रतः, मुझे राधा बालकृष्नं, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26, है जो मीन केरै रोड़पोल्लाची में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची (डाक्सेंट सं० 1067/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रुप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की माबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री करुष्पुस्वामी चेट्टीयार

(श्रन्तरक)

(2) श्री सरदार हुमैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अभृत्यी

भृमि श्रौर निर्माण — 26, मीन करें रोड, पोल्लाची (डाकूमेंट सं० 1067/80)।

रा**धा बाल** कृष्नं सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 9 दिसम्बर 1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्राम, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11062--- प्रतः, मुझे, राधा बालकृष्नं

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 14/2ए, है, जो सनगनूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाक्मेंट सं० 1195/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रिप्रैंल 80

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित न्यकित्यों, अधीत् ---

(1) श्री रामस्वामी अय्यर ।

(अन्तरक)

(2) दनठपानी मुसीला देवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्थिकत ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूधी

भूमि श्रौर निर्माण---14/2ए, सनगनूर (डाकूमेंट सं० 1195/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 9 दिसम्बर 1980

मोहर 🗓

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II मद्रास मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11060—- प्रतः मुझे, राधा बालकुष्नं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

र्श्वार जिसकी सं० सरवे सं० 1/1448/2, 1/1449/2बी हैं, जो रेस कोरस रोड़ कोयमबदूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबदूर (डाक्स्मेंट सं० 2068/80) में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन अप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (बन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिच के लिए तच पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिंग निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक कृप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुभरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धनरा 269-म की उपधारा (१) के अधीन निम्निलिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) रुक्मनी कालिनगरायर

(अन्तरक)

(2) एम० कुष्णवेनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता \mathbf{g}_{i}^{+} ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विम की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः -- इक्कमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उनत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि और निर्माण — सस्वे सं० 1/1448/2 और 1/1449/2बी रेस कीरस रोड़ कोयमबट्टर । (डाक्सेंट सं० 2068/80)

राधा बालकृष्तं

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मदास

विसास: 8 दिसम्बर 1980

मोहर 🏅

1

प्रकप बाई श्री श्र्म श्री ---

थायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण)

ब्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11060—अतः मुझे राधा बालकृष्तं आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ठ० से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं० सखे नं० सं० 1/1448/2 श्रौर 1/1449/2 श्रौर जो रेस कोरस रोड, कोयमबदूर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोयमबदूर (डाक्स्मेंट सं० 2069/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रुप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छह्म्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धन, उन्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) रुकमनी कालिगंरायर

(ग्रन्तरक)

(2) सदासिवम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

धनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आयोप !--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की शबक्षिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबक्षि, जो भी शबक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा मकेंगे।

स्थव्हीकरण: -- इंग्रमें प्रयुक्त शक्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रीवित्यम के श्रव्याय 20 क में परिचाधित हैं, वहीं भर्म होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रमुस्षी

भूमि भ्रीर निर्माण—सरवे सं० 1/1448/2 श्रीर 1449/2 बी रेस कोरस रोड़, कोयमबटूर । (डाक्मेंट सं० 2069/80)

राधा बालकृष्नं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज II, मद्रास

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यावय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेण सं० 11044—अतः मुझे राधा बालकृष्न बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- च से अधिक है

स्रीर जिस की सं० सरवे सं० 239, 242 हैं, जो चेट्टिपोलयम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्क में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, तिरुचूर (डाक्सेंट सं० 58/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 1908 का 16 के स्रधीन स्रप्रैल 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर भ्रम्तरक (अन्तरफों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अक्षिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिश्व में कमी करने या इससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन या अण्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की श्वारा 269-ग के अभुक्षरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपश्चारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मावः--

(1) श्री सुठवैयन ।

(ग्रन्तरक)

(2) जगा इन्डस्ट्रीज।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीमर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजस्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीतरण--इसर्में प्रयुक्त शब्दों और परोंका, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमी सर्वे सं० 239, 242/2, चेष्ट्रिपालयम (डाक्सेंट सं० 58/80)

> राधा बालकृष्नं, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 8 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11013—अतः मुझे राधा बालकृष्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस की सं० सरवे सं० 562 है, जो टेलुनगुपालयम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर (डाक्सेंट मं० 1670/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक श्रप्रैल 80 का पूर्वोवन सपितन के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री जेम्स म्रलापट ।

(भन्तरक)

(2) हमसा ।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण—सरवे सं० 12/108/1, टेलुगुपालयम (डाक्मेंट सं० 1670/80)

राधा बालकृष्नं, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II मद्रास

दिनांक: 8 दिसम्बर 1980

मोहर :

प्रका आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर **प्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजन रेंज ॥ मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

निदेश सं० 11055—-श्रतः मुझे राधा बालकृष्न, स्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् 'जेक्ट श्रिधिनियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अर्धीन सबाम श्रीधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विसका उचित वा बार मृन्य 25,000/-रु से श्रीधक है

भ्रौर जिस की सं० 287, 288, है, जो भ्रम्महार स्ट्रीट ईरोड में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबक में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ईरोड (डाक्सेट सं० 1615/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, श्रप्रैल 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के चित्र वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का छित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह । तिश्रत से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकी) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से इन्त मन्तरक लिखित में बार्श्विक कर के किया नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अविक नियम के प्रधीन कर बेने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; खोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किमी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीर भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के चिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) ए० कृष्णकुमारी।

(भ्रन्तरक)

(2) सोमसुन्दरम टैक्सटाइल्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कौई भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की लारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वव्दीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पवों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण—287, 288 श्रग्नहार स्ट्रीट ईरोड (डाकूमेंट सं० 1615/80)

> राधा बालकृष्तं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 5 दिसम्बर 1980

मोहर:

प्ररूप आर्ष टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रभीत मुचना

भारत सरकार

कामालिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 दिसम्बर 1980

निर्देश सं० सी० ए० ्एस०/एम०ग्रार० करवरि/श्रप्रैल 80/ 495/80-81--यतः, मुझे, ए० सी० चंद्रा, आयकर श्रीविवियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रह्मिनगर' महा गया है), की बारा 269-व के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका इचिन बाजार मूल्य 25,000/- व्यये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० सि० एस० नं० 1037/1-2ई बार्ड है तथा जो सा० करवरि, जिला कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुप्यम निबंधक, करवरि में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 12-4-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रसिद्धन क लिए धन्तरित की नर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का करका है कि यवापूर्वीक्ट सम्पत्ति का उचित्र बाबार बुरव, उसके दुरवमान प्रतिक्रम से, ऐसे दुरवमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से पश्चिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और चन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरम के निए तय पाया नया प्रति-फन निम्नसिबित उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में बास्ति ज रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; भौर/पा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किमी घन या अन्य भास्तियों की, जिम्हें भारतीय क्षायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संस्कृतिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया जामा चाहिए का, खियाने में सुविधा के मिए;

अतः, अब, उन्ह अधिनियम की घारा 269-प के अनुसरन में, में, एका अधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निम्मिकिश्वित क्यिनियों. सर्जातः

- 1. (1) श्री कन्हैया विनायक टेगरो
 - (2) श्रीमती कमल शंकर टेंगरो स० राजारामपुरी, 5वीं गल्ली, कोल्हापुर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री दिलीप जवान मल गांधी
 - (2) श्री सुभाष जवान मल गांधी
 - (3) श्री राजेन्द्र जवान माल गांधी
 - (4) श्री ग्रमर जवान मल गांधी
 204, रूपम, न्यू णाहुपुरी, कोल्हापुर।

(भन्तरिती)

हो यह पुत्रना बारी करके पुत्रीयन समाति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करना है।

उक्त सफ़्यति के सर्जन के अम्बन्ध में कोई माँ पाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाणन की नारीख में 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्र किसी। प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखिता में किए जा मकेंगे।

श्वच्योक्कश्व .--इसमें प्रयुक्त गन्दों ग्रीर पदी हा, जा उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रये होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है ।

भनुसूची

बिल्डिंग जो सि० स० नं० 1037/1-2 ई वार्ड, कोल्हापुर जिला परिषद एरिया में स्थित है जिसका क्षेत्र 1295.8 स्मवायर मी० है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1080 जो 12-4-80 को दुष्यम निज्ञन्धक करविट के दफ्तर में लिखा है।

> ए० सी० चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 9-12-1980

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 25th Nov., 1980

No. A.35014/1/80-Admn.II.—In supersession of this office notification of even No. dated the 21st October 1980 the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. K. Mishra, a permanent Section Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Senior Analyst for the period from 15-10-1980 to 14-1-1981, or until legular arrangements are made, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri S. K. Mishra will be on deputation to an ex-cadre post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O. M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated 4-5-1961, as amended from time to time

The 26th November 1980

No. A,32014/2/80-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints the following Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Controller (DP) in the Commission's office for the period from 1-12-1980 to 28-2-1981, or until further orders, whichever is earlier.

- 1. Shri J. L. Kapur.
- 2. Miss Santosh Handa.

P. S. RANA
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. (CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 9th December 1980

No. A-19021/5/76-AD.V.—The services of Shri R. Vishwanathan, IPS (1966-KNT), Superintendent of Police, CBI Special Establishment Bangalore are placed back at the disposal of the Government of Karnataka, on repatriation with effect from 5-11-1980 (afternoon).

The 10th December 1980

No. S-13/70/AD.V.—On attaining the age of superannuation Shri S. Narasimhan, Deputy Superintendent of Police. CBI relinquished charge of the office of Deputy Superintendent of Police with effect from the afternoon of 30-11-1980.

No. A-19036/20/80/AD. V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri G. Bhaskaran Thampi, deputationist Inspector to officiate as Deputy Superintendent of Police with effect from 1-12-1980 (FN) until further orders

The 11th December 1980

No. O-12/68-AD.V.—Consequent upon his confirmation as Director, Forensic Science Laboratory Haryana Madhuban (Karnal) with effect from 18-8-1978 vide Government of Haryana Home Department Order No. 34/123/79/6/H-II-80 dated 11-11-1980 the lien of Shri O. P., Chugh in the post of Assistant Director (Ballastics) C.F.S.I. is hereby terminated with effect from the said date.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110022, the 9th December 1980

No. O.IJ-1477/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Yogendra Mittal, GDO Gd. II of Base Hospital I, CRPF,

New Delhi w.e.f. the afternoon of 22-11-1980 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

A. K. SURI Assistant Director (Adm.) for Deputy Director (Est.)

New Delhi-110022, the 8th December 1980

No. P. VII--/6/80-Estt.—Shri B. D. Sareen, Section Officer is promoted to the grade of Joint Assistant Director (Accounts) on regular basis in the Dte. Genl. CRPF w.e.f. 1-12-80 (AN).

No. O.II-1478/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. M. Kishan Rao, GDO Gd. II of Base Hospital II, CRPF, Hyderabad w.e.f. the afternoon of 19-9-80 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

A. K. SURI Assistant Director (Λdm.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL, CENTRAL, INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 2nd November 1980

No. E-16013(2)/1/80-PERS.—On transfer on deputation Shri M. K. Raju, IPS (UP: 65) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, FACT, Udyogamandal w.e.f. the forenoon of 6th September, 1980 vice Shri R. B. Sreekumar who on transfer to Thumba relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

The 12th December 1980

No. E-16013(1)/1/80-PERS.—On transfer on deputation Shri D. P. S. Chauhan, IPS (Orissa: 63) assumed the charge of the post of Deputy Inspector General & COS, CISF Unit, BCC1, Jharia w.e.f. the forenoon of 24th November, 1980.

Sd/- ILLEGIBLE Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 10th December 1980

No. 10/29/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 15-9-1979, the President is pleased to appoint Shri K. K. Chakravorty, Assistant Registrar General (Census and Tabulation) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Census and Tabulation) in the same office, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period of one year with effect from the forenoon of 12th September, 1980 to the 11th September, 1981 or till the post is filled on regular hasis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chakravorty will be at New Delhi.

The 15th December 1980

No. 11/96/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Kum. J. Rajathi, Senior Technical Assistant (Language), in the Language Division of the office of the Registrar General, India, Calcutta as Research Officer (Language) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 in the same office. in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 1st November, 1980, until further orders.

- 2. The headquarters of Kum J. Rajathi will be at Calcutta.
- No. 11/31/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri P. V. Ramana Murthy, an officer belonging to the Andhra Pradesh Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 25th November, 1980, or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.
 - 2. The headquarters of Shri Murthy will be at Kurnool.

P. PADMANABHA Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II. WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, the 29th November 1980

No. LA/Admn./85.—Consequent upon the retirement on superannuation of Shri A. S. Banerjee, Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal w.c.f. 30-11-80 (A.N.), the Accountant General-II, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Shri Mrinal Kanti, Biswas (S/G), an officiating Section Officer to officiate as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal, in purely temporary capacity w.e.f. the afternoon of 30th November, 1980 or the date on which he actually takes over charge as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal, whichever is later, and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(N) of 1979.

The above ad-hoc promotion is also subject to final orders of the Supreme Court of India in the Civil Appeal No. 1584 to 1588(N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105(N), of 1979.

B. N. DUTTA CHOWDHURY Fxaminer of Local Accounts West Bengal

Calcutta-700001, the 4th December 1980

No. Admn.I/1038-XVII/3148.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional basis Sri Saradindu Mukherjee, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 4-12-1980 or the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office, whichever is later and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of Court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818(W) of 1979.

SUDHA RAJAGOPALAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

Calcutta-700001, the 9th December 1980

No. Adm.I/1038-XVII/237.—The Accountant General-I. West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from 1-12-1980 (F.N.) or the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office office of the A.G.-H. West Bengal until further orders.

S/Shri

- 1. Sudbir Kr. Chattopadhyay-w.c.f. 1-12-1980 (FN).
- 2. Ashis Kr. Mitra I--w.e f. 1-12-1980 (FN).
- 3. Nalinakshya Roy--w.c.f. 1-12-1980 (FN).
- 4. Sudhir Rn. Roy-w.e.f. 1-12-1980 (FN).
- 5. Krishna Das Bancrjee- w.e.f. 1-12-1980 (FN), 16--396GI/80

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818 (W) of 1979.

No. Admn.I/1038-XVII/3042.—The Accountant General-I, West Bengal has been pleased to appoint on ad-hoc and provisional basis Sri Satyendra Kumar Maji, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 26-11-80 or the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this office, whichever is later and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of court case filed against the Union of India and others under C.R. case No. 14818(W) of 1979.

Posting

Shri Satyendra kumar Maji, on his promotion as A.O. is posted to Pension group vice Shri Paritosh Kr. Mukherjee, A.O. who is withdrawn from Pension group and posted to Accounts group for the work relating to Inspection of Treasuries.

K. RAM MOHAN Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 13th November 1980

No. ES.I/A4/80-81/846.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent S.Os to officiate as A.Os in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors if any with effect from the date of their taking charge:

S/Shri

- 1. S. P. Vasudevan.
- 2. S. Lakshminarayana Rao.
- 3. N. R. Gopinath.

The promotions are subject to the ultimate results of Wrlt Petition No. 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

Sd. ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE

CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 10th December 1980

No. 18384/AN-I.—On attaining the age of 58 years Shrif K. Raja Gopalan, IDAS will be transferred to the Pension Establishment with effect from 31-5-1981 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-5-1981 (AN).

New Delhi, the 10th December 1980

No. 23011 (1)/66/AN-I—The following officers have been confirmed in the Junior Time Scale of Group 'A' of the Indian Defence Accounts Service with effect from the date noted against each;—

SI Name No.					Date of confirma- tion
S/Shri					
1. S. K. Iyer .					12-12-79
2, P.B. Bhattacharjee					03-01-80
3. Gourjiban Mitra					12-12-79
4. Sham Lal Kapcor					12-12-79
5. Charanjit Lal Mago					12-12-79
6. Raj Krishan Bahl				,	23-12-79
7. Madan Mehan Lal					21-10-80
8. K. C. Unniraman					12-12-79
9, E.R. Balasubramanya	ım				02-01-80
10, V.P. Gupta .					20-12-79
1. B.G. Krishnamurthy					12-12-79
2. Bhagat Ram Biala					12-12-79
3. R.B. Balasundaram					12-12-79
14. R. Subramanian				-	10-01-80
15. G.S. Verma .					10-01-80
6. M. Haribara Subram	anjar	١,			27-05-80

C. V. NAGENDRA
Addl. Centreller General of Defence
Accounts (AM)

Calcutta, the 8th December 1980

No. 26/80/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Smt. Chhabi Sen, Assistant Staff Officer (Ad-hoc), as Offg. Assistant Staff Officer, in an existing vacancy, from 27-10-80 until further ordes.

Smt. Sen will be on probation for two years from the date of her promotion.

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/ADMIN. for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-16, the 6th December 1980

No. 75/80/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri R. N. Upadhya, Offg. DADGOF (Subst. & Permt. S.A.) retired from service with effect from 31st October, 1980 (AN).

V. K. MEHTA, Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONFR FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 1st December 1980

No. A-12025(i)/5/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 10th July. 1980 and until further orders Shri Pinjala Papa Rao, as Assistant Director Grade-I (Weaving) in the Weavers Service Centre, Hyderabad.

Joint Development Commissioner for Handlooms

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 10th December 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7), dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, add the following namely:

- (i) "DYNEX—1 for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-1981" before the entry "ENERGEL";
- (ii) "PREMIER DYNAMIT for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-1981" after the entry "POWERPLAST"; and
- (iii) "SAI.VAGEPAK for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-1981" after the entry "SAFBLAST".

CHARANJIT LAL, Chief Controller of Explosives

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 8th December 1980

No. FL-5673/881-Officers.—Dr. (Mrs.) Sunecta Nandwani, M.B.B.S. is appointed as Lady Medical Officer in G.C.S. Group 'B' Service in Geodetic & Research Branch Dispensary, Survey of India, Dehra Dun on purely temporary basis on a monthly wages of Rs. 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 6-11-1980 (F/N) for a period not exceeding 90 days in the first instance against the existing vacancy caused by the transfer of Dr. (Mrs.) I. Radhamony to Hyderabad vide Ministry of Health and Family Welfare letter No. A.11011/10/80-CHS.I(II), dated 23-9-1980.

K. L. KHOSLA Major-General Surveyor General of India

DIRFCTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 10th December 1980

No. 4(23)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. C. Sonker as Programme Executive, All India Radio, Lucknow in a temporary capacity with effect from 30-10-1980 and until further orders.

H. C. JAYAI.
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 10th December 1980

No A.12026/15/80-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri N B Tewari, an ad-hoc Senior Accountant to officiate as Accounts Officer in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 4th December, 1980 until further orders.

J. R. LIKHI

for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 10th December 1980

No. A-12025/18/78-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. L. Kohli to the post of Dental Surgeon at C.G.H.S., Patna with effect from the forenoon of 3rd November, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Dental Surgeon at C.G.H.S., Patna, Dr. Kohali relinquished *ad-hoc* charge of the post of Dental Surgeon at C.G.H.S., Delhi on the afternoon of 23rd October, 1980.

No. A.12026/24/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Budh Singh to the post of Accounts Officer at Lady Hardinge Medical College & Smt. Sucheta Kripalani Hospital, New Delhi with effect from the forenoon of 3rd November, 1980 in a temporary capacity and until further orders.

CORRIGENDUM

No. 17-17/74-Admn.-I (Part II).—In this Directorate's notification No. 17-17/74-Admn. I (Part II) dated 24-4-80.—

for "forenoon"

Read "Afternoon"

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Admn. (O&M)

MINISTRY OF RURAL CONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 9th December 1980

No. A.19024/1/78-A.III.—Consequent on his selection to the post of Dy. Agricultural Marketing Adviser (Oils & Fats) in this Directorate at Faridabad, Shrj R. J. Verma handed over charge of the post of Jr. Scientific Officer in the Central Agmark Laboratory of this Directorate at Nagpur in the afternoon of 31-10-80 (AN).

CORRIGENDUM

No. A.19025/62/80-A-III.—The date of appointment of Shri M. Ratnakar to the post of Asstt. Marketing Officer (Group III) shown in this Directorate's Notification of even number dated 17-11-80, as 2-10-80 (FN) may be read as 22-10-80 (FN).

The 10th December 1980

No. A-19026/1/80-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri R. P. Sharma, Superintendent (Ministerial), is appointed to officiate as Administrative Officer, Market Planning & Design Centre, Nagpur, with effect from 15-11-80 (Afternoon), until further orders.

2. Consequent on appointment of Shri Sharma to the post of Administrative Officer, M.P.D.C., Nagpur on regular basis, Shri I. N. Chahande is reverted from the post of Administrative Officer, held by him on deputation basis, to the post of Section Officer (C.S.S.) at the Branch Head Office of this Directorate at Nagpur with effect from 15-11-80 (afternoon).

The 11th December 1980

No. A.19025/59/80-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) S/Shri R. M. Ujjankar and A. K. Sabui, have been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Gr. II)/(Group III) respec-

tively in this Directorate at Nagpur and Patna respectively with effect from 6-10-80 (FN) until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONAL DIVISION)

Bombay-400 085, the 28th November 1980

No. PA/79(11)/79-R-IV.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Laxman Balajee Gawde, Assistant, BARC, to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-960) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the afternoon of November 1, 1980, until further orders.

The 5th December 1980

No. PA/73(8)/79-R-IV.—The competent authority, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Shekhar Sakharam Galinde as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of December 1, 1980 until further orders.

A. S. DIKSHIT Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 6th December 1980

No. PPED/3 (236)/80-Adm. 15454—Director, Power Projects Engineering Division, Bembay is pleased to appoint the undermontioned personnel of this Division as Scientific Cff cer/Engineer Grade 'SB' in the same Division in a temperary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1980 until further orders:—

SI No.	Name	,-	 Present Grade
1. Shri	K.K. Devarajan .		Scientific Assista nt 'C' (Quasi-per- mament)
2. Shri	V.R. Nagarajan		Do.
3. Shri	M. Murali Mohan		Do.
4. Shri	S. Nagarajan .		Do.
5. Shri	N. Padmanabhan		Do.
6, Smt.	K. N. V. Satyawani		Do.
7. Shri	B, R. Puri .		Do.

B, V. THATTE Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th December 1980

No. DPS/23/4/79-Est./20529.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. H. Sawant temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from October 9, 1980 (FN) to November 5, 1980 (AN) vice Shri R. J. Dhond, Assistant Purchase Officer granted leave.

No. DPS/23/4/79-Est./20534.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri S. N. Deshmukh temporary Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the same Directorate with effect from September 29, 1980 (FN) to November 5, 1980 (AN) vice Shri S. G. Kadulkar, Assistant Purchase Officer appointed Purchase Officer.

R. P. DE SOUZA Assistant Personnel Officer

Madras-600 006, the 13th November 1980

No. MRPU/200/(144)/80/Admn.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri N. S. Pillai, a permanent Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the Madras Regional Purchase Unit of the same Directorate with effect from August 27, 1980 (FN) to September 27, 1980 (AN).

The 14th November 1980

No. MRPU/200(18)/80-Adm.—The Director, Directorate of Purchase & Stores appoints Shri B. Dhandapani, a permanent Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis in the Madras Atomic Power Project Stores of the same Directorate with effect from May 21, 1980 FN to September 16, 1980 AN.

T. S. V. AIYAR, Administrative Officer II

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 11th December 1980

No. HWPs/R-1/OP/7023.—Officer-on-Special Duty. Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundyil Thomas. 'Thomas, a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on ad-hoc basis, from October 6, 1980 (FN) to November 5, 1980 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

R. C. KOTIANKAR, Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 1st December 1980

No. 10/3(45)/79-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shrl M. V. Rajagopal to officiate as Engineer-SB in the Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore with effect from the forenoon of August 20, 1979 and until further orders.

H. S. RAMA DAS. Administrative Officer-1

Office of the Director General of Civil Aviation

New Dolhi, the 2nd December 1980

No A. 32013/5/80-E-I—The President has been pleased to appoint the following Dy. Director/Controller of Aeronautical Inspection, to the post of Director of Aeronautical Inspection, on ad-hoc bisis, or a period of six months from the date mentioned against their names or till the posts are filled on regular bisis, whichever is earlier.

SI Name No.	Date of appointment as Director	Station of posting
1. Shri S.P. Marya	. 15-11-80	Office of the Regional Director, Delhi Region, Safdar- jung Airport, New Delhi
2. Saci S. N. Sharma	. 20-11-80	Office of the Re- gional Director Calcutta Region Calcutta Airport Dum Dum,
	Dy	S. GUPTA Director of Admn

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 11th December 1980

F. No. 29/61/79-Estt.—On the expiry of the period of notice of termination from service, Shri Shyamal Kumar Chatterjee, is deemed to have relinquished charge of the post of Inspector of Central Excise, Baroda Collectorate.

N. M. DESAI, Assistant Collector of Central Excise, Hdgrs., Baroda

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Dolhi, the 20th November 1980

No. 33/3/79-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Suresh G. Harkare, a nominec of the U.P.S.C. against the temporary post of Dy. Architect (C.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 27-10-1980 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Suresh G. Harkare is placed on probation for a period of two years with effect from 27-10-1980 (FN).

K. A. ANANTHANARAYANAN, Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act. 1956, and of M/s. Shri Narmada Chemicals and Fertilizers Private Limited.

Gwalior, the 6th December 1980

No. 1328/R/5317.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Shri Narmada Chemicals and Fertilizers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Brijsons Employment and Commercial Services Private Limited.

Gwalior, the 6th December 1980

No. 1344/R/5320.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of publication hereof, the name of M/s. Brijsons Employment and Commercial Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior

In the matter of Companies Act, 1956, and of Sri Ganganagar Beopar Mandal Private Limited.

Jaipur, the 8th December 1980

No. STAT/1140/11021.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sri Ganganagar Beopar Mandal Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Pvt. Ltd.

Jaipur, the 9th December 1980

No. STAT/137O.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hercof the name of the Banshika Engineering & Chemical Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Sital Financier Private Limited.

Jaipur, the 9th December 1980

No. STAT/1643/11053.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sital Financier Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Nam Metals and Chemicals Private Limited.

Jaipur, the 9th December 1980

No. STAT/1376.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name

of the M/s. Nam Metals and Chemicals Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Mahendra Savings and General Finance Private Ltd.

Jaipur, the 9th December 1980

No. STAT/1599/11061.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mahendra Savings & General Finance Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Alankar Savings and General Finance Private Limited.

Jaipur, the 9th December 1980

No. STAT/1497/11057.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA, Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Ambica Film Exchanges Private Limited.

Ahmedabad, the 9th December 1980

No. 303/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Ambica Film Exchanges Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Canc Juice Private Limited.

Ahmedabad, the 9th December 1980

No. 1961/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date of hereof the name of the M/s. Cane Juice Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE Registrar of Companies. Gujarat

(1) Shri Radha Bindo Dass

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Kalpana Pal, 2. Anjali Datta

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 21st November 1980

Ref. No. A-249/80-81/Sil/595-604,--Whereas, I, E. J. MAWLONG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 7590, 2nd R.S. Patta No. 994 of Pargana situated at Barakpar, Mouza Silchar town of Dt. Cachar, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 11-4-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 Katta 12 Chataks (more or less) with houses thereon situated at Central Road, Silchar, in the district of Cachar.

> E. J. MAWLONG Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 21-11-80

Scal:

ing persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/1281.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property situated at Pathankot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Pathankot on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Lajwanti w/o Shri Chuni Lal r/o Indruni bazar, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Om Parkash r/o Sujanpur now at Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property at Pathankot as mentioned in the sale deed No. 334 dated 22-4-80 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 19-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th December 1980

Ref. No. ASR/80-81/782.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property situated at Pathankot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Pathankot on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Surinder Kumar s/o Shri Hari Chand Mahajan, r/o Pathankot.

(Transferor)

(2) Smt. Swaran Runi W/o Shri Hira Lal r/o Gandhi Nagar, Pathankot

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any [Person in occupation of the property]
- (4) Any other

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. B-XXX/203 situated in Gandhi Nagar Pathankot as mentioned in the sale deed No. 138 dated 8-4-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH
Competent Authority
Inspecting asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.
3. Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 19-12-80

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

JAIPUR,

Jaipur, the 20th November 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 52 situated at Udaipui

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Udaipur on 19-4-980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13-396 GI/80

- (1) Shri Manohar Lal S/o Mohan Lal Ji Dalal Niwasi Bombay.

 (Transferor)
- (2) Shri Jahid Ali S/o Shri Saffudin Ji, Bohara, Kurawad wala Niwasi Nazam Marg, Udaipur (Bhorapadi). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Ashwani Marg, Udairpur morefully described in the sale deed registered by S. Udaipur vide his registration No. 1436 dated 19-4-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-11-1980.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 20th November 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 33/266 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Karu Lal S/o Shri Kesari Chand Bagrecha, Surana-ki-Seri, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Shankar Lal S/o Gebi Lal, president Shawetambar Dasha Prowal Samaj, Kendriya Kuryalaya Murged.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meuning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33/266, ward No. 30 with shops, at Khempura alias Shastri Nugar, Udaipur & morefully described in the sale deed registered by S. R. Udaipur vide his registration No. 1478 dated 19-4-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-11-1980.

(1) Shri Ran Bahadur Singh S/o Zahan Singh Chauhan, Niwasi 236 Civil Lines, Etawa (U.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

JAIPUR.

Jaipur, the 17th November 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 174 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Udaipur on 11-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of

the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ganesh Lal S/o Mohan Lal Niwasi, Plot No. 174, Bhupalpura, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 174 with House Property situated at Bhupalpura, Udaipur & more fully described in the Sale deed registered by S. R., Udaipur vide his registration No. 1300 dated 11-4-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 17-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAJPUR.

Jaipur, the 17th November 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 174 situated at Udaipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Udaipur on 11-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ran Bahadur Singh S/o Sh. Zahar Singh Niwasi 236 Civil Lines, Etawa (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Heere Lal S/o Narain Lal Pandya, Niwasi 174, Bhupalpur, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 174 Bhupalpura, Udaipur & morefully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide his registration No. 1369 dated 11-4-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 17-11-1980.

(1) Shri Ran Bahadur Singh S/o Zahar Singh Chauhan Niwasi 236, Civil Lines, Etawa (U.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganesh Lal S/o Mohan Lal Munot Niwasi Badi Saddari Distt. Chittorgarh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 17th November 1980

Ref. No. —Whereas I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 174 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 11-4-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 174, Bhupalpura, Udaipur & morefully described in the Sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1339 dated 11-4-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th November 1980

Ref. No.—Whereas, 1 M. 1. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 174 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udaipur on 11-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) Shri Ran Bahadur Singh S/o Sh. Zahar Singh Niwasi 236 Civil Lines, Etawa (U.P.).

(Transferor)

(2) Shri Sril Shamsher Jang Bahadur S/o Shr Kan Singh Mehta Niwasi 176, Bhunalpura, Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plont No. 174 Bhupalpura, Udaipur & morefully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1299 dated 11-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th November 1980

Ref. No.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Plot No. 1 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shrimati Savitti Devi Maskara W'o Sitaram Ii Niwasi Plot No. 18, Gopinath Garden, M.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mahavir Prashad, Kailash Chand & Prem Kumar Mehta S/o Sh, Bejnath Ji Mehta, Choura Rasta, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 Janta Colony near Tulsi Das Ki Bagichi, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 691 dated 2-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mustafa Hussain Bohara Bari, Udaipur.

Rathore, Niwasi Pal (Gujarat).

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th November 1980

Ref. No.-Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Udaipur on 26--1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Shrimati Rattan Kanwar Bai Wd/o Shri Himat Singh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Shop situated at Ashwani Marg, Udaipur & more fully described in the Sale deed registered by S.R. Udaipur.

> M. L. CHAUHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jalpur, the 17th November 1980

Ref. No.—Whereas, I M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
18—396GI|80

 Shrimati Sayitri Devi Maskara W/o Sitaram Ji Maskara Niwasi Plot No. 18, Gopinath Bagh, N.I. Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Ratan Bhardwaj S/o Sardari Lal Bhardwaj Niwasi Janta Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2 Janta Colony near Tulsi Das Ki Bagichi, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 692 dated 2-4-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 17-11-80

Scal;

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. CHD/40/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-1/2 share of Residential plot No. 454, Sector 35-C, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Wg. Cdr. S.C. Makker
 S/o Shri Jamna Dass Makker
 R/o 60 Greater Kailash, New Delhi
 Through Shri Paramjit Singh s/o Gurmukh Singh
 R/o 2437, Sector 19-C, Chandigarh.

 (Transferor)
- (2) Smt. Rajinder Kaur w/o Shri Joginder Singh R/o H. No. 143 Bulstroke AR. Hounslow, England through Shri Gurdial Singh R/o 237, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 454 in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 179 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 18th Nov. 1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. CHD/37/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1 share Plot No. 454 in Sector-C. situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1980 value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds

the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration (and more fully described in the Schedule annexed hereto), truly stated in the said instrument of transfer with the object

of :-

and/or

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Wg. Cdr. S. C. Makker S/o Shri Jamna Dass Makker R/o 60 Greater Kailash, New Delhi through Shri Paramjit Singh s/o Shri Gurmukh Singh R/o 2437 Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o Shri Gurmukh Singh R/o H. No. 143, Bulstroke Λr. Hounslow, England Through Shri Gurdial Singh s/o Shri Wasdev Singh R/o 2437, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

share of Plot No. 490, Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 176 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18th Nov. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. CHD/69/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 748, in Sector 22-A,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Shri Budh Singh s/o Shri Sunder Dass R/o H. No. 5/15 old double storey, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur w/o Shri Baldev Singh R/o H. No. 3167, Sector 23-D, at Present H. No. 748, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 748 in Sector 22-A at Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 431 of May, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18th Nov. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/43A/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax., Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half share in House No. B.VI.166 (New) situated at Madhopuri, Kucha No. 2, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ram Parkash Khosla
 S/o Shri Mukand Lal Khosla
 Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Jain S/o Shri Piara Lal, R/o 1076A, Sector 20B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in House No. B.VI.166 (New), Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1076 of May, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18th Nov. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/78/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Kothi No. 81B, situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana

Chandigarh in May, 1980

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any money sor other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Darshan Singh S/o Shri Gian Singh, R/o V. Miani, Tehsil Dasuha, Distt. Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh s/o Shri Kartar Singh, R/o V. Dad, Tchsil & Distt. Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kothi No. 81B, Sarabha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 1567 of June, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 18th Nov. 1980

(1) Smt. Narinder Kaur w/o Shri Shingara Singh, R/o D-53, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Pawan Kumar s/o Shri Jagdish Lal R/o 1292/2, Kucha No. 1, Madhouri, Ludhlana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.
CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/18/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Half share in House No. B.VI896 (old)/B.IX.911 (New) situated at Gulchaman Gali, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Ludhiana in April, 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in H. No. B-IX-911 (New/B.VI.896 (Old) Gulchaman Gali, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 389 of April 1980 of the Registering Authority, Ludhlana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18th Nov. 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi-110002,, the 4th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I (SR-III/5-80/274.--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. C-196, situated at N.D.S.E.II New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at New Delhi on 12-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Lt. Col. Prem Nath Behl S/o Late Lt. Col. Jagan Nath, probate holder and executor of the will, according to which Sh. Yogendra Nath Behl, Mrs. Shakuntla Gupta & Jagdish Chander Behl are also beneficiries, R/o C-106, N.D.S.E. II New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Pyara Lal Taheem and Raj Kumar Taheem. C/o Sh. Ram Asra R/o E-157, Ashok Vihar Phase I New Delhi. (Transferee)
- (2) Shri Satish Jastal, Hnd floor C-106, NDSE Part II New Delhi, (Persons(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed residential house bearing No. 106 in Block C, measuring 500 sq. yds. situated in New Delhi South Extension Part II New Delhi bounded as under :-

East: House No. C-107. West: House No. C-105.

North: Road. South: House.

R. B. L. AGGARWAL,

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002

New Delhi, the 4th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/367.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-97, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-5-1980

for an apparent cosideration which is less than the fari market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
19—396/80

 Shri Dhan Pat Singh Dhandha as Karta and Manager of his HUF S/o Sh. P. S. Dhandha, R/o M-97, Greater Kailash I.

(Transferor)

(2) Shri Datuk Brij Kishore, Dr. Ashok B. Kumar, Shri Kesav Kumar and Shri Vinod DG/925, Sarojini Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building bearing No. M-97, Greater Kailash I New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissionre of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/ New Delhi

Date: 4-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

H-BLOCK VIKAS BHAVAN I.P. ESTATE NEW DELHI-110002 New Delhi, the 4th December 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/5-80/204.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-80 situated at Greater Kailash I New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or offier assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri L. S. Mathur E-80, Greater Kailash Part I New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Daljit Kaur Director of M/s. Inder Estates (Delhi) Pvt. Ltd. Flat No. L. Sagar Apartment, 6, Tilak Marg New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built property double storeyed No. E-80, Greater Kailash I, New Delhi measuring 5291 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Compensent Authority
Inspecting Assistant Commissionre of Income-tax
Acquisition Range-I
Delei/New Delhi

Date: 4-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-

, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Mook Prakash

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar

(Transferee)

(3) Shri Mool Parkash

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 31st October 1980

Ref. No. G.I.R. No. R-152/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house at Mohalla-Raham Khani situated at Kashipur, Nainital.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kashipur on 5-5-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One pucca house in dilapidating condition situate at Mohalla-Rahamkhani, Kashipur, Nainital, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 1421 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Kashipur, Nainital, on 5-5-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 31-10-1980.

(1) Shri Arbinda Mitter.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1980

Ref. No. G.I.R. No. S-197/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building No. B-709, Land 10.500 sq. ft. situated at Sector-C, Mahanagar, Lucknow.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I ucknow on 5-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satyapal Bakshi

(2) Shri Ramesh Kumar Bakshi

(Transferee)

(3) Shri Arbinda Mitter
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease-hold rights in the land and ownership of Building No. B-709, Land 10,500 sq. ft. situate at Sector-C, Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1987, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 5-4-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 4-12-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA SOUAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1980

Ref. No. RAC. No. 1091.-Whereas I. S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4 godowns bearing No. 11/75,

situated at Gorantla Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Guntur on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Alloori Baskara Rao, s/o Kotalah
 - Allori Venkateswara Rao, s/o Kotaiah
 - 3
 - Allori Gopala Rao, /o Kotaiah Karnati Bapaiah, s/o Laxmaiah Kakani Ramesh Baby, s/o Papa Rao and
 - A. Pullaiah, s/o Baskararao, Guntur.

(Transferors)

(2) Sri Adusumilli Dharma Rao. Managing Partner, Krishna Commercial Corporation, Guntur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered during the month of April. 1980 with the SRO, Guntur vide document No. 2695/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range. Kakinada Squad, AP, Hyderabad

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA SQUAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1980

Ref. No. RAC. No. 1092.-Whereas I, S. GOVINDA-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of Bld. No. 13-1-57,

situated at Subhash Road, Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 616 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Sri Batchu Sanyasi Rao, s/o Subba Rao.

 - 3. Venkat Rao.
 4. Sri Gullapdi Veeraju,
 13-1-57, Subash Road, Kakinada.

(Transferors)

- (2) 1. Dr. Kota Suresh Kumar, s/o Dr. K. Gopal Krishnaiah Gupta.
 2. Dr. Kota Ram Gopal, 13-1-57, Subash Road,
 - Kakinada.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered during the month of April, 1980 with the SRO, Kakinada vide document No. 1931/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kakinada Squad, AP, Hyderabad

Date: 12-12-1980

FORM I.T.N.S.——

 Shri Rao K. Pisapati s/o Viswapati Satyanarayana, Indira Nagar, Bangalore.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kavala Buli Venkataratnam, s/o Surya Rao, Palakol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1980

Ref. No. RAC. No. 1093.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Co-conut Garden, situated at Ac-1-05, Palakol

(and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palakol on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered during the month of April, 1980 with the SRO, Palakol vide documents No. 573, 574 & 576/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada Squad, AP, Hyderabad

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, KAKINADA SQUAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1980

Ref. No. RAC. No. 1094.—Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward 8/D, New Ward,

situated at 17. Bodduvari Street, Adivarapupet, Eluru,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office

at Eluru on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Batchu Nagaratnam, w/o Narayana Rao, Bodduvari Street, Adivarapupet, Eluru.

(Transferor)

 Sri Golla Appanna, s/o Somayya, Bodduvari Street, Adivarapupet, Eluru.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered during the month of April, 1980 with the SRO, Guntur vide document No. 1715/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kakinada Squad, AP, Hyderabad

Date: 12-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA SOUAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1980

Ref. No. RAC. No. 1095,---Whereas I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Rice Mill, situated at Kottareddy Palem Ward-4 8th Bool No. 797 Bearing No. 121

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chebrolu on April, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—396GI/80

 Sri Mukkala Hanuma Reddy, s/o Venkata Reddy, Kotta Reddipalem, Near Chebrolu.

(Transferor)

(2) 1. Sri Chunduri Sambasiva Rao, s/o Chinnabhai

Chinnabhai,
2. Sri Amara Narayana Rao, s/o
Satyanarayana,
Ponnur.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered during the month of April, 1980 with the SRO, Shebrolu vide documents No. 460, 461, 462, 463 and 464 of 1980.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Kakinada Squad. AP, Hyderabad

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, KAKINADA SOUAD, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1980

Ref. No. RAC No. 1096.—Whereas J, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site admeasuring 2153 sq. mtrs.

situated at Maddilapalem Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Vizagapatnam on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by, more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. P. Laxmi Chaya & Others, c/o P. Ram Shah, House No. 16-8-536, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Josyula Gopala Rao, s/o Venkateswarlu, 116, Pitapuram Colony, Vizagnatam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property was registered during the month of April, 1980 with the SRO, Visakhapatnam vide document No. 1966/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, AP, Hyderabad

Date: 12-12-1980

FORM I.T.N.S.-

 Smt. Rairani widow of Sri Pragi Lal, r/o Gahrauli, Pargana Muskara, Teh. Maudaha, Distt. Hamirpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 238/Acq/Hamir/ur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maudana on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Jagat Pratap s/o Sant Ram,r/o Balwari,Teh. Maudaha, Distt. Hamirpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, situated in Gahrauli, Teh. Maudaha, Distt. Hamirpur sold for Rs. 19,000 /-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 205-B/Meerut/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule

situated at As per Schedule,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meetut on 9-4-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Naharwali, widow of Late Sunder Lal, Sarurpur, Teh. Sardhana, Distt. Meerut. and Shanti Swarup s/o Shri Hardeo Sahai, Ram Richhpal, Suresh Chandra, Devendra Kumar, Yogesh Kumar, Deependra Kumar, sons of Shri Shanti Swarup, Manoranjan Park, Civil Lines, City Meerut.

(Transferors)

(2) Smt. Raj Bala w/o Shri Niranjan Singh, Jaya Bir Singh s/o Raja Ram, Sakinan-58, Ahiranpurwa, City Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property, situated at Nagala Battu, Yadgrpur, Sarvadaya Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd. Colony,

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

Seal

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 223-B/G Bad/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ghaziabad on 14-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (0) racilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hte acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Nirmal Kumari w/o Shri Dr. R. K. Sehgal r/o Ghaziabad through Mukhtaram Shri Gurucharan Barara, s/o Shri Diwan Singh, r/o 423, Mukund Nagar, Ghaziabad. (Transferors)
- (2) Shri Suraj Prakash, s/o Shri Lal Chandra, r/o Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One piece of plot No. 175, area 598.07 sq. yds. which has been sold for Rs. 62,258.75.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th December 1980

Ref. No. 263-B/Meerut /80-81.---Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Meerut on 26-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dharam Bir S/o Shri Ram Pal, R/o Sikandarabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi, W/o Shri Karam Bir Singh, R/o Begum Bagh, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Quarter No. 2A & 2B, situated at Ashoka Colony, Begum Bagh, Meerut.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 2064-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule

situated at As per Schedule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 28-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Shital Prasad Mittal, S/o Shri Sewa Ram, R/o 732, Sector 4, R.K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sukh Ram, S/o Shri Asha Ram, Shive Kumar, Arvind Kumar & Dushyant Kumar, S/o Sri Sukhram, R/o Soyani Lagan, Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house bearing No. 200/1, Bhopal Road, Southern New Mandi, Muzaffarnagar has been sold for Rs. 34,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 2050-A/Muzaffarnagar/80-81.—Whereas I, B.C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 5-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shital Prasad Mittal, s/o Sewa Ram, r/o 732 Sector 4, R. K. Puram, New Dellii.

(Transferor)

(2) Smt. Kanti Kaushal w/o Shri D. K. Kaushal, r/o 9 Dwarkapuri, Muzaffarnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property bearing No. 200/2, situated at Mauza Bhopal Road, Southern, Muzaffarnagar which is sold for Rs. 50,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: \$ 12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 2057/-A/PN/M.Nagar.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Kairana on 2-4-80

21-396GI/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagawana adopted son of Sri Medda, Suresh Pal S/o Sri Brahma Singh, Satya Pal Singh S/o Bhagawan, R/o Village Lilon, P.O. Khas, Par. Shamli, Teh. Kairana, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Murli alias Balwant Singh S/o Sri Rati Ram Sharma Resident of Town Shamli P.O. Shamli, Par. Shamli, Teh.-Kairana, Muzaffarnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops facing south adjoined together with Chabutara, at Moh. Kaziwara, Town-Shamli, Teh.-Kairana, Muzaffarnagar sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 2030-A/Buland Shahr/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Buland Shahr on 8-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Dr. Masud Ali Khand and Mosed Ali Khan S/o Shri Tarikat Ali Khan, R/o Lahgara, Pargana-Agauta Gurhawali Kala, Buland Shahr.
 - (Transferor)
- (2) Dr. Satish Chandra Sharma S/o Shri Ravi Ram Sharma, R/o Moh. Naraingani, Hapur, Distt. Ghaziabad. & Shri Narendra Kumar Agarwal S/o Sri Jai Prakash R/o Moh. Nehru Gate Burg, Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed shop seven Khani, area 117 Sq. ft. (East, West) total area 293 Sq. yards situated at Gurhawali, Moh. Shyadatta Gandhi Ganj, Buland Shahr.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur.

Date: 9-12-1980

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 1123/Acq/Agra.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- nd bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Surendra Kumar Upadhya S/o Shri Nathu Ram Upadhya R/o 27/232 North, Vijai Nagar Colony, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi w/o Shyam Dupt R/o 6/271 Pathwari, Belangani, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 27/232 situated in Vijai Nagar Colony, Agra sold for Rs. 90,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 253/Aligarh/Acq/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Faridum widow Sufi Shaukat Ali self and Mukhtar-Khas Izzat Ali, Ishrat Ali Urf Mangla, Smt. Anjuman w/o Shaukat Ali R/o Usmanganj, Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Shakila Begum Jauja Mohd. Sharif R/o Usmanpara, Delhi Gate, Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Delhi Gate Usmanpara Aligarh sold for Rs. 41000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 1125/Acq/FZB.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ferozabad on 25-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratan s/o Kishan Sarup
Mukhtaram Majad through Do Kita Mukhtaram,
Bisan, Prem Ratan, Narendra Kumar
S/o Shri Kishan Sarup,
R/o Mohalla Puranimandi Ferozabad,
Mohan Sarup, Sohan Sarup sons of
Shri Shiv Shanker
R/o Mohalla Puranimandi, Ferozabad.

(Transferor)

(2) Shri Munna Lal Agarwal s/o Sri Raghunandan Lal R/o Mohalla Jalesar Road, Ferozabad, Distt. Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated in Mauja Datauji Sarojininaidu Marg, Ferozabad, Agra.

Acquisition Range, Kanpur
B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Date: 9-12-1980

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 111/Acq/Jalesar/80-81.— Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalesar on 8-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satish Chand Agarwal
S/o Shri Kali Charan Agrawal,
Self and Mukhtar-am Suresh Chand,
Udai Chand, Prakash Chand, Vivek Chand, Naveen
Chandra Agarwal sons of Kali Charan Agarwal
R/o Jalesa Moh. Sarafa present r/o Motibagh
Ferozabad.

(Transferor)

(2) Shri Naveen Chandra Agarwal S/o Shri Jagdish Charan Agarwal R/o Jalesar Moh. Sarafa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House, shop and Arazi situated in Jalesar Mauja Sarafa Distt. Etah sold for Rs. 2000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

Soal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. TR. No. 1003/Acq/Aligrh/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 30-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ganeshi Lal Mathur s/o Shri Shanker Lal Mathur, R/o Gali Gulluji, presently resident of 18 Saket, Meerut.

 (Transferor)
- (2) Shri Hari Devo Gupta s/o Sewa Ram Gupta R/o Brahmanpuri, Aligarh.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ten shops with Jeena and land at back side on which two rooms and Karkhana are constructed. Situate at Madar Gate (Tamauli Para) Aligarh.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

Seal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. TR No. 997/Firozabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Firozabad on 2-8-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Kishan Behari Garg s/o Shri Surendra Nath Agarwal R/o Moh-Chau, Town-Ferozabad. (Transfetor)
- (2) Shri Bal Krishna Gupta S/o Shri Umrao Lal, Sri Ravindra Kumar, Pradeep Kumar S/o Sri Bal Krishna Gupta, R. o Hanumangani, Town Firozabad. Shri Surendra Dubey S/o Sri Ram Dayal Dubey R/o Chowki Gate Firozabad and Shri Behari Lal Sharma S/o Shri Chokho Lal Sharma R/o Durga Nagar, Firozabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Mauza Datauzi, Tehsil-Firozabad Khasra No. 311 (Kh), 311.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-1980

(1) Jindal Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Firozabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th April 1980

Ref. No. 258/Acq/Aligarh/80-81.—Whereas, J. B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and ebaring No.

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh on 22-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---22-396GT '80

 (2) (1) Shri Mahendra Kumar S/o Shri Lala Budhsen.
 (2) Smt. Shakuntala Devi W/o Shri Lala Niranjan Lal. R/o Sarai Hakim, Aligarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house property situated at Moh.-Sarai Hakim No. 8/15 sold for Rs. 35000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-80

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Laxmi Narain Kulshretha S-o Shri Babu Ram alias Swami Jugal Wanprasthi, R/o Jalesar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kapoori Devi W/o Shri Khushi Pal Sharma and Smt. Premwati Devi W/o (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 283/Acq/Jalesar/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule (and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalesar on 24-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the riability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house property double storeyed situated at Moh. Pansari yan alias Noshiyan, Town-Jalesar, sold for Rs. 60,000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 9-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1980

Ref. No. 219-8/Gaziabad/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gaziabad on 15-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

 Shri Arun Kumar S/o Shri Raghubans Kumar, Asstt. Purchase Officer Modi Pone, Modi Nagar Distt. Gaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan Gupta S/o Late Matadin, R/o 74 Ramte Ram Road, Gaziabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. Second C/101(A) Area 530-92 Metre Block C Sector 2 Nehru Nagar Ghaziabad sold for Rs. 42473/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-12-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1980

Ref. No. 250/Hapur/80-81.—Whereas, J, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hapur on 25-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bachan Singh S/o Shri Ganeshi Singh, R/o Jatav Mahaiya Teh. Hapur Distt. Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Vivekanand Puran Sahkari Awas Samiti Ltd.
 Pilkhuva through Ratan Lal S/o Nanak Chand
 Sachiv Samiti Utam Pilkhuva Pargana Dasna Teh.
 Hapur Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in Pilkhuva Pargana Dasna Teh. Hapur Distt. Ghazinbad sold for Rs. 127575/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 12 -12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1980

Ref. No. 212-B. Hapur/80-81.—Whereas, 1, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur on 15-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jindal Papers Mill Ltd., Baiswameel
Delhi Hapur Road Jindal Nagar P.O. Khas
Distt. Ghaiabad Land Hargulal Khiriwal.

(Transferor)

(2) M/s. Steel and Metal Tube India P. Ltd 3228 Chomukh Mandir Kaji Hauj, Delhi through Sri Shiv Shanker Agarwal Director.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated in V. Galand Panailnagar Pargana Dasna Teh. Hapur Distt. Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th December 1980

Ref. No. 266-B/Mcerut/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 12-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jai Prakash s/o Shri Kanti Pd. r/o 249 Rly. Road Gali Miththuwali, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Anil Chowdhery s/o Shri Man Singh Advocate r/o K 91/C 35 Civil Line Rampur Garden, Bareilly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 81 situated in Plot No. 120-D Saket Colony Civil line Meerut.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

Shri Soram Chandra Rai s/o Dr. Beni Madhak Rai, r/o 18/163-A, Purani Mandi. Tajganj, Agra.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. TR No. 1132/Acq/Agra/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 4-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fall market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion o fine libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mohd. Jahangir Meei 8/o Sri Abdul Mazid Meei r/o 43, Mall Road, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open Land bearing Khasra No. 224, 225 and 226, measuring 1350 Sq. Metres situated at Mauja Basai, Teh: & Distt: Agra, which was sold for Rs. 81,,000/-.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Kanpur.

Date: 21-11-1980

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 21st November 1980

Ref. No. 1732-A/Dehradun/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bencing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun on 20-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afiresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamala Devi w/o Si Raghunath r/o 41, Block-3, Khurbura, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Swarn Kaur w/o Sri Amar Chand Kumar r/o 4/2, Sharanpur Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 41, Block-3, situated at Mohalla: Khurbura, Dehradun, which was sold for Rs. 60.000/-.

B. C. CHATURVFDI.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 21-11-1980

FORM ITNS----

(1) Shri Gauri Shanker Khanna 7/0 16/19-B, Civil Lines, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 3214-A/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B, C. CHATURVFDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to at the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-6-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23---396GI/80

(2) Shri Abdul Rahman s/o Mohd. Marooq Beg, r/o 97/28, Talk Mohal, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot bearing No. 16/19-B, situated at Civil Lines, Kanpur which was sold for Rs. 34,695/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-11-1980

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. 140. 3210-A/Kanpur/80-81.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'solid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and benging

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanrur on 5-6-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chunni Devi, wd/o Sri Krishna Chandra, r/o 38/175. Gilis Bazar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Satya Prakash, s/o Late Shri Munshi Kalicharan, r/o 18/37, Kursawan, Kanpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 - 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 18/37-A, measuring 224 Sq. Yards, situated at Kursawan, Kanpur, which was sold for Rs. 20,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-11-1980

FORM ITNS _____ (1) Sh

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Naresh Chandra c/o Prakash Watch Co., Meerut.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

. ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1980

Ref. No. 3602-A/Bulandshahar/80-81.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. - and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 1-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Pushpa Wati
w/o Shri Mikkimal Varma
r/o Saraikona, Bulandshahar,
Smt. Chandra Kiran
w/o Sri Jagdish Prasad Varma
r/o Bramhpuri, Bulandshahar, Shri Munni Lal
s/o Chunnumal r/o Bramhpuri, Bulandshahar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oilleial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Shop bearing No. 166, situated at Lal Kuwan, Bulandshahar, which was sold for Rs. 30,000/-.

B. C. CHATURVEDI.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Kanpur.

Date: 3-11-1980

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Smt. Razia Khatoon, S/Shri Nawab Ali, Siraj Ali, Arshad Ali, Sadique Ali, Sultanjahan, r/o 94/127, Fatrash Khan, Kanpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 8th December 1980

Ref. No. 282-B/Kanpur/80-81.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1561) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kappur on 30-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S. Shri Jamal Aslam, Kamal Aslam, r/o 94/128, Farrash Khana, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 94/128, measuring 257.60 Sq. Yds., situated at Forrash Khana, Kanpur, which was sold for Rs. 66,976/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 8-12-1980

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 6th December 1980

Ref, No. P.R. No. 1266 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. FP. No. 16 paiki T.P.S.8 Driapur-Kajipur, situated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Subhadraben Vasudev Vyas; Hathisani Pole, Vadigam, Dariapur, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Bharatiya Apartment Coop. Housing Society Ltd. (Proposed). Through: Promoter: Shri Rameshbhai Narayanbhai Patel; 11, Vithalnagar Coop. Housing Society Ltd., Camp Road, Opp. Civil Hospital.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 345.50 sq. yds. bearing Final Plot No. 16, paiki, T. P. S. 8, Dariapur-Kajipur, situated at Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 7009/17-4-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 15th December, 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

2nd Floor Handloom House, Ashram Road

Ahmedabad, the 6th December 1980

Ref. No. P. R. No. 1267 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

PF. No. 16, T.P.S. 8 Dariapur-Kajipur, situated at Shahi-

PF. No. 16, T.P.S. 8 Dariapur-Kajipur, situated at Shahibug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 9108), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-4-1280

for an apparent consideration which is less than the fain market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Madhukantaben Ramlal Vaikunthram Vyas; Kamakshiben Anuprasad, Both at 54-2, Girdharnagar Society, Shahibaug Road, Ahmedabda. (Transferor)
- (2) Bharatiya Apartment Coop. Housing Society Ltd; (Proposed), Through: Promoter: Shri Rameshbhai N. Patel; 11, Vithalnagar Coop. Housing Society Ltd. Camp Road, Opp. Civil Hospitol, Ahmedabad.

 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 345,50 sq. yds. bearing Final Plot No. 16, paiki TPS. 8, Dariapur Kazipur, situated at Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide saledeed No. 7010/17-4-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15th November, 1980

(1) Shakuntalaben Bachubhai Raval; "Ramatika", Near Girdharnagar, Shahibaug, Road, Ahmedabad.

(Proposed), Through: Promoter Shri Rameshbhai N. Patel, 11. Vithalnagar Coop. Housing Society

Ltd., Camp Road, Opp. Civil Hospital, Ahmedabad.

(2) Bharatiya Apartment Coop. Housing

(Transferor)

Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2nd Floor Handloom House, Ashram Road

GOVERNMENT OF INDIA

Ahmedabad-380009, 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1268, Acq. 23-1/80-81,—Whereas I. MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 16, T.P.S. 8 Dariapur-Kazipur situated at Shabi-baug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have raeson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 345.50 sq. yds. bearing Final Plot No. 16, Paiki T.P.S. 8, Dariapur Kazipur, situated at Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide saledeed No. 7011/17-4-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-11-1980

FORM ITNS----

(1) Samjuben Jiyarajbhai Shah; S/o M. J. Shah, Saraf Bazar, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Mukeshkumar Vallabhdas Gohel; Valkubh Niwas, Ashapura Road, Rajkot.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

2nd Floor Handloom House, Ashram Road Ahmedabad-380009, the 3rd November 1980

Ref. No. P.R. No. 1218 Acq. 23-N/80-81.--Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 451, Plot No. 76 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 213-8 sq. yds. bearing S. No. 451; No. 76, situated at Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1968 dated April 1980,

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-1

2nd Floor Handloom House, Ashram Road

Ahmedabad-380009, the 3rd November 1980

Ref. No. P. R. No. 1219 Acq. 23-I/80-81.—Whereus, I, A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

S. No. 451; Plot No. 76 situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 1-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-396GI/80

- (1) Samjuben Jivrajbhai Shah; C/o M.J. Shah, Saraf Bazar, Rajkot.

 (Transferor)
- (2) Shri Mukeshkumar Vallabhdas; Vallabh Niwas, Ashapura Rord, Rajkot. (Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 213-8-0 sq. yds. bearing S. No. 451, Plot No. 76, situated at Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No 1969 dated 1-4-1984.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1

2nd Floor Handloom House, Ashram Road

Ahmedabad-380009, 24th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1242 Asq. 23-I/80-81.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section
269B of hte Income-tax Act, 1961 (48 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. City S. No. G. 4-1, Plan No. 4, Plot No. 20 paiki Subplot No. 20A situated at Bedi Bunder Road, Jampuri Estate,
Jamnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamnagar on 17-4-1980,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gultachand Devraj Shah P.A. Holder of Smt. Shushilaben Ranjitkumar Shah; Opp. Guru Dattatraya Mandir, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri: Nathabhai Jashabhai Patel; Banga—Taluka— Kalawad, Jamnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 4000 sq. ft. S. No. G. 4-1, Plan No. 4, Plot No. 20, Sub-plot No. 20A, situated at Jampuri Estate, Bedi Bunder Road, Jampagar and as fully described in the sale-deed registerd vide Regn. No 984 dated 3-5-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-11-1980

Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J

2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmedabad, 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1243 Acq. 23-I/80-81.-Whereas, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 40.1; 40/3 & 42/2 situated at Ward No. 10, Badeshvar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 21-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1)-1. Shri Narbheram Vasanji Mehta;

Mehta; through: 2. Shri Shantilal Motichand Maktaben Shantilal Mehta:

Shri Indulal Vasanji Mehta;
 Shri Pratapray Vasanji Mehta;

Smt. Mangulaben Indulal Mehta;
 Smt. Arvindaben Prataprai Mehta;

Shri Pravinchandra Narbheram Mehta;
 Shri Rameshchanra Narbheram Mehta;

Smt. Diwaliben Narbheram Mehta;

10. Shri Shashikant Shantilal Mehta; Opp. Ratabai Ni Masjid, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products Pvt. Ltd., Bedeshwar, Jamnagar (Saurashtra).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A main building standing on land admearing 15000 sq. ft, bearing S. No. 40-1, 40-3; and 42/2 situated at Bedeshwar Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1022 dated 21-4-1980.

MANGI LAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-11-80.

Sea :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmedabad, 24th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1244 Acq. 23-I/80-81,—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing No. R.S. No. 40/1; 40/3; 42/2, Plot No. 1&2 situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jamnogar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Januagar on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Narbheram Vasantji Mehta; and Smt. Diwaliben Narbheram Mehta; Near Ratanbhai Masjid, Jamnogar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd., Bedeshwar, Jamnagar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land, admeasuring 1920° sq. ft. bearing R.S. No. 40/1; 40/3; 42/2, Plot Nos. 1 & 2, situated at Bedeshwar Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 999 dated 18-4-1980.

MANGI LAL
CompetentAuthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2nd Floor Handloom House, Ashram Road.

Ahmedabad, 24th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1245 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 40/1; 40/3 & 42/2, Plot No. 3 & 4 situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Jamnagar on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 I. Industrial Vasanji Mehta &
 Smt. Manjula Indulal Mehta; Near Ratnabai Masjid, Jampagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd. Bedeshwar, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 19200 sq. ft. bearing S. No. 40/1. 40/3 & 42/2 bearing Plot Nos. 3 & 4, situated at Bedeshwar, Jammagar and as fully described in sale-deed registered vide Regn. No. 1000 dated 9-4-80.

MANGI LAI.
CompetentAuthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmedabad, 24th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1246 Acq. 23-J/80-81.--Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R.S. No. 40/1; 40/3; & 42/2, Plot No. 16, situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) Shri Jaewantray Amritlal Mehta; Mahalaxmi Chowk, Jamhagar.

 (Transferor)
- (2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd., Bedeshwar, Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 9600 sq. ft. bearing S. No. 40/1; 40/3 & 42/2 Plot No. 16, situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 997 dated 18-4-1980.

MANGI LAL
CompetentAuthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmedabad-380009, the 24th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1247 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 40/1; 40/3; 42/2, Plot No. 14, situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Januagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at January on 19-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such, transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Amritial Chhaganlal Mehta; Mahalaxmi Chawk, Jamnagar. (Transferor)
- (2) M/s, Umesh Oil Froducts Pvt. Ltd. Bedeshwar, Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 9600 sq. ft. bearing S. No. 40/1; 40/3; & 42/2, Plot No. 14, situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 995 dated 18-4-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

ow- Date : 24-11-80. Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Pratapray Vasanji Mehta; Smt. Arvinda Pratapray Mehta; Near Ratanbai Masjid, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Ail Products (P) Ltd. Bedeshwar, Jamnagar,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2nd Floor Handloom House, Ashram Road,

Ahmedabad, 24th November 1980

Ref. No. P.R. No.1248 Acq. 23-I/80-81,—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 40/1; 40/3; 42/, Plot No. 5 & 6 situated at Ward No. 19, Bedeshwar, Jamnagar.

(and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 19-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property" by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 19200 sq. ft. bearing S. No. 40/1; 40/3 & Plot No. 5 & 6, situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 994 dated 18-4-1980.

MANGI LAL
CompetentAuthority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1980

No. P. R. No. 1249-Acq.23-I/80-81.—Whereas, I. Ref. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R. S. No. 401; 40/3, & 42/2, Plot Nos. 11 & 15 situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 18-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 11
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-25---396GI/80

(1) I. Shri Jayantilal Chhaganlal Mehta; Smt. Jaswanti Jayantilal Mehta; Near Central Bank, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umcsh Oil Products (P) Ltd., Bedeshwar, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 19200 sq. ft bearing R. S. No. 40/1; 40/3, and 42/2 bearing Plot No. 11 and 15 situated at Bedeshwar Jammagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 996 dated 18th April 1980.

> MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1250 Acq. 23-I/80-81,—Whoreas, I. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section

transfer with the object of :-

269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40/1, 40/3; 42/2, Plot No. 12 and 13 situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jamnagar on 18-4-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amilal Chhaganlal Mehta; and Smt. Ramaben Amilal Mehta; Near Central Bank, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd., Bedeshwar, Jamnagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 19200 sq. ft. bearing S. No. 40/1; 40/3, 42/2, Plot Nos. 12 and 13 situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vido Regn. No. 999 dated 18-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1251 Acq. 23-I/80-81,-Whereas, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. R. S. No. 40/1; 40/3 and 42/2, situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-5-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Narbheram Vashanji Mehta;
 - 2. Shri Shantilal Motichand Mehta; through Muktaben S. Mehta.
 - Shri Indulal Vasanji Mehta;
 - Shri Pratapray Vasanji Mehta; Smt, Manjulaben Indulal Mehta;
 - Smt. Arvindaben Pratapray Mehta;
 Shri Narbheram Vashanji Mehta;
 P. A. Holder Shri Pravinchandra Narbheram Mehta;

 - Rameshchandra Narbheram Mehta; Smt. Diwaliben Narbheram Mehta;
 - Smt. Shashikant Shantilal Mehta; Near Ratanben Masjid, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd. Bedeshwar, Jamnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A land admeasuring 14400 sq. ft. bearing S. No. 40/1; 40/3 and 42/2, with the building thereon alongwith garden situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1192 dated 8-5-1980.

> MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1980

Ref., No. P. R. No. 1252 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 40/1, 40/3 and 42/2, Plot Nos. 7 and 8 situated at Ward No. 10. Bedeshwar, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 24-4-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. Shri Chunilal Chhaganlal Mehta;
 2. Smt. Narmadaben Chunilal Mehta; Mahalaxmi Chawk, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd. Bedeshwar, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 19200 sq. ft. bearing S. No. 40/1; 40/3; and 42/2 Plot Nos. 7 and 8 situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1062 dated 24-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1253 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5. No. 40/1, 40/3 and 42/2, Plot Nos. 9 and 10 situated at Ward No. 10, Bedeshwar, Jammaar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jamnagar on 20-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Mansukhlal Chhaganlal Mehta; Mahalaxmi Chowk, Jamnagar.

 Kusumben Mansukhlal Mehta; Mahalaxmi Chowk, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Umesh Oil Products (P) Ltd., Bedeshwar, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 19200 sq. ft bearing S. No. 40/1; 40/3 and 42/2, Plot Nos. 9 and 10 situated at Bedeshwar, Jamnagar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 1063 dated 20-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) AHMEDABAD-380009

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1254 Acq.23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 860 Paiki 'B' Block situated at Village Vejalpur Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahendra Vithalbhai Patel; Mahadev-Nagar Society, Near Stadium, Navarangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Surendrabhai Sheth & Others; 118, Fatchbhai's Haveli, Ratan Pole, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 860 Paiki Block 'B' admeasuring 12157 Sq. yds. situated at village Vejalpur District Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale deed No. 6946/15-4-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME- (2) Mukesh Park

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1255 Acq. 23-I/80-81.—Whoreas, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 432 situated at Behind Shreyas Society village Vejalpur, Dist, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on April, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhikhabhai Govindbhai Patel; Village Vejalpur, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mukesh Park Co-op. Housing Society Ltd. through: President Sbri Vinayakant N. Shah, Patel Bhawan, Nehru Bridge, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 3800 sq. yds. and 2940 sq. yds. bearing S. No. 432 situated at village Vejalpur Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed Nos. 5703/80 and 5704/80 April, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1256 Acq. 23-I/80-81,—Whereas, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Kalupur Ward-III C. S. No. 2565-1-B Shop No. 72 (New) situated at Vrundavan Shopping Centre, Pankore Naka, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Nanalal Keshavlal—through partners. Shri Nanalal Keshavlal, Jain Merchant, Sarkhej Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narottamdas Nansukhram Shah;

Shri Jayantilal D. Moraliya; Nalkuni Society, Camp Road, Ahmedabad.

3. Shri Prabhulal Jethalal Mehta; Vithalagar Society, Camp Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 72 (new) in Vrandavan Shopping Centre, Pankore Nakar, Ahmedabad-Kalpur Ward-III C.S. No. 2565/1/B-duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide Sale Deed No. 7713/April, 1980 i.e. property as fully described therein.

> MANGI LAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-11-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedahad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1257 Acq. 23-1/80-81,—Whereas, I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 193 Part, T.P.S. 6 situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 26—396G1/80

Shri Surendra Trikamlal Shah;
 New Braham Kshatriya Society,
 Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Anand Co-op. Housing Society Ltd., through: Chief Promoter; Shri Nalinbhai J. Shah, 14, Jain Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 700 sq. mts. bearing F. P. No. 193 Part T.P.S. 6 situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale Deed No. 6949/April, 1980, i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

 Smt. Kunchanbe Shantilal Nanawaty, 'Gunjan' Opp. Niyojannagar, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Hotel Kingson; through: Partner Shri Ramchand Laxmandas; C/o Hotel Kingsway, Near State Bank of India, Pathar Kuwa, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1258 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS No. 3605 to 3612, 3613/A & Subplot No. 1 of 3620A Kalupur Wd, III situated at Arab Gally, Nr State Bank of India, Relief Rd. Pathar Kuva, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—Thet terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 458.41 sq. mtrs. bearig C. S. No. 3605 to 3612, 3613-A and 3620/A sub-plot No. 1, Kalupur Wd. III, situated at Arab Gally, Near State Bank of India, Pathak Kuva, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 5000/April, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1260 Ecq. 23-1/80-81.—Whereas, J, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 196 Hissa No. 2 Paiki situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rohitbhaj Manubhai Patel;
 C/o. Pravinbhai Chaturbhai Patel;
 Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad,
 (Transferor)
- (2) Shri Arvindbhai Jashbhai Patel; Dineshnagar Coop. Hsg. Society Ltd., Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 196, Hissa No. 2 Paiki 913 sq. yds., land situated at Memnagar, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 5495/April, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Mukeshbhai Manubhai Patel; C/o Pravinbhai Chaturbhai Patel; Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Kaushik Shakubhai Patel; Daliya Building, Ellis bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1261 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 196-Hissa No. 2 paiki situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearnig S. No. 196, Hissa No. 2, Paiki 913 sq. yds. land situated at Memnagar, Ahmedabad, duly registered by Registreing Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 5498/5-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1262 Acq. 23-I/80-81.—Whereas. I MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 196-Hissa No. 2 paiki situated at Memnagar, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmednagar on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Manubhai Hirabhai Patel;
 Co, Pravinbhai Chaturbhai Patel,
 Swastik Society, Navrangpura,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Shri Sarshadbhai Ratibhai Patel;
 Shri Kuntaben Harshadbhai Patel;
 Jal Vihar Flats, Near Incometax Office,
 Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 196 Hissa No. 2 paiki 1089 sq. yds, land, situated at Memnagar, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale deed No. 5494/5-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Bhupatrai Vallabhram Dave;
 Kamalnayan Society, Near Navjivan Press,
 Opp. High Court, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Girishkumar Mohansingh Chhabara;
 Manekbaug Society, Ambawadi, Ahmedabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, dated 24th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1259 Acq. 23-I/80-81,—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 166-1, F. P. No. 454 of TPS 21 situated at Paladi Ahmedabad

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on April, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in the open plot of land admeasuring 580 sq. yds. bearing S. No. 166-1, F. P. No. 454 of T. P. S. 21, situated at Paldi, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 7614/April, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said

persons namely:-

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 24th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1263 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Plot No. 32A-House No. 1018/4 situated at Vijaynagar-Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 16-4-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely;

(1) Shah Mahendrakumar Ravilal; Shah Chandrakant Ravilal; Shah Rameshkumar Ravilal; Raja Store, Vaniawad, Bhuj-Kutch.

(Transferor) (s)

(2) Shri Ashanand Parshotam Batwa, Sanitary Equipment Stores, Darbargadh, Bhuj.

(Transfree) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 2000 sq. ft. bearing Plot No. 32A, situated at Vijayanagar area, Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 715 dated 16-4-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1980

Ref. No. P.R. No. 1264 Acq. 23-1/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

CS No. 5313 paiki situated at Swastik Industries, Near Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Porbander on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dattani Industries through: P. A. Holder: Shri Haridas Bhagwanji; National Highway, 'Krishna Kunj', Porbander.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kishorkumar Gordhandas; 2. Shri Chhotalal Vallabhdas; both at Krishna Ginning Factory, Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1380-75 sq. yds. bearing C.S. No. 5313 paiki situated at Swastik Industries, Near Porbander duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 1053/2-4-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 6-12-1980

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1980

Reft No. P.R. No. 1265 Acq. 23-I/80-81.--Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the :said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

C.S. No. 5313 paiki situated at Swastik Industries, area, Porbander

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at Porbander on 2-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proprty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following may be made in writing to the undersigned:—27-396GI/80

P.A. Holder: Shri (1) Dattani Industries through: Haridas Bhagwanji; National Highway, 'Krishna Kunj', Porbander.

(Transferor)

(2) Shri Mansukhlal & Bros. Through Partner: Shri Ginning Chhotalal Vallabhadas; Near Krishna Factory, Porbander.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforcacid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1771-11 sq. yds. bearing C.S. No. 5313 paiki situated at Swastik Industries area, Porbander, duly registered by Registering Officer, Porbander, vide sale-deed No. 1052/2-4-80 i.e. property as fully described therein.

> MANGI LAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 11054—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, havin ga fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 1359, 1360, 1361, situated at Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Erode (Doc. 1401/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair markt value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax(1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Sri R. M. Dhanalakshmi Sri R. M. Khandaswamy C/o Murugesa Mudaliar 3, Sivashanmughampillai St., Erode.

(Transferor)

(2) Sri R. M. Shanmugha Vadivel C/o Murugesa Mudaliar, 3, Sivashanmugham Pillai St., Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 1359, 1360, 1361, Erode (Doc. 1401/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 11052,—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

15, situated at Brindachari St., at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Erode (Doc. 1396/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. V. Subramaniam S/o Vaiyapuri Mudaliar Chokkanatha Gounder St., Erode.

(Transferor)

(2) Southern Printing Mills 69, Brindachari St., Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immova ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a: are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15, Brindachari St., Erode. (Doc. 1396/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioned of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1980

Ref. No. 15353.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

9, situated at Bong Road, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 629/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri V. Unnamalai Ammal, Mrs. A. Parvathavarthani Mrs. P. C. Sundaravathanam, Mrs. P. S. Santhanalakshmi 9, Boag Road, Madras-17.

 (Transferor)
- (2) M/s Adwave Advertising Co. (P) Ltd. 8, I Main Road, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 9, Boag Road, Madras-17, (Doc. 629/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commessioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1980

Ref. No. 11049.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 269A, 273/1, 287/1, situated at Elamalai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Bhavani (Doc. 590/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair markt value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate provincings for the acquisition of the aforesaid property by the usur of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Manickam, Namachivayam Mudaliar Palani Andavar Koil St., Kaspa Bhavani.

(Transferor)

(2) Shri Kuttiyappa Gounder, S/o Karuppa Gounder Peria thottam, Elamalai Erode Tk.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 269A, 273/1, 287/1, at Elamalai (Doc. 590/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Nupur Roy, 18, Cenotaph Road, Madras-18. (Transferor)

(2) Shri Sunku Viswanatha Gupta, 16, Venkatanarayana Road, Madras-17.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1980

Ref. No. 15289.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the :said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

18, situated at Cenotaph Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in th office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 746/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18, Cenatoph Road, Madras-18, Doc. 746/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, datde 5th December 1980

Ref. No. 11016.—Whereas, I. Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 483, 484, 470, 481, 482, 473, 469, 449/2, 466, 467, 468, 471, 446, 447, 461 at Perianaickenpalayal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore (Doc. 2477/80) on April 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tav under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) G. Devaraj 96, Maniyakarampalayam, Idikarai, Coimbaotre Tk. (Transferor)
- (2) R. Ranganathan, 7/311, Avinashi Road, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 483, 484, 485, 470, 481, 482, 473, 469, 449/2, 466, 467, 468, 471, 446, 447, 461, at Perianiacken-palayam.

(Doc. 2477/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 11043.-Whereas, I, Radha Balakrishnan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing S. No. 534/3, situated at Telungupalayam 467, 468, 471, 446, 447, 461, situated at Perianaickenpalayar (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1414/80) on April 1980 at Bombay on 19-11-1979 Document No. Bom. /180/73 for an apparent consideration which is less than the flair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 N. Chandrasekaran, K. N. Sivasubramanian, Bagyalakshmi, N. Krishnaraj,
 Muthuswamy Konar St., K. K. Pudur Coimbatore.

(Transferor)

K. Janardhanan, N. S. Prabhakaran
 N. S. Baskaran, D. Simon, P. Selvaraj,
 B. J. Chandran, 31A, Gandhipuram
 6th St., Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 534/3, Telungupalayam. (Doc. 1414/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006,

Date: 5-12-1980

(1) A. Sundarraj, 24,Gandhi Nagar, Kumbakonam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mehrunnisa Begum W/o Mohammed Hanifa Thirupanandal, Kumbakonam Tk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 8980.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 25,000/- and bearing

No. 24, Gaudhi Nagar, situated at Kumbakonam (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Kumbakonam (Doc. 620/80) on April 1980

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under stid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28-396GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 24, Gandhi Nagar, Kumbakonam.

(Doc. 620/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

Form I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 11042.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2.2.85, 2.2.85A, Annaji, situated at Rao St., Mettupalaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Coimbatore (Doc. 2055/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. A. Syed Mohammed Rowther S/o P. Ayub Rowther Abbay Naicker St., Mottupalayam

(Transferor)

(2) K. S. Abdul High, S/o K. Syed Shah Rowther Annaji Rao St., Mettupalayam

(Transferee)

Obejetion, if any, to the acquition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2.2.85, 2.2.85A, Annaii Rao St. Mettupalayam.

(Doc. 2055/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 28th November 1980

Ref. No. 9024.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. C-2, I Cross St., situated at Thillainagar, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 1073/80) on April 1980 for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tav under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 S. S. Mahalingam C-2, I Cross Thillainagar, Trichy.

(Transferor)

V. P. Meenakshi
 C-20, 10B Cross, Thillainagar,
 Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at C-2, I Cross St., Thillai Nagar, Trichy.

(Doc. 1073/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
Madras-600 006

Date: 28-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1980

Rcf. No. 11053.—Whereas, 1, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6. Krishnampalayam Road, situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Erode (Doc. 1497/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the still Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely:—

 Saraswathy W/o K. Muthuswamy 41, Vanniyakulathiyar St., Karungalpalayam, Erode

(Transferor)

 P. T. Kolindaswamy
 P. K. Jayakumar
 Kavundachipalayam, Puduvalasu Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 6, Krishnampalayam Road. Frode.

(Doc. 1497/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 11051.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 4/76 and 4/77, situated at Varnanpuram, Bhavani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavani (Doc. 550/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

N. Geetha
 W/o. S. Narayanaswamy
 Chellammal
 W/o S. Swaminatha Iyer
 Soolamangamalam, Kumbakonam Tk.

(Transferor)

(2) S. Jagadambal, W/o D. Shanmughasundaram 4/76, 4/77, Varnanputam Bhayani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4/76, 4/77, Varnanpuram, Bhavani, (Doc. 550/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th December 1980

Ref. No. 10833.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 159, IV Cross St., situated at Venkatanagar, Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office

at Pondicherry (Doc. 439/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Jayaraj S/o Gnanaraj Martin, 159, 4th Cross Road Venkatanagar, Extension Pondicherry.

(Transferor)

(2) Sitharaman, S/o Govinda Pillai Melakaveri, Karaikal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 159, IV Cross St., Venkatanagar, Pondicherry.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 8-12-1980

(1) K. R. Ramanathan Chettiar
(A) Sothu Chettiar,
184. 7th St., Gandhipuram. Coimbatore-12.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) A. V. Gangadharan, 11/9, Seth Narayandas Lay out. Coimbatore-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, dated 8th December 1980

Ref. No. 11027.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 183, 184, situated at Gandhipuram 7th St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. 1546/80) on April 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objection, if any, to the acquision of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latr:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 183, 184, Gandhipuram 7th St. Coimbatore

(Doc. 1546/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 8-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Ramarathinam Ammal W/o K. Thirumurthy Naidu, 28/39, Otha Chakkara St., Coimbatore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Krishna Sweets, Raja St., Coimbatore.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1980

Ref. No. 11022.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/39, Raja St., situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2028/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the folliwing persons, namely:—

Objection, if any, to the acquision of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/39, Raja St., Coimbatore. (Doc. 2028/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 11059.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 102, Vannanthurai Road, situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pollachi (Doc. 1239/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—
29—396G1/80

N. C. Subramaniam, C. S. Hariraj,
 C. S. Venkatachalam, C. S. Thirumurthy,
 C. S. Sivashanmugham, C. S. Mahalingam,
 102. Vananthurai Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) R. Devendran, R. Nandakumar, R. Govindaraju, R. Mohan, R. Venkatesh R. Ramesh, 158, S. S. Koil St., Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 102, Vannanthurai Road, Pollachi. (Doc. 1239/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006,

Date: 8-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 9021.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 'and bearing

No. S. F. 46/1, Uppilipalayam, situated at Péclamedu. Combatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanallur (Doc. 766/80) on April 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) Dr. K. S. Eapen, Dr. Mrs. M. S. Eapen, 21, Lakshmipuram 6th St., Peelamedu, Coimbatore

(Transferors)

(2) G. Damodaran S/o Ganga Naidu Soundaraja Mills, Dindugal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. F. 46/1, Uppilipalayam Peelamedu Coimbatore.
(Doc. 766/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 8-12-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 11050.---Whereas, I,

RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 37A, 37B, 38, and 304, situated at Kesarimangalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhanvani (Doc. 566/80) on April 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kandaswamy Gounder S/o Kandaswamy Gounder Kesarimangalam.

(Transferor)

(2) S. Anbarasu, Rajkumar, S. Dhanapalswamy, N. Subramani, K. K. Ayyaswamy R. Perianna Gounder, R. Muthuswamy, K. Perumal, Marappa Gounder, Sengotan Kesari Mangalam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 37A, 37B 38, and 304, Kesarimangalam (Doc. 566/80).

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 9th December 1980

Ref. No. 11058.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

26, Meenkarai Road, at Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Pollachi (Doc. 1067/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proprty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. M. Karuppusamy Chettiar, 169, Kadai St., Pollachi.

(Transferor)

(2) P. G. M. Sardar Hussain 56, Palaniappa Gounder St., Pollachi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 26, Meenkarai Road, Pollachi. (Doc. 1067/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-12-1980

(1) M. S. Ramaswamy Iyer 2A, Tatabad St., No. 5, Coimbatore.

(2) K. M. Dhandapani. Susila Devi 414, Palghat Road,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th December 1980

Ref. No. 11062.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14/2A. Sanganur situated at

(and more fully, described in the Schedule tunnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1195/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcand exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Kuniamuthur, Coimbatore-8.

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14/2A, Sanganur (Doc. 1195/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(1) Rukmani Kalingarayar W/o A.M.R. Kalingarayar, 6/113, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Krishnaveni W/o S. Sadasivam 36, Ramaswamy Naicker St., Fort Coimbatore.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

may be made in writing to the undersigned:-

Madras-600 006, the 8th December 1980

(a) by any of the aforesaid ersons with a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later,

Ref. No. 11060.--Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearin No.

tion of this notice in the Official Gazette.

TS 1/1448/2 and 1/1449/2B, situated at Race Course Road, Coimbatore

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 2068/89) on April 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at TS 1/1448/2 and 1/1449/2B Race Course Road, Coimbatore. (Doc. 2068/80).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RADHA BALAKRISHNAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-12-1980

(1) Rukmani Kalingarayar 113, Race Course Road, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madrus-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 11060.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

TS 1/1448/2 and 1449/2B, situated at Race Course Road, Combatore

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2069/80) on Aril 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proerty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I have initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) S. Sadasivam S/o Sundaram Pillai 36, Fort Ramaswamy Naicker St., Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS No. 1/1448/2 and 1449/2B Race Course Road, Coimbatore, (Doc. 2069/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-max,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 8-12-1980

(1) S. Subbian, S/o S. Sanjeevi Chettiar, Munsif Srinivasapuram, Tiruppur, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jaga Industries, Devangapuram St., 10C, Tiruppur-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 11044.—Whereas, I,

RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 239, 242, situated at Chettipalayam, Tiruppur (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 58/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 239, 242/2 at Chettipalayam Palladam Tk (Doc. 58/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-12-1980

NS (1) A. Krishnakumari W/o Adinarayana Chettiar 5, South Vasal St., Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

(2) Somasundaram Textiles 287, Agrahara St., Erode. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600 006, the 5th December 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

Ref. No. 11055.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 287, 288, situated at Agrahara St., Erode (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Erode (Dec. 1615/80) on April 1980

for an apparent consideration which is less than the hair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 287, 288, Agrahara St., Erode. (Doc. 1615/80).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

RADHA BALAKRISHNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-12-1980

 James Alapath, S/o A. P. John Kattoor Village, Trichur Dt. Kerala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hansa W/o Kishindas Jain Singh 'Krishna Kutiya, 15/11A, Pera Naidu Lay out, Coimbatore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS

Madras-600 006, the 8th December 1980

Ref. No. 11013.--Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.F. 562, Telungupalayam situated at (TS No. 12/108/1) (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1670/80 on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 12/108/1, Telungupalayam (Doc. 1670/80).

RADHA BALAKRISHNAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-00 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dato: 9-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th December 1980

Rei. No. CA5/SR Karvir/April'80/495/80-81.—Whereas, I. A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1037/1-2, E-Ward, situated at Tal. Karvir, Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Karvir on 12-4-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Shri Kanhaiya Vinayak Tengshe, 2. Smt. Kamal Shankar Tengshe,

At Rajarampuri, 5th Galli, Kolhapur,

(Transferors)

Shri Dilip Jawanmal Gandhi,
 Shri Subhash Jawanmal Gandhi,
 Shri Rajendra Jawanmal Gandhi,
 Shri Amar Jawanmal Gandhi,

At 204 'Rupam', New Shahupuri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in the jurisdiction of Karvir Taluka, Kolhapur Zilla Parishad, E-Ward, C.S. No. 1037/1-2, Total area 1295.8 sq. mts

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1080 dt. 12-4-1980 in the office of the Sub-Registrar, Karvir).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the